आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | शनिवार, 27 दिसंबर 2025 | 12 पौष, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 361, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

www.anantgyaan.in

# अनंत ज्ञान

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में निकाली गई एंटी-चिट्टा वॉकथॉन में शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों सहित हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस वॉकथॉन में भाग ले रहे युवाओं से नशे से दूर रहने और नशा मुक्त हिमाचल के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

# आज से हड़ताल पर जाएंगे डॉक्टर्स

## आईजीएमसी प्रकरण में सीएम के दोबारा जांच करने के आश्वासन पर भी नहीं माने

**सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**शिमला।** हिमाचल में रेजिडेंट डॉक्टर्स शनिवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू के साथ मीटिंग के बाद शुक्रवार दोपहर बाद रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन(आरडीए), हिमाचल मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन और स्टेट एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज टीचर्स की ज्वाइंट एक्शन कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया। आरडीए की मांग है कि डॉ. राघव निरुला के खिलाफ टर्मिनेशन की कार्रवाई को निरस्त किया जाए। आईजीएमसी शिमला के भीतर भीड़ द्वारा डराने-धमकाने/ट्रायल की गंभीर घटना मामले में दोषियों के खिलाफ एफआईआर, डॉ. राघव को जान से मारने की धमकी तथा उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर करने वाले नरेश दस्ता पर मामला दर्ज किया जाए। इससे पहले सुबह के वक्त ओक ओवर में सीएम सुक्खू के साथ इनकी मीटिंग हुई।

डॉ. निरुला के टर्मिनेशन ऑर्डर निरस्त करने की मांग को लेकर सामूहिक अवकाश पर डॉक्टर्स।

### डॉ. राघव निरुला के टर्मिनेशन ऑर्डर निरस्त करने पर अड़े

इस बैठक से कुछ समय के लिए यह उम्मीद जगी थी कि स्थिति सामान्य हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने मामले में दोबारा जांच कराने, डॉक्टरों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और समाधान निकालने का भरोसा भी दिया। बावजूद इसके डॉक्टरों ने हड़ताल पर जाने का फैसला कर लिया। डॉक्टरों का साफ कहना है कि जब तक कार्यस्थल पर सुरक्षा, सम्मान और निष्पक्ष कार्रवाई की ठोस गारंटी नहीं मिलती, तब तक केवल आश्वासन के आधार पर काम पर लौटना संभव नहीं है। गौर रहे कि गत 22 दिसंबर को आईजीएमसी में हुई मारपीट की घटना का वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन ने तेजी से जांच कर संबंधित डॉक्टर को सेवा से हटा दिया है। इसी फैसले को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए आंदोलन का रास्ता अपनाया। डॉक्टरों का कहना है कि न तो पूरी घटना की निष्पक्ष जांच हुई और न ही दोनों पक्षों को आमने-सामने रखकर उन्हें सुना गया। इसी असंतोष ने पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर दिया है।

### एम्स दिल्ली के डॉक्टर भी समर्थन में उतरे

**अब** तो एम्स दिल्ली के डॉक्टर्स भी आईजीएमसी शिमला के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

### पुलिस अलग से कर रही पूरे प्रकरण की जांच

**इस** पूरे प्रकरण में मरीज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस अलग से जांच कर रही है। हालांकि अस्पताल का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं हो पाया है। पुलिस अब उस व्यक्ति से मूल (ऑरिजनल) वीडियो रिकवर करेगी, जिसने घटना का वीडियो शूट किया था।

### सामूहिक अवकाश से चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं, मरीज परेशान

**शुक्रवार** को हजारों डॉक्टर सामूहिक अवकाश पर रहे। उनके सामूहिक अवकाश पर रहने का सबसे ज्यादा असर आईजीएमसी शिमला समेत प्रदेश के बड़े अस्पतालों में देखने को मिल रहा है। इससे ओपीडी सेवाएं लगभग पूरी तरह ठप रहीं। सुबह-सुबह इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे मरीजों को घंटों इंतजार के बाद बिना उपचार लौटना पड़ा। दूर-दराज के इलाकों से आए मरीज और उनके परिजन अस्पताल परिसरों में मायूस बैठे नजर आए।

# हिमाचल जीतेगा, चिट्टा हारेगा : सीएम

## बिलासपुर में एंटी-चिट्टा वॉकथॉन में नशे के खिलाफ दिलाई शपथ

**अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**बिलासपुर।** हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत शुक्रवार को बिलासपुर में चिट्टे के खिलाफ विशाल वॉकथॉन का आयोजन किया गया। वॉकथॉन का नेतृत्व मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किया। यह वॉकथॉन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) के मैदान से शुरू होकर लुहणू मैदान तक निकाली गई, जिसमें छात्र-छात्राओं, युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों सहित लगभग 25 हजार लोगों ने भाग लिया।

वॉकथॉन के दौरान पुलिस बैंड ने जोशीली धुनों से माहौल को जीवंत बनाए रखा। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने नशे के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चिट्टे जैसी घातक लत के विरुद्ध एकजुटता का संदेश दिया। लुहणू मैदान में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि चिट्टा प्रदेश के युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार नशा माफिया के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस नीति के

तहत सख्त कार्रवाई कर रही है और इस सामाजिक बुराई को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टे के खिलाफ शुरू की गई इस लड़ाई में हिमाचल प्रदेश की जीत होगी और चिट्टा तस्करों को हारना पड़ेगा। उन्होंने यह घोषणा भी की कि चिट्टा या अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार से जुड़ी सूचना देने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से उचित इनाम दिया जाएगा, जबकि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और नशा मुक्त हिमाचल के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और शपथ दिलाई।

### कोटला बड़ोग पुनर्वास केंद्र के लिए 20 करोड़ जारी

**मुख्यमंत्री** ने बिलासपुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कहा कि सिरमौर जिले के कोटला बड़ोग में बन रहे पुनर्वास केंद्र के लिए राज्य सरकार ने 20 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि 17 से 19 नवंबर को राज्यव्यापी नाका अभियान में 208 विशेष नाके, 27,982 वाहनों की गहन जांच, कई एनडीपीएस एक्ट के मामले दर्ज तथा 33 गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने कहा कि 22 नवंबर को पूरे प्रदेश में समकालिक तलाशी और छापेमारी, 124 स्थानों पर कार्रवाई, 9 एनडीपीएस मामले और 9 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

# कनाडा में भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या

**एजेंसी, टोरंटो।** कनाडा के यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो के पास भारतीय मूल के 20 वर्षीय छात्र शिवांक अवस्थी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह टोरंटो में 2025 की 41वीं हत्या है। यह घटना कैंपस के पास होने से छात्रों में डर का माहौल है और यूनिवर्सिटी ने भी सुरक्षा अलर्ट जारी किया। पुलिस के अनुसार, 23 दिसंबर को दोपहर में हत्या की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर शिवांक अवस्थी को गोली लगी हालत में पाया और उसे मृत घोषित कर दिया। (अनंत ज्ञान)

## अंदर के पन्नों पर पढ़ें


- प्रदेशभर में 108 और 102 एंबुलेंस कर्मियों का प्रदर्शन -पेज 3
- कृषि विज्ञान केंद्र मंडी को मिला सर्वश्रेष्ठ केवीके पुरस्कार -पेज 4
- चिट्टे से जंग के लिए बिलासपुर भी हुआ तैयार, उमड़ा जन सैलाब -पेज 6
- खड्ड में गिरने से बची एचआरटीसी की बस -पेज 9
- कर्मियों ने न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम के खिलाफ जताया रोष -पेज 12


# भारत में बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन हो : मद्रास हाईकोर्ट

**एजेंसी, चेन्नई**

मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र वालों के लिए

### ऑस्ट्रेलिया जैसे सख्त कानून पर विचार करने का दिया सुझाव

सोशल मीडिया पर रोक लगाई जाए। कोर्ट ने कहा कि इसपर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मदुरै बेंच की डीविजन बेंच जस्टिस जी जयचंद्रन और जस्टिस केके रामकृष्णन ने यह बात नाबालिगों को ऑनलाइन पोर्नोग्राफिक कंटेंट आसानी से मिल जाने के मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। याचिकाकर्ता एस विजयकुमार के वकील केपीएस पलानीवेल राजन ने ऑस्ट्रेलिया के नए कानून का हवाला दिया था।

कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स पर और सख्त नियम लागू किए जाएं। उन्हें अनिवार्य रूप से पैरेंटल विंडो सर्विस (पैरेंटल कंट्रोल) देने के लिए कहा जाए, जिससे माता-पिता अपने बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी को फिल्टर और कंट्रोल कर सकें। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ने 9 दिसंबर से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अकाउंट बनाने पर बैन कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस तरह का बैन लगाने वाला दुनिया का पहला देश है। (अनंत ज्ञान)

### ऑस्ट्रेलिया मॉडल?

**ऑस्ट्रेलिया** सरकार ने नवंबर 2024 में 'ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट बिल' पास किया था। इस कानून का मकसद बच्चों को ऑनलाइन हानिकारक कंटेंट और साइबर जोखिमों से बचाना है। इसमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया- एक्स (ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, यूट्यूब जैसी बड़ी सोशल मीडिया साइटों से दूर रखने का प्रावधान है।

# राखिल काहलों बनीं एचपीपीएससी की सदस्य

## अभी जलशक्ति विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत, ज्वाइनिंग से पहले देंगी इस्तीफा

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

हिमाचल प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राखिल काहलों को हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एचपीपीएससी) का सदस्य नियुक्त किया है। इस संबंध में मुख्य सचिव संजय गुप्ता की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्यपाल की स्वीकृति के साथ ही यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी। एचपीपीएससी में सदस्य के रूप में कार्यभार संभालने से पहले उन्हें आईएएस सेवा से औपचारिक रूप से इस्तीफा देना होगा। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब उनकी नियमित सेवानिवृत्ति जनवरी 2026 में प्रस्तावित थी। वर्तमान में राखिल काहलों राज्य सरकार में जलशक्ति विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत

हैं। वह वर्ष 2008 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और राज्य प्रशासन में उनकी गिनती वरिष्ठ अधिकारियों में होती है। एचपीपीएससी में उनकी तैनाती छह वर्षों के लिए की गई है। लोक सेवा आयोग राज्य में मुख्य रूप से राजपत्रित पदों और कुछ अराजपत्रित पदों के लिए चयन परीक्षाएं आयोजित करता है।

# बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा-भारत रत्न और पद्म अवॉर्ड कोई उपाधि नहीं

**एजेंसी, मुंबई।** बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि भारत रत्न, पद्म श्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण जैसे नागरिक सम्मान कोई उपाधि (टाइटल) नहीं हैं। ऐसे में इन्हें किसी के नाम के आगे या पीछे नहीं लगाया जा सकता है। कोर्ट ने यह बात शुक्रवार को एक याचिका के केस टाइटल में पद्म श्री लिखे जाने पर की। दरअसल, जस्टिस सोमशेखर सुंदरेसन की बेंच याचिका की सुनवाई कर रही थी। इसमें 2004 में पद्म श्री से सम्मानित डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर भी एक पक्षकार थे। केस टाइटल में उनका नाम पद्म श्री डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर लिखा गया था। इस पर जज ने आपत्ति जताई। साथ ही कहा कि कानून के अनुसार ऐसा करना गलत है। (अनंत ज्ञान)

# केरल में पहली बार भाजपा का मेयर

**एजेंसी, तिरुवनंतपुरम।** केरल में पहली बार भाजपा का मेयर चुना गया है। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शुक्रवार को हुए मेयर चुनाव में भाजपा के वीवी राजेश को 51 वोट मिले, जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के पी. शिवाजी को 29 वोट, जबकि कांग्रेस गठबंधन उम्मीदवार केएस सबरिनाथन को 19 वोट मिले, जिनमें से दो को बाद में अमान्य घोषित कर दिया गया। दरअसल 9 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों का रिजल्ट आया था। 50 वार्डों पर भाजपा जीती थी। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा का कब्जा था। केरल के 1,199 स्थानीय निकायों के लिए दो फेज 9 और 11 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। इनमें 6 कॉर्पोरेशन, 86 नगर पालिकाएं, 14 डिस्ट्रिक्ट काउंसिल, 152 ब्लॉक पंचायत और 941 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

# पाकिस्तान के एटमी हथियार दुनिया के लिए खतरा : पुतिन

**एजेंसी, नई दिल्ली**

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 साल पूर्व 2001 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश से अपनी पहली मुलाकात के दौरान पाकिस्तान को लेकर चिंता जताई थी। पुतिन ने कहा था कि पाकिस्तान असल में एक सैन्य शासन यानी जुंटा है, जिसके पास परमाणु हथियार हैं। यह कोई लोकतांत्रिक देश नहीं है। पुतिन के मुताबिक, इसके बावजूद पश्चिमी देश पाकिस्तान की आलोचना नहीं करते, जो चिंता की बात है। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए।

दोनों नेता पाकिस्तान के अंदरूनी हालात, राजनीतिक अस्थिरता और परमाणु कमांड सिस्टम को लेकर चिंतित थे। उन्हें डर था कि अगर हालात बिगड़े तो परमाणु तकनीक गलत हाथों में जा सकती है। यह जानकारी दोनों के बीच 2001 से 2008 के दौरान हुई बातचीत के

### रूसी राष्ट्रपति ने 24 साल पहले जॉर्ज बुश को किया था आगाह

डीक्लासिफाइड दस्तावेज सामने आए हैं। ये दस्तावेज अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी आर्काइव ने सूचना के अधिकार कानून के तहत जारी किए हैं। यह बातचीत ऐसे समय में हुई थी जब दुनिया में आतंकवाद और दक्षिण एशिया की सुरक्षा को लेकर हालात काफी संवेदनशील थे। पुतिन का मानना था कि किसी गैर-लोकतांत्रिक देश का परमाणु हथियारों से लैस होना वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। 2001-2008 के दौर में पाकिस्तान में सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ का शासन था। (अनंत ज्ञान)

# क्रिकेटर वैभव समेत 20 बच्चों को बाल पुरस्कार

## राष्ट्रपति ने किया सम्मानित, 2 बच्चों को मरणोपरांत मिला

**एजेंसी, नई दिल्ली**

वीर बाल दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 20 बच्चों को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित किया। इन बच्चों को 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चुना गया है। 14 साल के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पुरस्कार लेने के लिए दिल्ली में हैं, इसलिए वे आज विजय हजारे टूर्नामेंट में मणिपुर के खिलाफ मैच नहीं खेल रहे हैं। राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले बच्चों में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बॉर्डर पर जवानों को चाय-नाश्ता देने वाले फिरोजपुर के श्रवण सिंह भी शामिल हैं। 2 बच्चों को मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया। इनमें

तमिलनाडु की ब्योमा और बिहार के कमलेश कुमार का नाम शामिल है। इनके पुरस्कार माता-पिता ने लिए। पीएम मोदी ने विजेता बच्चों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बच्चों को संबोधित किया और कहा कि जेन जी और जेन अल्फा ही हमें विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

### जेन जी हमें विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे : पीएम

**पीएम** मोदी ने कहा कि यहां मेरा युवा भारत है। संगठन से जुड़े इतने सारे युवा यहां एकत्रित हैं। एक तरह से आप सभी जेन जी हैं। जेल अल्फा भी हैं। आपकी जनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य की तरफ ले जाएगी। मैं जेन-जी की योग्यता और आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं। इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं। हमारे यहां कहा गया है- 'बालादपि ग्रहीतव्यं विद्या युक्तमुक्तं मनीषिभिः अमृतं विषसंयुक्तं यदुक्तं तदपि त्यजेत्', अर्थात, अगर छोटा बच्चा भी कोई बुद्धिमानी की बात करे तो उसे ग्रहण करना चाहिए।

**चिंतनीय** डॉक्टर बोले-वायु प्रदूषण से बढ़ीं दिल की बीमारियां; हल ढूंढने में काफी देर हो चुकी

# कोविड के बाद प्रदूषण भारत का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारत में वायु प्रदूषण कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन चुका है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में यह दावा किया है।

डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर तत्काल और ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। डॉक्टरों ने कहा कि पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को अक्सर मोटापे से

जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है।

डॉक्टरों के मुताबिक, दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30% की बढ़ोतरी देखी गई। इनमें कई युवा और पहली बार इलाज कराने वाले मरीज शामिल थे। लंदन के सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट राजय नारायण ने कहा कि वायु प्रदूषण से हृदय, सांस, न्यूरोलॉजिकल और अन्य बीमारियों के बीच संबंध को लेकर पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्रवाई में देरी से स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ बढ़ेगा। (अनंत ज्ञान)

### वर्तमान में जो इलाज हो रहा, वह काफी नहीं

**इंग्लैंड** स्थित लिवरपूल में कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़ों के डॉक्टर) मनीष गौतम ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का नया फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफी देरी हो चुकी है। गौतम के पास यूके की नेशनल हेल्थ में 20 सालों से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण कदम पहले से मौजूद हैं, लेकिन वे अब इस रोक पाने के लिए अपने आप में काफी नहीं हैं। उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छोटा हिस्सा है।

### 2022 में भारत में प्रदूषण से 17 लाख लोगों की मौत

**'लैंसेट** काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत में 2.5 पीएम प्रदूषण से 17 लाख से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें से 2.69 लाख मौतें सड़क परिवहन में पेट्रोल के इस्तेमाल से जुड़ी थीं। मई में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन की एक वैश्विक स्टडी में कहा गया कि गाड़ियों से निकलने वाली जहरीली गैसों को कंट्रोल करने वाली नीतियां 2040 तक दुनियाभर में 19 लाख जानें बचा सकती हैं और बच्चों में अस्थमा के 14 लाख नए मामलों को रोक सकती हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### राकेश शर्मा को संयुक्त राष्ट्र शांति पदक

**अनंत ज्ञान, धनेटा।** नादौन उपमंडल की मनसाई पंचायत के गांव मंडियाणी निवासी राकेश शर्मा को सूडान के जूबा में संयुक्त राष्ट्र मिशन इन साउथ सूडान के तहत उत्कृष्ट सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति पदक से सम्मानित किया गया है। राकेश शर्मा वर्तमान में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) दिल्ली में सहायक सुरक्षा आयुक्त मुख्यालय के पद पर तैनात हैं। यह सम्मान 22 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र हाउस, जूबा में आयोजित औपचारिक परेड के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि फोर्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम रहे। राकेश शर्मा इससे पूर्व कोसोवो सहित कई अंतरराष्ट्रीय मिशनों में भी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से मनसाई पंचायत में खुशी का माहौल है।

### पुराने बंद मकान में चोरी का प्रयास, एक काबू, दूसरा फरार

**अनंत ज्ञान, भोरंज।** भोरंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव साही दा घाट (डा. भुक्कड़) में एक बंद पड़े पुराने मकान में चोरी के प्रयास का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार 25 दिसंबर 2025 को दो युवक मकान का दरवाजा तोड़कर घरेलू बर्तन चोरी कर बोरे में भरकर ले जा रहे थे। शोर सुनकर मकान मालिक सुरजीत कुमार और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने करीब 100 मीटर दूरी पर एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। सूचना मिलते ही थाना भोरंज से पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पकड़े गए आरोपी की पहचान इसपाल पुत्र राज, निवासी सूरजपुर, पुरुवाला (पांवटा साहिब) के रूप में हुई है। उसके कब्जे से पीतल, तांबा और एल्यूमिनियम के बर्तन बरामद किए गए, जिनकी कीमत करीब 3,000 से 3,500 रुपए आंकी गई है। मकान में तोड़फोड़ से भी करीब 2,000 से 2,500 रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाद्य आपूर्ति विभाग डिपुओं पर माह की पंद्रह तारीख से पहले पूरा राशन उपलब्ध करवाए तो नहीं पड़ेगी बैंक लॉग की जरूरत,

### बैक लॉग व्यवस्था बंद करने पर जताई आपत्ति

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर।** खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से उपभोक्ताओं को बैंक लॉग की व्यवस्था बंद करने के आदेश पर डिपो संचालक समिति ने आपत्ति जताई है। प्रदेश डिपो संचालक समिति के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कवि ने कहा कि प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में विभाग की ओर से माह के अंतिम सप्ताह में आधा-अधूरा राशन पहुंचाया जाता है और विभाग द्वारा डिपुओं पर स्थापित की गई मशीनों का सर्वर माह के अंत में ज्यादातर डाउन रहता है, जिससे उपभोक्ता डिपो से अपना राशन लेने से वंचित रहते हैं। कई बार विभाग की ओर से दालों व खाद्य तेल के टेंडर समय पर न करवाने से भी डिपुओं पर पूरा राशन उपलब्ध नहीं होता। ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं को बैंक लॉग की सुविधा से वंचित करना न्याय संगत नहीं है। अशोक कवि ने कहा कि विभागीय कमियों की वजह से बैंक लॉग बंद करने से एक तो डिपो धारकों को कमीशन में चपत लगेगी, दूसरा उपभोक्ताओं को भी खुले बाजार से महंगा राशन खरीदने पर मजबूर होना पड़ेगा। राज्य अध्यक्ष ने कहा यदि विभाग हर माह की पंद्रह तारीख से पहले डिपुओं पर पूरा राशन उपलब्ध करवाए और सर्वर की समस्या का स्थायी हल करके डिपो धारकों को मासिक वेतन की व्यवस्था करे, तो बैंक लॉग की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

### तीन गांवों को सराहकड़ में मिलाने का विरोध

**अनंत ज्ञान, टौणी देवी।** पंचायत दरोगण पति कोट के तीन गांव कोटलू, जुल्ही व धवां अप्पर के लोगों ने ग्राम पंचायत सराहकड़ में मिलाने पर अपना विरोधस्वरूप ज्ञापन बीडीओ टौणी देवी को सौंपा। इसमें इन गांवों को कोट पंचायत में ही रहने के लिए कहा। इस अवसर पर बीडीसी राजीव ठाकुर, वार्ड सदस्य बलदेव सिंह, वार्ड सदस्य प्रवीण कुमार, सूबेदार अमीचंद, ठाकुर दास, राजकुमार, राम नाथ, पाना राम, सुलोचना देवी, सरिता देवी, मदन लाल, रोशन लाल, बलवीर सिंह, प्रमोद, ओम प्रकाश, रत्न चंद, धर्म सिंह, अशोक,आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

### बिना बिल सामान बेचने वालों पर लगाया जुर्माना

**अनंत ज्ञान, बड़सर।** भोटा बाजार में एक्साइज कमिश्नर कुलदीप कुमार ने बिना बिल व जीएसटी के सामान बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 25,000 रुपए का जुर्माना वसूल किया। दुकानदारों की शिकायत पर कमिश्नर नगर पंचायत भोटा पहुंचे। महारानी ब्रांड के उत्पादों पर बिना जीएसटी के बिक्री के लिए 15,000 रुपए और बाइक पर सामान बेचने वाले व्यक्ति पर 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। मुख्यमंत्री के गृह जिले में बिना जीएसटी के सामान बेचने वालों पर अब सख्ती दिखाई जा रही है। एक्साइज कमिश्नर की इस कार्रवाई की स्थानीय जनता ने प्रशंसा की और कहा कि इससे नियमों का पालन बढ़ेगा और अवैध बिक्री पर नियंत्रण मिलेगा।

### सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर के साक्षात्कार 3 को

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** एसआईएस इंडिया लिमिटेड आरटीए हमीरपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर के 70 पदों पर भर्ती के लिए 3 जनवरी को सुबह 10.30 बजे उपरोजगार कार्यालय भोरंज में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए 19 वर्ष से 40 वर्ष तक के पुरुष उम्मीदवार भर्ती किए जाएंगे। दसवीं फेल या दसवीं पास अथवा इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवार, जिनकी लंबाई कम से कम 168 सेंटीमीटर और वजन 52 से 95 किलोग्राम के बीच हो, इन पदों के लिए पात्र हैं। चयनित उम्मीदवारों को मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किए जाएंगे तथा उन्हें 17,500 से लेकर 23 हजार रुपए तक मासिक वेतन व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा उपरोक्त योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है, तो वह अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

### रैली निकालकर यातायात नियमों के प्रति किया सजग

**अनंत ज्ञान, टौणी देवी।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टौणी देवी के आदर्श रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्थानीय बाजार क्षेत्र में रैली निकालकर आमजन को यातायात नियमों के प्रति सजग किया। रैली में छात्रों ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से हेलमेट, सीट बेल्ट व सुरक्षित गति के महत्व का संदेश दिया। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में पेंटिंग व नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इसमें विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा विषय पर रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं। नारा लेखन में भावना प्रथम और पेंटिंग में गौरव ने पहला स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में अहम बताया।

### चिन्मय का राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, विकास नगर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विचार और उद्यमिता प्रतियोगिता इनोवेंचर चैलेंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 9 विद्यार्थियों ने भाग लिया और राउंड-1 एवं राउंड-2 में सफलतापूर्वक क्वालिफाई किया। कक्षा छठी के चिन्मय चौधरी ने राज्य स्तर पर प्रथम और राष्ट्रीय स्तर पर 34वीं रैंक प्राप्त की। उनकी इस उपलब्धि के आधार पर चिन्मय का चयन राउंड-3 नेशनल फिनाले के लिए हुआ है, जो 31 जनवरी 2026 को पुणे में आयोजित होगा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन शिक्षिका मृदुला शर्मा ने किया। विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### गाहलियां स्कूल में बच्चों को टोपियां भेंट कीं

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** राजकीय प्राथमिक पाठशाला गाहलियां में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यातिथि चंद्रशेखर प्रधान ग्राम पंचायत रहे। इसके साथ-साथ अरुण कुमार प्रवक्ता ने बच्चों को सर्दियों की टोपियां भेंट कीं। कुलदीप चंद, तरसेम चंद व विजय कुमारी ने भी पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों को कॉपियां, पेंसिल बॉक्स दिए। समारोह में विशेष तौर पर प्राथमिक शिक्षक संघ खंड हमीरपुर के प्रधान नरेश कुमार, जीवन कुमार, रविंद्र कुमार, मौसम दीन मौजूद रहे। गाहलियां स्कूल की प्रभारी आशा मनकोटिया व सुशील कुमार ने मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर पाठशाला में पधारने पर सभी का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने भी पाठशाला को 10000 रुपए व शैक्षणिक भ्रमण के लिए जो भी खर्चा होगा, वहन करने की घोषणा की।

### धनेटा के पास 10 तक बंद रहेगी मुख्य सड़क

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** धनेटा-बड़सर सड़क की अपग्रेडेशन के कार्य के चलते यह सड़क धनेटा के पास 10 जनवरी तक बंद रहेगी। इस संबंध में आदेश जारी करते हुए डीसी अमरजीत सिंह ने बताया कि धनेटा-बड़सर सड़क को अपग्रेड करने का कार्य तेजी से जारी है। इस कार्य को सुचारू रूप से जारी रखने तथा इसे जल्द पूरा करने के लिए इस मुख्य सड़क पर धनेटा के पास यातायात 10 जनवरी तक बंद किया गया है। इस दौरान वाहन चालक डिग्री कॉलेज धनेटा, राजनौण-मीडियानी सड़क से आवाजाही कर सकते हैं। डीसी ने इस दौरान सभी वाहन चालकों से सहयोग की अपील की है।

# एंबुलेंस कर्मियों ने निकाली रोष रैली, नारेबाजी

## प्रदेश सरकार से की उच्च न्यायालय के फैसले को लागू करने की मांग, डीसी को सौंपा ज्ञापन

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

108-102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी डीसी कार्यालय के बाहर कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए।

**हमीरपुर।** हिमाचल प्रदेश 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन संबंधित सीटू की राज्य कमेटी के आह्वान पर हमीरपुर में 102,108 एंबुलेंस सेवा में कार्यरत कर्मचारियों ने हड़ताल की। कर्मचारियों ने जिला अस्पताल से रैली शुरू की और बाजार से होते हुए डीसी कार्यालय के बाहर पहुंची।

डीसी कार्यालय के बाद कर्मचारियों ने कंपनी व सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इसके बाद कर्मचारियों ने उपायुक्त हमीरपुर अमरजीत सिंह को मांगों का ज्ञापन सौंपा। 102-108 कर्मचारियों की सभा को सीटू राष्ट्रीय सचिव डॉ कश्मीर सिंह ठाकुर, सीटू जिला उपाध्यक्ष प्रताप राणा, 102-108 यूनियन के अध्यक्ष राजेश कुमार व अन्य मजदूर नेताओं ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने प्रदेश सरकार की 102-108 कर्मचारी विरोधी नीति की आलोचना की। डॉ. कश्मीर सिंह ठाकुर ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि उच्च न्यायालय के फैसले को तुरंत लागू करने के कंपनी को आदेश दें। मजदूरों को न्यूनतम वेतन ओवरटाइम का दोगुना वेतन छुट्टियां आदि दी जाए। यदि प्रदेश सरकार और कंपनी का रवैया मजदूर विरोधी रहेगा तो यूनियन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए विवश होगी जिसकी सारी जिमेदारी प्रदेश सरकार और मैडसवान फाउंडेशन कंपनी की होगी। 25 फरवरी को प्रदेश सरकार और मैड सवान फाउंडेशन कंपनी के बीच पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत एक समझौता हुआ। इस समझौते के अनुसार कर्मचारियों की वेतन व अन्य शर्तों पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता मजदूर विरोधी था। इस समझौते में न्यूनतम वेतन को लागू नहीं किया गया।

मजदूरों को 8 घंटे काम पर ओवरटाइम करने के उपरांत दोगुना वेतन देने के कानून को भी नजर अंदाज किया गया और न ही छुट्टियों देने का कोई प्रावधान किया गया। 102-108 एम्बुलेंस कर्मचारी यूनियन ने प्रदेश सरकार और मैड सवान फाउंडेशन कंपनी के बीच हुए समझौते को हिमाचल के माननीय उच्च न्यायालय में चुनौती दी। माननीय उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि कंपनी द्वारा रखे हुए ड्राइवरों को अतिकुशल श्रेणी के न्यूनतम वेतन के समान दिया जाए। यूनियन ने प्रदेश सरकार और एनएचएम के निदेशक से उच्च न्यायालय का फैसला लागू करने के लिए कई बार अनुरोध किया।

यूनियन ने कंपनी प्रबंधक को भी उच्च न्यायालय के फैसला को लागू करने के लिए अनुरोध किया परन्तु कंपनी ने उल्टा 102-108 कर्मचारियों की प्रताड़ना शुरू कर दी। 102-108 एम्बुलेंस कर्मचारी यूनियन की मांग है कि कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों को माननीय उच्च न्यायालय के फैसले अनुसार कुशल मजदूर का वेतन दिया जाए। कर्मचारियों द्वारा ओवरटाइम करने पर उन्हें कानूनन दोगुना वेतन दिया जाए। कर्मचारियों को 20 अर्जित अवकाश 10 आकस्मिक अवकाश व मेडिकल व अन्य सरकारी छुट्टियां दी जाए। एंबुलेंस खराब होने पर, गाड़ी की मरम्मत के दौरान कर्मचारियों को पूरा वेतन का भुगतान किया जाए।

मैड सवान फाउंडेशन कंपनी ई पी एफ और ईएसआई में अपना हिस्सा अलग से जमा करवाएं। वर्तमान में कंपनी मजदूरों के वेतन में से ही अपना और मजदूरी का हिस्सा जमा करवा रही है जोकि कानूनन जुर्म है। परन्तु सरकार आंखें बंद कर सो रही है और कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नही कर रही है। मैड सवान फाउंडेशन कंपनी द्वारा प्रदेश सरकार के बीच 8 घंटे काम करने पर जो वेतन समझौता किया है वह 8815 रुपए मासिक बनता है और यह भी पूरे महीने का नहीं दिया जाता। हिमाचल प्रदेश में अर्द्ध-कुशल मजदूर का न्यूनतम वेतन 12750 रुपए है, जबकि अति कुशल मजदूर का वेतन 18000 रुपए बनता है, लेकिन प्रदेश सरकार के आशीर्वाद के कारण मैड सवान कंपनी ड्राइवर जिसे कंपनी कैप्टन और पायलट के नाम से नियुक्त करती है उसे 8 घंटे काम करने पर सिर्फ 8815 रुपए वेतन दिया जाता है। वेतन निर्धारण में भी विसंगतियां है। इससे साफ जाहिर है कि कंपनी प्रदेश सरकार के आशीर्वाद के चलते शोषण और दमन कर रही है, जो कि हरगिज मंजूर नहीं।

### विवाहिता की मौत पर ससुरालियों पर केस दर्ज

**अनंत ज्ञान ब्यूरो हमीरपुर।** पुलिस थाना भोरंज के अंतर्गत एक विवाहिता द्वारा ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से तंग आकर संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्मा करने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता सुरिंद्र कुमार के बयान के अनुसार, उसकी पुत्री शिवानी का विवाह नवंबर 2024 को वीरेंद्र सिंह निवासी अवाहदेवी के साथ हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद ही पति दुबई चला गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार शादी के तीन महीने बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे छोटी-छोटी बातों पर प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता ने अपने परिजनों को बताया था कि उसका पति दुबई से भी उसे प्रताड़ित करता था। हाल ही में पढ़ाई के खर्च व घरेलू खर्चों को लेकर ससुराल पक्ष के द्वारा दी गई मानसिक यातना और पति द्वारा फोन पर कई प्रकार की धमकियां दिए जाने से वह अत्यधिक तनाव में थी। 26 दिसंबर की सुबह शिवानी की तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले भोरंज अस्पताल और फिर हमीरपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पिता ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी ने ससुराल पक्ष व उसके पति की निरंतर प्रताड़ना से तंग आकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने पति, सास, ससुर व देवर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं, गुस्साए लोगों ने हथली खड्ड के पास थोड़ी देर के लिए सड़क पर भी प्रदर्शन किया और अपने यातायात जाम किया, लेकिन उसके बाद यातायात सामान्य हो गया।

### बड़सर के अस्पतालों में दिखा हड़ताल का असर

**अनंत ज्ञान, बड़सर।** आईजीएमसी शिमला में डॉक्टर और मरीज के बीच हुए विवाद को लेकर प्रदेश भर में चल रही चिकित्सकों की हड़ताल का असर उपमंडल बड़सर के स्वास्थ्य केंद्रों तथा सिविल अस्पताल पर भी पड़ा है। हड़ताल के दौरान सिविल अस्पताल बड़सर में सुबह 1 घंटे तक ओपीडी चालू रही। इसके बाद ओपीडी को बंद कर दिया गया। इस दौरान केवल आपातकालीन मरीजों के लिए ही अस्पताल के दरवाजे खुले रहे। रात को भी केवल मात्र एक चिकित्सक ही आपातकालीन सेवा में उपलब्ध रहेगा। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिझड़ी में भी ओपीडी पूरी तरह से बंद रही। शिमला में एक चिकित्सक तथा मरीज के बीच हुई मारपीट के बाद सरकार ने सख्त कार्रवाई करते हुए चिकित्सक की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। बीएमओ बड़सर अरविंद टंडन का कहना है कि सिविल अस्पताल बड़सर तथा अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में शुक्रवार को ओपीडी बंद रही केवल आपातकालीन सेवा ही जारी रही उन्होंने कहा है कि भविष्य में भी चिकित्सक संघ द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

# पेयजल की गुणवत्ता का रखें ध्यान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

डीडब्ल्यूएसएम की बैठक में डीसी अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

उपायुक्त अमरजीत सिंह ने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को जिले में पेयजल की स्वच्छता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और फील्ड में अधिक से अधिक सैंपलिंग एवं टेस्टिंग करवाने के निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पंचायत जनप्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थानों और ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों की सक्रिय भूमिका भी बहुत जरूरी है। उपायुक्त ने कहा कि जल शक्ति विभाग नियमित रूप से पानी के सैंपल ले रहा है। इसके अलावा जिला के सभी सीनियर सेकंडरी और हाई स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, ग्राम पंचायतों और लगभग 1575 ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों को भी फील्ड टेस्टिंग किट्स दी गई हैं। इन किट्स के माध्यम से पानी की टेस्टिंग बहुत ही आसान है। सभी शिक्षण संस्थानों, पंचायतों और ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समितियों को इन किट्स का उपयोग करना चाहिए, ताकि जिले में पानी की गुणवत्ता उच्चतम स्तर की हो और कहीं पर भी जल जनित रोग न फैल सके। अमरजीत सिंह ने कहा कि पारंपरिक जल स्रोतों की भी नियमित रूप से सफाई होनी चाहिए। इन पारंपरिक जल स्रोतों और पेयजल स्कीमों स्रोतों के आस-पास कोई भी गंदगी नहीं होनी चाहिए। सीवरेज ट्रीटमेंट संयंत्रों और ठोस कचरा संयंत्रों के संचालन में भी सभी नियमों का पालन होना चाहिए। सभी शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों और घरों की टंकियों की नियमित रूप से सफाई होनी चाहिए। बैठक में डीडब्ल्यूएसएम के सचिव एवं जल शक्ति विभाग के अधिशासी अभियंता राकेश गर्ग ने मिशन की गतिविधियों और पेयजल टेस्टिंग की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर डीआरडीए की परियोजना अधिकारी अस्मिता ठाकुर, उच्चतर शिक्षा उपनिदेशक डॉ. मोही राम चौहान और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

### ट्रैवलर-टैक्सी के लिए परमिट देने की मांग

**अनंत ज्ञान, भोटा।** एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एक्शन कमेटी के प्रवक्ता शिव कुमार कौंडल ने मुख्यमंत्री से प्रदेश की ग्रामीण सड़कों पर ट्रैवलर-टेंपो टैक्सी चलाने के लिए बेरोजगार युवाओं को परमिट देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कई ग्रामीण पक्की सड़कों पर बस सेवा नहीं होने के कारण जनता को टैक्सी पर अधिक खर्च करना पड़ता है या पैदल सफर करना पड़ता है, जिससे समय की बर्बादी होती है। कौंडल ने सरकार से कहा कि ऐसे मार्गों का सर्वे कर परमिट जारी किए जाएं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा।

### घर का ताला तोड़कर लाखों का सामान किया चोरी

**अनंत ज्ञान, नादौन।** नादौन शहर के वार्ड नं. 6 में रसोई गैस एजैंसी के नजदीक एक घर में चोरों ने दिन-दिहाड़े एक मकान का ताला तोड़कर गहने व कीमती सामान चोरी कर लिया। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार अल्का कुमारी पत्नी पंकज मोहन के घर में शुक्रवार को कोई नहीं था। दोनों पति-पत्नी काम से बाहर गए थे। अलका जब वापस घर आई, तो देखकर उसके होश उड़ गए मकान का ताला टूटा था और घर के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। पुलिस को शिकायत करने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

### भगवान की प्राप्ति का रास्ता अपने घर से शुरू होता है

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** राष्ट्र संत बाबा बाल महाराज हमीरपुर के गांव हलाना में पृथी चंद शर्मा के घर सत्संग करने उना से अन्य संत मंडली के साथ पहुंचने पर हजारों भक्तों ने फूल वर्षा करके भव्य स्वागत किया। महाराज ने उपदेश दिया कि भगवान की प्राप्ति का रास्ता अपने घर से शुरू होता है, जहां पर भगवान रूपी माता पिता और सास ससुर रहते हैं। उनकी सेवा के बिना भगवान की प्राप्ति नहीं हो सकती है। सभी लोगो को चुगली, निंदा, नशे पते से दूर रहना चाहिए। इस अवसर पर आशीष शर्मा विधायक ने अपने विधान सभा इलाके में आने के लिए महाराज का स्वागत और धन्यवाद किया।

### विधायक ने नप के कार्यों का लिया जायजा

**अनंत ज्ञान, सुजानपुर।** विधायक कैप्टन रंजीत सिंह ने शुक्रवार को सुजानपुर का दौरा किया तथा सुजानपुर के नगर परिषद के द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। विधायक ने इस अवसर पर बाजार में स्थित टियालों के रिनोवेशन कार्य का भी निरीक्षण किया। विधायक ने कहा कि सुजानपुर का सौंदर्यीकरण करना उनकी पहली प्राथमिकता है। सुजानपुर को और सुंदर तरीके से विकसित किया जाएगा। सुजानपुर शहर एक पुराना शहर है, अब तक सुजानपुर के विभिन्न स्थानों में सुंदर लाइटिंग की गई हैं। रात के समय में यह शहर दूधिया रोशनी से चमकता है। महाराजा संसार सुंदर स्थापित है। इस शहर को और सुंदर बनाना उनकी प्राथमिकता है। यहां पर उनके द्वारा कई विकास कार्य किए जाने की प्रपोज है। उन्होंने कहा कि सुजानपुर में स्थित बस स्टैंड के पास खाली जगह को हमीरपुर के गांधी चौक की तरह विकसित किया जाएगा।

### प्रतियोगिताओं में छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान, नादौन।** सिद्धार्थ राजकीय महाविद्यालय नादौन में रेड रिबन क्लब द्वारा एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब की नोडल ऑफिसर प्रो. भगवती शर्मा ने बताया कि विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. सुशील बस्सी ने विद्यार्थियों से समाज में एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया तथा नशे के बढ़ते प्रचलन और एचआईवी मामलों पर चिंता जताई। पोस्टर मेकिंग में तनिश ने प्रथम, बीएससी तृतीय ने द्वितीय व निधि राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नारा लेखन में मोहित कुमार प्रथम, महक ठाकुर द्वितीय और यशस्वी तृतीय रहे।

### लघु दुकानदार कल्याण योजना का विस्तार

**अनंत ज्ञान, नादौन।** नगर परिषद नादौन के अध्यक्ष शम्मी सोनी ने मुख्यमंत्री लघु दुकानदार कल्याण योजना के विस्तार का स्वागत करते हुए शहरी दुकानदारों को भी योजना में शामिल किए जाने पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बढ़ते कर्ज और रोजमर्रा की चुनौतियां छोटे दुकानदारों की प्रगति में बाधा बनती हैं। योजना के तहत 10 लाख रुपये से कम वार्षिक टर्नओवर वाले दुकानदारों का मूलधन व ब्याज सरकार चुकाएगी तथा एक लाख से अधिक बकाया पर वन-टाइम सेटलमेंट की सुविधा मिलेगी।

### जल बचत व सतत उपयोग के सरल उपाय बताए

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय हमीरपुर के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग ने उन्नत भारत योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत बल्ह में 'जल उत्सव' थीम पर सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल जीवन मिशन के अनुरूप जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान ग्रामीणों को जल बचत व सतत उपयोग के सरल उपाय बताए गए तथा उनकी जल संबंधी समस्याओं पर संवाद किया गया। प्रधानाचार्य इंजीनियर चंद्रशेखर ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे संस्थान की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

### मेडिकल कॉलेज में नहीं दिखा हड़ताल का असर

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** आईजीएमसी शिमला में हुई घटना को लेकर प्रदेश भर में डॉक्टर सामूहिक हड़ताल पर जा रहे हैं, लेकिन डॉ राधा कृष्णनन मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में इस हड़ताल कोई असर देखने को नहीं मिला। दिन भर ओपीडी में डॉक्टर मरीजों के स्वास्थ्य की जांच करते रहे और आपातकाल में भी मरीजों की जांच करते रहे। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ रजित कुमार ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को कोई हड़ताल नहीं की गई।

### दरब्यार स्कूल के मेधावियों को बांटे पुरस्कार

**अनंत ज्ञान, भोरंज।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दरब्यार का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया, जिसमें कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष रामचंद्र पठानिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के अभिभावकों को बधाई देते हुए रामचंद्र पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के शैक्षणिक ढांचे में व्यापक सुधार के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बहुत ही सराहनीय कदम उठाए हैं। इससे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले आम परिवारों के बच्चों को भी बेहतरीन शिक्षा मिलेगी और वे प्राइवेट स्कूलों के बच्चों के साथ पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। रामचंद्र पठानिया ने कहा कि विद्यार्थियों को नशे से बचाने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रदेशव्यापी अभियान चलाया है। चिट्टे जैसे खतरनाक नशीले पदार्थ के विरोध में वह स्वयं हर जिले में जाकर आम लोगों के साथ पैदल यात्राएं निकाल रहे हैं तथा लोगों से विशेष आह्वान कर रहे हैं।

# एनएचएआई ने सड़क से मिट्टी को हटाया, ग्रामीणों ने जताया आभार

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान खबर का असर

**बड़सर।** सुपर फास्ट हाईवे 503 ऊना-भोटा के उपर बणी के पास लगाई गई मिट्टी की डंप को हटा दिया है। अनंत ज्ञान समाचार पत्र में बुधवार को सुपर फास्ट हाईवे 503 बणी के साथ लगते पेट्रोल पंप के पास किसी रसूखदार व्यक्ति ने सड़क के ऊपर ही मिट्टी के बड़े-बड़े ढेर लगा दिए थे।

इसके चलते सड़क हादसे होने का खतरा भी वहां बना रहता था, जैसे ही यह समाचार अनंत ज्ञान समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ हाईवे अथॉरिटी हरकत में आई तथा तत्काल कार्रवाई करते हुए मिट्टी को सड़क से उठा दिया। सुपर फास्ट हाईवे पर गाड़ियों की आवाजाही अब बिलकुल समतल हो गई है। इस कार्य के लिए स्थानीय लोगों ने सुपरफास्ट हाईवे अथॉरिटी का आभार प्रकट किया है। हाईवे एसडीओ राजेश कुमार का कहना है कि जेबीसी के माध्यम से हाईवे से मिट्टी को हटा दिया है। उन्होंने कहा यह मिट्टी का डंप वीरवार को ही हटा दिया जाना था, लेकिन वीरवार को क्रिसमस की छुट्टी के चलते शुक्रवार को मिट्टी को हटा दिया है, साथ ही जिस व्यक्ति ने यह मिट्टी सड़क पर फेंकी थी, उसे विभाग ने खरी-खोटी सुनाई और यह भी कहा अगर आगे से ऐसा किया, तो भारी भरकम जुर्माना किया जाएगा।

# जोगिंदर पुरी 'बल्ला' जिला संयोजक व विनय सोनी बने सह संयोजक

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान ब्यूरो

हमीरपुर भाजपा शहरी निकाय प्रकोष्ठ की नई जिम्मेदारियां

**हमीरपुर।** जोगिंदर पुरी बल्ला को हमीरपुर भाजपा शहरी निकाय प्रकोष्ठ का जिला संयोजक बनाया गया है इसके अलावा सह-संयोजक के रूप में विनय सोनी को नियुक्ति मिली है।

जोगिंदर पुरी बल्ला एवं विनय सोनी ने इस नियुक्ति के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल, पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर, हमीरपुर के जुझारू सांसद अनुराग ठाकुर, हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा तथा शहरी निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक ठाकुर अजमेर सिंह का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि वे शहरी निकायों से जुड़ी समस्याओं को पार्टी मंच पर प्रमुखता से उठाएंगे तथा आगामी दो-तीन महीनों में होने वाले चुनावों में भाजपा के बेहतरीन प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा व सक्रियता से कार्य करेंगे। दीगर बात यह है कि बल्ला शहर के प्रमुख व्यापारी हैं और उनके दिवंगत पिता शुरू से ही भाजपा की विचारधारा से जुड़े रहे हैं। लंबे अंतराल के बाद फिर से यह जिम्मेदारी इस परिवार को मिली है।

उधर, विनय सोनी भी शहरी निकाय से जुड़े रहे हैं, वह मौजूदा पार्षद भी हैं और निश्चित रूप से भाजपा को इन नियुक्तियों से मजबूती मिलेगी। इन नियुक्तियों को लेकर भी पिछले काफी समय से चर्चा चल रही थी कई लोगों की इस पर नजर थी लेकिन और मौके पर अब इन पर मोहर लग जाने के बाद शायरी निकाय में निश्चित रूप में भाजपा की राजनीति और रणनीति में बदलाव तो हुआ ही है।

**श्रद्धांजलि** अनुराग ठाकुर ने गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को किया नमन

# साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय

अनंत ज्ञान, नादौन

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को नादौन के गुरुद्वारा गुरु गोबिंद सिंह में माथा टेककर गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अदम्य साहस, शौर्य एवं सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इससे पूर्व उनका नादौन के इंदरपाल चैक पर भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया।

भाजपा द्वारा आयोजित बाल वीर दिवस कार्यक्रम में पूर्व विधायक व भाजपा नेता विजय अग्निहोत्री, बड़सर के विधायक इंद्र दत्त लखनपाल, नादौन के पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री, भोरंज के पूर्व विधायक डॉ. अनिल धीमान, पूर्व विधायक कमलेश कुमारी एवं अन्य वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। अल्पायु में धर्म, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए उन्होंने जो साहस दिखाया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने मोदी सरकार की करतारपुर कॉरिडोर खुलवाने और पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पंज तख्त स्पेशल ट्रेन चलाने का भी उल्लेख किया, जो पांच तख्तों को जोड़ती है। इस अवसर पर उन्होंने भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। साथ ही प्रदेश में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा अब केवल पुरुषों तक सीमित नहीं, बल्कि युवा महिलाओं में भी फैल रहा है, जो अत्यंत गंभीर विषय है। यह कार्यक्रम बच्चों और युवाओं को साहिबजादों के बलिदान से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

## शांता कुमार से लिया आशीर्वाद और मार्गदर्शन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को धर्मशाला एयरपोर्ट पर हिमाचल भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार से स्नेहिल भेंट की। इस अवसर पर अनुराग ने शांता कुमार से आत्मीय संवाद करते हुए उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया।

भेंट के दौरान अनुराग ने कहा कि शांता कुमार का संपूर्ण सार्वजनिक जीवन ईमानदारी, सादगी और राष्ट्रसेवा के मूल्यों से प्रेरित रहा है। हिमाचल प्रदेश के विकास में उनके योगदान, संगठनात्मक दृढ़ता व वैचारिक स्पष्टता ने भाजपा को प्रदेश में सशक्त आधार प्रदान किया है। उनका अनुभव व मार्गदर्शन आज भी पार्टी कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। शांता ने भी अनुराग को जनसेवा, संगठनात्मक मजबूती और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया तथा उनके सक्रिय सार्वजनिक जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि ऐसे वरिष्ठ नेताओं का सान्निध्य और मार्गदर्शन संगठन को नई दिशा देने के साथ-साथ जनसेवा के संकल्प को और मजबूत करता है।

## न्यूज ब्रीफ

### मुख्यमंत्री से पीएनबी के प्रबंध निदेशक की शिष्टाचार भेंट

शिमला में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से शिष्टाचार भेंट करते पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक अशोक चंद्रा, साथ हैं अन्य।

**अनंत ज्ञान, शिमला।** मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से शुक्रवार को यहां पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के प्रबंध निदेशक अशोक चन्द्रा ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी सहित पीएनबी शिमला सर्कल के महाप्रबंधक राजेश कुमार और सहायक महाप्रबंधक वीरेंद्र शर्मा भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान राज्य और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई।

### सांसद कश्यप ने गुरुद्वारा साहिब में टेका माथा

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने गुरुद्वारा साहिब बस स्टैंड शिमला में माथा टेककर गुरु परंपरा को नमन किया और गुरु गोबिंदसिंह जी के साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वीर साहिबजादों का त्याग धर्म, संस्कृति और मानवता की रक्षा के लिए दिया गया ऐसा अमूल्य उदाहरण है, जो हर पीढ़ी को साहस, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की राह दिखाता है। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि कम आयु में भी सत्य और आस्था की रक्षा के लिए दिया गया बलिदान इतिहास में अमर हो जाता है। सांसद ने देशवासियों से साहिबजादों के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने वीर बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सांसद का स्वागत किया।

### सीएम को राज्य सहकारी बैंक की कॉफी टेबल बुक भेंट

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह श्याम ने आज यहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को बैंक की कॉफी टेबल बुक भेंट की। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह श्याम ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस प्रकाशन में बैंक की प्रमुख योजनाओं, विकासात्मक पहलों और वर्षों में अर्जित उपलब्धियों का सुव्यवस्थित विवरण प्रस्तुत किया गया है, जो राज्य के सहकारी बैंकिंग तंत्र की भूमिका और योगदान को रेखांकित करता है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, बैंक के प्रबंध निदेशक श्रवण मांटा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

### स्कूलों के विलय पर एसएफआई का देशव्यापी संघर्ष तेज

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की हिमाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अनिल ठाकुर ने प्रदेश सहित देशभर के विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षा से जुड़े सभी हितधारकों से स्कूल बचाओ आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षों में स्कूलों के विलय के नाम पर लगभग 90 हजार सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं, जिससे खासकर हाशिये पर खड़े और वंचित वर्गों के छात्र-छात्राएं पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। अनिल ठाकुर ने कहा कि लगातार धनराशि में कटौती, बुनियादी ढांचे की कमी और आवश्यक सुविधाओं के अभाव के कारण सरकारी स्कूलों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिसका सीधा असर आने वाली पीढ़ी के भविष्य पर पड़ रहा है। उन्होंने देशभर के विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को बचाने और सरकारी स्कूलों के अस्तित्व की रक्षा के लिए इस आंदोलन से जुड़ें और अपनी आवाज बुलंद करें।

# प्रदेशभर में 108 और 102 एंबुलेंस कर्मियों का प्रदर्शन

## नेशनल हेल्थ मिशन को सौंपा मांग पत्र, सेवाएं रही प्रभावित

**सत्यदेव भारद्वाज अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश में 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं से जुड़े सैकड़ों, कर्मचारी दो दिवसीय प्रदेशव्यापी हड़ताल पर चले गए हैं। सीटू से संबद्ध यूनियन के बैनर तले शुरू हुई इस हड़ताल के पहले दिन ही प्रदेशभर में एंबुलेंस सेवाएं बुरी तरह प्रभावित रहीं। इलाज की आस में अस्पताल पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जबकि 27 दिसंबर की शाम आठ बजे तक हड़ताल जारी रहने की घोषणा की गई है।

कर्मचारियों की मुख्य मांगों में श्रम कानूनों का पूर्ण पालन, न्यूनतम वेतन की गारंटी, ओवरटाइम भुगतान और कथित प्रताड़ना पर रोक से जुड़ी हैं। हड़ताल के दौरान सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किए गए। शिमला में नेशनल हेल्थ मिशन के प्रबंध निदेशक कार्यालय और सोलन के धर्मपुर स्थित मेडस्वान फाउंडेशन मुख्यालय के बाहर भी कर्मचारियों ने जोरदार नारेबाजी की।

शिमला में एनएचएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते 108 व 102 एंबुलेंस कर्मचारी।

शिमला में यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने एनएचएम प्रबंधन से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। कर्मचारियों का आरोप है कि पायलट, कैप्टन और ईएमटी स्टाफ से 12 घंटे की ड्यूटी ली जाती है, लेकिन ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया जाता। उनका कहना है कि सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन भी लंबे समय से लागू नहीं है, जिससे आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है।

यूनियन नेताओं ने दावा किया कि उच्च न्यायालय, लेबर कोर्ट और श्रम विभाग के आदेशों के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। आवाज उठाने वाले कर्मचारियों को मानसिक दबाव, तबादलों या काम से बाहर रखने जैसे कदमों का सामना करना पड़ता है। ईपीएफ और ईएसआई में अनियमितताओं तथा पूर्व में जीवीके ईएमआरआई में कार्यरत कर्मियों को सेवा निरंतरता और वरिष्ठता का लाभ न मिलने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

### सरकार से संवेदनशीलता दिखाने की मांग

**कर्मचारियों** ने सरकार और एनएचएम प्रबंधन से अपील की है कि जनता के जीवन से जुड़ी एंबुलेंस सेवाओं को लेकर संवेदनशीलता दिखाई जाए और समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाए। उनका कहना है कि यदि श्रम कानूनों का पालन और वैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित नहीं हुई, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन की होगी।

### आईजीएमसी प्रकरण पर सीपीएम बोली–

# राजनीतिक हस्तक्षेप ने बिगाड़ा सारा माहौल

**अनंत ज्ञान ब्यूरो शिमला**

हिमाचल प्रदेश राज्य समिति, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में एक मरीज और मेडिकल ऑफिसर के बीच हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। पार्टी का कहना है कि इस मामले को जान-बूझकर बदसूरत मोड़ दिया गया और इसमें स्पष्ट राजनीतिक ओवरटोन उभरकर सामने आए हैं।

सीपीएम के अनुसार, एक भारतीय जनता पार्टी विधायक द्वारा मेडिकल ऑफिसर को सेवा से न हटाने पर गंभीर परिणामों की धमकी देना और दूसरे विधायक द्वारा मुख्यमंत्री से पीड़ितीकरण को पलटने की मांग करना इस बात का संकेत है कि विपक्ष जिम्मेदार भूमिका निभाने में विफल रहा है।

- सरकार की प्रतिक्रिया को बताया पैनिक रिएक्शन
- निष्पक्ष जांच और पीड़ित डॉक्टर को सुनवाई की मांग

सीपीएम ने सरकार की प्रतिक्रिया को भी उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है और इसे पैनिक रिएक्शन बताया है। पार्टी का कहना है कि सरकार को आंशिक तथ्यों के आधार पर कदम उठाने के बजाय न्यायसंगत और संस्थागत तरीके से काम करना चाहिए। इस प्रकरण में एकमात्र भरोसेमंद रास्ता कानून के ढांचे के भीतर रहकर कार्रवाई करना है, ताकि न तो प्रशासनिक विश्वसनीयता प्रभावित हो और न ही किसी निर्दोष के अधिकारों का हनन हो।

### मेडिकल ऑफिसर को किया जाए बहाल

**सीपीएम** ने सरकार से मांग की है कि मेडिकल ऑफिसर के पीड़ितीकरण को तत्काल वापस लिया जाए और एक निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिसमें संबंधित अधिकारी को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिले, जो बिना शो-कॉज नोटिस संभव नहीं है।

## मशीन ऑपरेटर (अपरेंटिस) और हेल्पर के 150 पदों पर भर्ती 29 को

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी शिमला प्रवीण नगराईक ने बताया कि क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला द्वारा बद्दी स्थित वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड (औरो वीविंग मिल्स) के लिए मशीन ऑपरेटर (अपरेंटिस) तथा हेल्पर के कुल 150 पदों को भरने हेतु 29 दिसंबर 2025 को कैंपस साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। यह चयन प्रक्रिया क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय शिमला परिसर में प्रात: 10 बजे आरंभ होगी।

इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं, बारहवीं अथवा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) किसी भी ट्रेड में उत्तीर्ण होना निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इन पदों के लिए पुरुष एवं महिला दोनों अभ्यर्थी पात्र हैं। इच्छुक उम्मीदवार सभी आवश्यक प्रमाण पत्रों और अपना संक्षिप्त विवरण (रिज्यूमे) साथ लेकर निर्धारित तिथि व समय पर साक्षात्कार स्थल पर उपस्थित हों।

क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अभ्यर्थी का नाम रोजगार कार्यालय में ऑनलाइन पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिन उम्मीदवारों का पंजीकरण अभी नहीं हुआ है, वे रोजगार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। भर्ती से संबंधित अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 88947-19920 पर संपर्क किया जा सकता है।

## कांग्रेस के स्थापना दिवस पर सेवा, समर्पण और संघर्ष पर होगा मंथन : विनय कुमार

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर 28 दिसंबर, रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सुबह 11 बजे जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा। सेमिनार में पार्टी के ऐतिहासिक संघर्ष, जनसेवा और समर्पण की विरासत पर विस्तार से विचार-विमर्श होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी करेंगे। इस अवसर पर शिमला जिला के पार्टी नेताओं, पूर्व पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, अग्रणी संगठनों व विभागों के पदाधिकारियों, नगर निगम शिमला के पार्षदों व पूर्व पार्षदों सहित कांग्रेस समर्थकों को आमंत्रित किया गया है। सेमिनार में पार्टी की विचारधारा, कार्यक्रमों और देश के निर्माण में कांग्रेस के बहुमूल्य योगदान को याद करते हुए गहन चर्चा की जाएगी।

**पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर किया नमन**

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं महान अर्थशास्त्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि वे समानता में विश्वास रखने वाले, दृढ़ निश्चयी, साहसी और गरिमामय व्यक्तित्व की अनुपम मिसाल थे। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने आर्थिक सुधारों को नई दिशा दी और मनरेगा, रोजगार, भोजन तथा सूचना का अधिकार जैसे अहम अधिकार आम लोगों तक पहुंचाए। प्रधानमंत्री बनने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर और देश के वित्त मंत्री के तौर पर उनकी सादगी, ईमानदारी और निस्वार्थ समर्पण राष्ट्रसेवा की मिसाल रहे। विनय कुमार ने कहा कि राष्ट्र के आर्थिक सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनके आदर्श, विनम्रता व दूरदर्शी नेतृत्व भावी पीढ़ियों को लगातार प्रेरित करते रहेंगे।

# शिक्षा मंत्री ने बरथाटा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया लोकार्पण

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने गृह क्षेत्र जुब्बल प्रवास के दौरान लगभग 1.46 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरथाटा (बटाड़गलू) का लोकार्पण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि यह संस्थान रिकॉर्ड दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है और इसके शुरू होने से ग्राम पंचायत बरथाटा, कठासू और बढ़ाल के नागरिकों को समय पर और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में इस समय 11 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिनकी स्वीकृति पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मिली थी और बरथाटा पीएचसी का शिलान्यास भी उसी अवधि में हुआ था। उन्होंने कहा कि बरथाटा, बढ़ाल धार और कठासू पंचायतों से उनका पारिवारिक और भावनात्मक रिश्ता है, इसी वजह से पूरे विधानसभा क्षेत्र की तरह यहां भी विकास कार्य पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं। सड़कों के विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना चरण-3 के तहत भगोली-बरथाटा सड़क को 18 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से स्तरोन्नत किया जा रहा है। कठासू-सावड़ा सड़क पर 19 करोड़ 13 लाख रुपए से उन्नयन कार्य चल रहा है।

बरथाटा में जनसभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर।

**बोले-पिछले तीन सालों में स्वास्थ्य सेवाएं हुई मजबूत**

स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों पर रोशनी डालते हुए मंत्री ने कहा कि बीते तीन वर्षों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस फैसले लिए गए हैं, जिनके सकारात्मक नतीजे सामने हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटखाई आज एक आदर्श संस्थान के रूप में उभरा है। उन्होंने बताया कि कोटखाई में बड़े ट्रॉमा सेंटर के लिए भूमि चयन हो चुका है और शीघ्र निर्माण शुरू होगा। सर्दी के मौसम को देखते हुए अस्पतालों में हीटर, कंबल और स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था के निर्देश भी दिए गए हैं।

सेब बागवानी को हिमाचल की आर्थिकी की रीढ़ बताते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने समर्थन मूल्य में 2 रुपए की बढ़ोतरी की, मंडी मध्यस्थता योजना के तहत 153 करोड़ रुपए एकमुश्त जारी कर बागवानों की देनदारियां चुकाईं और यूनिवर्सल कार्टन लागू कर छोटे किसानों को संरक्षण दिया।

# भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

हिमाचल भाजपा किसान मोर्चा को संगठनात्मक मजबूती देने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए प्रदेश कार्यकारिणी, पदाधिकारियों और विशेष आमंत्रित सदस्यों की घोषणा की गई। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष संजीव देष्टा ने शीर्ष नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श और बैठक के उपरांत की। संगठन के भीतर इस फैसले को आगामी राजनीतिक और किसान आंदोलनों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

घोषणा के अनुसार मान चंद ठाकुर और शैलेंद्र चौहान को प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि भागीरथ ठाकुर और चंद्र मोहन को प्रदेश मीडिया सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही किसान मोर्चा में विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में डॉ. हरम शर्मा, नेक राम करसोग, देवेंद्र ठाकुर कुपरी, पदम सिंह पुंडीर, इंदर सिंह मेहता, अर्जुन सिंह राणा, किशोर कुमार ठाकुर और हेमराज चंदेल को शामिल किया गया है, जिससे संगठन में अनुभव और क्षेत्रीय संतुलन दोनों को साधने की कोशिश की गई है। प्रदेश कार्यकारिणी में वीरेंद्र ठाकुर, टीकम ठाकुर, तुलसी राम, हेमराज ठाकुर, राकेश वर्मा, सतिंद्र शर्मा, राजू राम, रमेश जम्वाल, पूर्ण चंद, देविंद्र ठाकुर सहित कुल 65 सदस्यों को स्थान दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष संजीव देष्टा ने कहा कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी और नई टीम किसानों के मसलों को असरदार तरीके से उठाने, केंद्र सरकार की किसान हितैषी नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

**संगठन विस्तार पर जोर प्रदेश नेतृत्व की बैठक के बाद नई टीम का गठन**

*हिमाचल में बदला मौसम*

## पहाड़ों पर हुई बर्फबारी मैदानों में घना कोहरा

**अनंत ज्ञान, शिमला।** हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होते ही मौसम ने करवट ले ली है। ऊंचे और उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में घना कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चंबा की ऊंची चोटियों पर रुक-रुक कर बर्फबारी से ठंड तेज हो गई है और तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

शिमला, कुफरी और मनाली जैसे प्रमुख हिल स्टेशनों में बादल छाए रहे और आने वाले दिनों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। वहीं बिलासपुर, मंडी और सुंदरनगर में सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही। मौसम विभाग ने 27 से 29 दिसंबर तक मैदानी इलाकों में घने से बहुत घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

ताबो में न्यूनतम तापमान माइनस 3.8 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि शिमला में 7 डिग्री रहा। विभाग के अनुसार 30 दिसंबर से फिर बर्फबारी के आसार हैं।

## 'आगाज-ए-पंद्रह बीस' में युवाओं ने दिखाया सांस्कृतिक जलवा

रामपुर में आयोजित आगाज-ए-पंद्रह-बीस कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित मुख्यतिथि मोहन नेगी के साथ लोक नृत्य प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राएं।

**अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर**

जीबी पंत मेमोरियल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर में श्रीखंड महादेव एसोसिएशन पंद्रह बीस द्वारा आयोजित 'आगाज-ए-पंद्रह बीस' सांस्कृतिक कार्यक्रम में 12 पंचायतों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्यातिथि मोहन नेगी ने कहा कि लोक नृत्य और गीत हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं और युवाओं को नशे से दूर रहकर समाज के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई।

विशेष अतिथि कूट पंचायत प्रधान रतन डोगरा ने चिट्टे के बढ़ते खतरे पर चिंता जताते हुए इसे पूरे समाज की साझा चुनौती बताया। बुशहरी, कोटगढ़ी, किन्नौरी और कुलवी नाटियों सहित पंजाबी व सिरमौरी नृत्यों ने माहौल को लोक रंगों से भर दिया। दूरदराज पंचायतों से आए छात्रों की मौजूदगी ने सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक जुड़ाव का संदेश दिया।

## सर्वपल्ली राधाकृष्णन संस्थान में नव प्रशिक्षुओं का वेलकम

### विजेंदर-साक्षी ने जीता मिस्टर और मिस फ्रेशर का खिताब

**आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान**

**रामपुर बुशहर।** सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान नोगली (बलना) में बीएड सत्र 2025-27 के नव आगंतुकों के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए प्रशिक्षुओं का स्वागत करना और उन्हें भावी अध्यापक के रूप में प्रेरित करना था।

मुख्यातिथि डॉ. मुकेश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और शिक्षा के महत्व व शिक्षक बनने की जिम्मेदारियों पर विचार साझा किए। वरिष्ठ छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। चार राउंड के प्रतियोगिताओं में विजेंदर और साक्षी ने क्रमश: मिस्टर और मिस फ्रेशर का खिताब जीता। इसके अलावा, कृतिका व अनिकेत को मिस/मिस्टर कॉन्फिडेंट और कुलदीप व दिव्य को मिस/मिस्टर टैलेंटेड चुना गया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य का भी आयोजन हुआ। प्राचार्या डॉ. सीमा भारद्वाज ने सभी का आभार व्यक्त किया और भविष्य में ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

## बखोल-महासू में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** भाजपा कोटखाई-नावर मंडल अध्यक्ष सुंदर डोगरा ने बखोल और महासू पंचायतों में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली को लेकर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीते छह महीनों से सड़क, पानी और अन्य जरूरी समस्याएं जस की तस हैं, लेकिन मंत्री केवल उद्घाटन और फीता-काट कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। डोगरा ने बखोल पंचायत में वर्ष 2016 में शिलान्यास की गई पानी की लिफ्ट स्कीम का हवाला देते हुए कहा कि नौ साल बाद भी योजना जमीन पर नहीं उतरी।

**जमीनी समस्याएं जस की तस, जनता को नहीं मिल रहा लाभ**

डोगरा ने कहा कि आपदा के बाद बखोल और महासू क्षेत्रों की सड़कों से मलवा तक नहीं हट पाया है और महासू-वानकुफर सड़क पर डंगे न लगने से हालात और बिगड़ रहे हैं। पेयजल आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही है, जबकि किसानों की सेब की बोरियां सड़ती रहीं और प्रशासन मूकदर्शक बना रहा। उन्होंने साफ कहा कि जनता अब भाषण नहीं, काम और जवाब चाहती है।

**संबोधन** संस्कृति, चेतना और युवा शक्ति से ही बनेगा नशा-मुक्त हिमाचल

# नशे के खिलाफ जन-जागरूकता सबसे बड़ा हथियार: राज्यपाल

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध चल रही लड़ाई केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि इसमें समाज की साझा हिस्सेदारी और निरंतर जन-जागरूकता निर्णायक भूमिका निभाती है। यह बात राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शुक्रवार को शिमला में कही।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब नागरिक सजग, संवेदनशील और जिम्मेदार बनते हैं, तभी सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रयास वास्तविक परिणाम देते हैं। राज्यपाल शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में यूथ एनलाइटनमेंट सोसायटी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि संस्कृति और सामाजिक चेतना समाज को उसकी जड़ों से जोड़ती है और उसे सही दिशा देती है।

शिमला के गेयटी थियेटर में यूथ एनलाइटनमेंट सोसायटी द्वारा आयोजित नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल।

उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा आज एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, जिसका प्रभाव परिवार, समाज और राष्ट्र तीनों पर पड़ता है। नशा-मुक्त हिमाचल का सपना तभी साकार होगा, जब युवा स्वयं आगे आकर पुख्ता इरादे के साथ इस सामाजिक बुराई के खिलाफ खड़े होंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने हुनर, ऊर्जा और समय को रचनात्मक कार्यों में लगाएं, ताकि जीवन में मकसद और समाज में सकारात्मक बदलाव दोनों सुनिश्चित हो सकें।

यूथ एनलाइटनमेंट सोसायटी के प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि युवाशक्ति को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना ही नशे से दूर रखने का सबसे कारगर रास्ता है। यह न केवल सामाजिक सुधार, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि सशक्त युवा वही है, जो अनुशासन, सेवा-भाव और नशे से दूरी को अपनी पहचान बनाए। राज्यपाल ने नागरिकों से स्वस्थ, सुरक्षित और नशा-मुक्त हिमाचल प्रदेश के लिए सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया।

### नुक्कड़ नाटक से नशे के खिलाफ फैलाई जागरूकता

**सांस्कृतिक** अभिव्यक्तियों से दिया नशे के दुष्प्रभावों का सशक्त संदेश कार्यक्रम से पूर्व यूथ एनलाइटनमेंट सोसायटी के राज्य अध्यक्ष मोहित ठाकुर ने राज्यपाल का स्वागत किया और संस्था की गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती नुक्कड़ नाटिका का मंचन किया गया, जबकि अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय, सुन्नी के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारी, संस्था के प्रतिनिधि और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### गरीब बच्चों की पढ़ाई में सहयोग देने पर की चर्चा

**अनंत ज्ञान, पालमपुर।** ब्लॉक पंचरुखी के सैरप्ड (खुडली) मंदिर परिसर में कटोच कुलदेवी सोसायटी का वार्षिक अधिवेशन/समारोह चेयरमेन युद्धवीर कटोच और अध्यक्ष डॉ. जगरूप कटोच की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में समस्त कार्यकारिणी, निदेशक, कुलप्रधान और बिरादरी सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन हुआ और उपस्थित सदस्यों में प्रसाद वितरित किया गया। अध्यक्ष डॉ. जगरूप कटोच ने कहा कि मंदिर तक पहुंचने वाले रास्ते को शीघ्र पक्का करवाने का प्रयास किया जाएगा। सोसायटी की आय बढ़ाने और गरीब बच्चों की पढ़ाई में सहयोग देने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने जल्द ही राजपूत बिरादरी का परिचय अधिवेशन आयोजित करने की योजना का भी उल्लेख किया। चेयरमेन युद्धवीर कटोच ने बैठक के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी से सहयोग की अपील की।

### मोबाइल चार्जर व सोलर लैंप किए वितरित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** आर्ट ऑफ लिविंग के संरक्षण में हिमालय उन्नति मिशन - श्रीश्री रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम पीआरएएएनए पहल के अंतर्गत खुंडिया ब्लॉक के चंगर परिक्षेत्र में पीआरएएएनए मोबाइल चार्जर एवं सोलर लैंप वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा-प्रभावित एवं ऊर्जा-वंचित ग्रामीण परिवारों को सहयोग प्रदान करना था। इस पहल के अंतर्गत 90 पीआरएएएनए सोलर आधारित मोबाइल चार्जर और सोलर लैंप वितरित किए गए, जिससे लाभार्थी परिवारों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सतत ऊर्जा समाधान उपलब्ध हो सके। यह पहल दैनिक कठिनाइयों को कम करने, घरेलू सुरक्षा बढ़ाने तथा विशेष रूप से बिजली कटौती व आपात परिस्थितियों में मोबाइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

### सुलह में नवस्थापित पुस्तकालय का उद्घाटन

**अनंत ज्ञान, डरोह।** विकास खंड सुलह स्थित भेडूमहादेव में खंड विकास अधिकारी योगेंद्र कुमार ने सुलह पंचायत में नवस्थापित पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र का चौथा पुस्तकालय है और अन्य पंचायतें भी ऐसी पहल कर सकती हैं। पुस्तकालय युवाओं को नशे और मोबाइल की लत से दूर रखते हुए अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करेगा। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि भविष्य में यहां जिम खोलने की योजना भी है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से बच्चों और युवाओं को नियमित रूप से पुस्तकालय में आने के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में पंचायत प्रधान कविता, उपप्रधान रमेश चंद कठियाल, प्रेस क्लब पालमपुर के अध्यक्ष जसवंत कठियाल, अन्य अधिकारी और युवा कांग्रेस नेता सन्नी बलारू सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की।

### डाडासीबा कॉलेज में एनएसएस शिविर शुरू

**पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा।** बीकेआर राजकीय महाविद्यालय, डाडासीबा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू हुआ। शिविर का उद्घाटन प्रो जतिंदर कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस शिविर में महाविद्यालय के 50 एनएसएस स्वयंसेवक सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। अपने संबोधन में जतिंदर कुमार ने वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों के बलिदान पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को समाजसेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चार साहिबजादों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर युवाओं को सामाजिक चेतना, स्वच्छता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देना चाहिए। शिविर का उद्देश्य समाज में सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण के प्रति युवाओं को प्रेरित करना है। इस अवसर पर महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

### विकसित भारत 2047 पर रणनीतिक संवाद

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित चिन्मय अमृत महोत्सव के अंतर्गत कॉर्ड ने चिन्मय फोकस ग्राम पंचायत मंथन का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विकसित भारत 2047 के परिप्रेक्ष्य में सह-अस्तित्व और पारस्परिक निर्भरता की भावना को सशक्त करना था। यह मंथन भुनेड़ पंचायत (नगरोटा ब्लॉक) और खौट पंचायत (भवारना ब्लॉक) में आयोजित हुआ, जिसमें महिला मंडल प्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, स्वयं सहायता समूह सदस्य और स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता, दिव्यांग समावेशन जैसी पहलों के लाभार्थी शामिल हुए। कॉर्ड की 40 वर्षों की विकास यात्रा पर गहन समीक्षा और भविष्य की दिशा पर रणनीतिक संवाद किया गया। राष्ट्रीय निदेशक डॉ. क्षमा मेत्रे ने सामूहिक प्रयासों में ग्राम पंचायतों की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया और डीप लिसनिंग के महत्व पर जोर दिया।

### थुरल में साइबर अपराध पर किया जागरूक

**अनंत ज्ञान, डरोह।** महाराजा संसार चंद स्मारक राजकीय महाविद्यालय थुरल में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन साइबर अपराध, ट्रैफिक नियम और नशा मुक्ति पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता, थाना भवारना के एसएचओ गुरदेव सिंह ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया सुरक्षा, डिजिटल सतर्कता, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग और ट्रैफिक नियमों के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और इसके दुष्परिणामों को समझने के लिए प्रेरित किया। इस व्याख्यान की सभी उपस्थितजनों ने सराहना की। मुख्य वक्ता को प्राचार्य राका शर्मा द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, महाविद्यालय स्टाफ, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि व लगभग 40 स्वयंसेवक मौजूद रहे।

### हड़ताल कर जताया टर्मिनेशन का विरोध

**अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** आईजीएमसी के डॉक्टर को टर्मिनेट किए जाने के विरोध में शुक्रवार को नागरिक अस्पताल बैजनाथ में भी डॉक्टरों ने हड़ताल करके अपना विरोध जताया। जिस कारण से पूरा दिन अस्पताल में अपना इलाज करवाने आने वाले मरीजों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कुछ मरीजों को तो अपनी जेब से पैसे खर्च कर प्राइवेट हॉस्पिटल का रुख करना पड़ा तथा कुछ मरीज बिना इलाज के ही अपने घर लौट गए। हालांकि इस दौरान आपातकालीन सेवाएं डॉक्टर ने प्रभावित नहीं होने दी तथा उनका इलाज करते रहे।

### क्षमता निर्माण के लिए शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

**अनंत ज्ञान, डरोह।** शुक्रवार को शिक्षा खंड थुरल में अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन पर प्री प्राइमरी कैपेसिटी बिल्डिंग पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी थुरल सतीश राणा द्वारा किया गया। सतीश राणा ने कार्यशाला में भाग लेने आए चारों शिक्षा खंडों भवारना, धीर लंबागांव और थुरल के शिक्षकों को अपने शिक्षा खंड की तरफ से हार्दिक अभिनंदन व स्वागत किया। साथ ही उन्होंने सरकार व शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त करते हुए सबसे आग्रह किया कि आपका इस कार्यशाला को उपयोगी बनाने के लिए पूरा सहयोग प्राप्त रहेगा। इस कार्यशाला में 126 अध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का संचालन समन्वयक के रूप में तिलक शर्मा एवं मास्टर ट्रेनर कुलदीप चंद, विपिन राणा एवं मोहिंद्र जम्वाल व विजय कुमार करेंगे।

### साहिबजादों के बलिदान को किया याद

**अनंत ज्ञान, देहरा।** डीएवी स्कूल नगरोटा सूरियां वीर बाल दिवस मनाया गया। यह दिन गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान की वीरगाथा और उनकी कथनी तथा करनी की प्रति अटल विश्वास को याद करने का दिन है। स्कूल के प्रधानाचार्य शेखर मोदगिल ने गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह और उनके समस्त परिवार के अदम्य साहस और बलिदान को याद किया।

### राष्ट्रवाद के संदेश के साथ हिंदू सम्मेलन संपन्न

**अनंत ज्ञान, पालमपुर।** पंचरुखी क्षेत्र के मच्छयाल घाट, अंद्रेटा में शुक्रवार को विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें आसपास की आठ पंचायतों से महिलाओं, युवाओं और गणमान्यजनों सहित लगभग 900 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जय श्री राम के गगनभेदी उद्घोष के साथ शुरू हुए सम्मेलन में धर्म, संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक समरसता का प्रभावशाली संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अश्वनी कुमार ने की। उन्होंने समाज को संगठित होकर शिक्षा, सेवा कार्यों और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विशेष अतिथि सुहानी ने समाज में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए हिंदुत्व को जीवन जीने की श्रेष्ठ शैली बताया। कैप्टन हेम राज ने सामाजिक चुनौतियों पर विचार रखे। मुख्य वक्ता आरएसएस के उत्तर क्षेत्र प्रांत प्रचार प्रमुख बनवीर सिंह ने गुरु तेग बहादुर जी के 450वें वर्ष के प्रसंगों से त्याग और बलिदान के आदर्श प्रस्तुत किए।

# ढलियारा में चलती टैक्सी में लगी आग धू-धू कर जली, बाल-बाल बचे 9 यात्री

## ज्वालामुखी से जालंधर जा रही टैक्सी व सामान जलकर राख, बड़ा हादसा टला

**पिंकी, अनंत ज्ञान**

**डाडासीबा।** ढलियारा के समीप डीजे होटल के पास वरवाड़ा नामक स्थान पर शुक्रवार को एक चलती टैक्सी में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी धू-धू कर जल उठी और राख में तब्दील हो गई। गनीमत यह रही कि टैक्सी में सवार सभी यात्रियों ने समय रहते बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली, जिससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। हालांकि यात्रियों का काफी सामान आग की भेंट चढ़ गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टैक्सी नंबर पीबी-08डी-87550 (फोर्स सिटी लाइन) ज्वालामुखी से जालंधर की ओर जा रही थी। जैसे ही गाड़ी ढलियारा के तीखे मोड़ पर पहुंची, उससे धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। चालक रोहित कुमार पुत्र राजकुमार, निवासी अली मोहल्ला जालंधर ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। गाड़ी में एक बच्चे सहित कुल 9 यात्री सवार थे, जो मुंबई से आए श्रद्धालु थे।

टैक्सी में लगी आग धू-धू कर जली।

स्थानीय व्यक्ति गगन शर्मा ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पुलिस समय पर पहुंच गई, जबकि दमकल वाहन कुछ देर से मौके पर पहुंचा। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## धीरा में अज्ञात वाहन ने पूर्व सैनिक को मारी टक्कर, टांडा में मौत, पुलिस जांच में जुटी

**राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह।** धीरा-नौरा सड़क पर तड़ा के समीप गुरुवार रात एक अज्ञात वाहन चालक ने नौरा पंचायत के करनेहड़ निवासी पूर्व सैनिक परमवीर सिंह को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब परमवीर सिंह पैदल अपने घर लौट रहे थे। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा पाया। स्थानीय लोगों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए टांडा अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन देर रात उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस चौकी धीरा से टीम मौके पर पहुंची और बाद में टांडा अस्पताल में आवश्यक कार्रवाई की। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस थाना भवारना के एसएचओ गुरदेव सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन व चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 281, 125 तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 187 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस वाहन चालक की तलाश में जुटी है।

## विदेश यात्रा में देश को नीचा दिखाने का काम करते हैं राहुल गांधी : अनुराग ठाकुर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

कांग्रेस को बार-बार नकार रही जनता, चुनाव आयोग और जनता पर फोड़ा जा रहा ठीकरा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश यात्रा पर जाते हैं, तो उनका एक ही एजेंडा होता है, भारत को नीचा दिखाना, भारतीय व्यवस्थाओं का अपमान करना और देश के लोकतंत्र पर सवाल खड़े करना है। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कांगड़ा एयरपोर्ट पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि जिस परिवार और पार्टी ने दशकों तक देश पर शासन किया, आज वही बार-बार भारत को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही। देश की जनता लगातार कांग्रेस को चुनावों में नकार रही है और हार का ठीकरा कभी चुनाव आयोग तो कभी जनता पर फोड़ा जाता है, जबकि विदेश जाकर पूरे भारत को ही कटघरे में खड़ा किया जाता है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा क्रिसमस को लेकर की गई कथित विवादित पोस्ट पर दर्ज एफआईआर को लेकर अनुराग ठाकुर ने कहा कि किसी भी धर्म की भावनाओं को आहत करना उचित नहीं है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन किसी धार्मिक प्रतीक का मजाक बनाना गलत है। नियमों के अनुसार पुलिस इस पर कार्रवाई करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चर्च में जाकर प्रार्थना करने के सवाल पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत में सभी त्योहार और सभी महापुरुषों की जयंती पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाई जाती है। क्रिसमस भी मनाया गया और अटल बिहारी वाजपेई की जयंती भी। यदि कहीं उपद्रव होता है तो स्थानीय प्रशासन को कानून के तहत कार्रवाई करनी चाहिए। अपने हमीरपुर दौरे और वीर बाल दिवस कार्यक्रम को लेकर अनुराग ठाकुर ने कहा कि साहिबजादों की शहादत देश के बच्चों और युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है।

## वाजपेयी के जन्मदिवस पर देश मना रहा सुशासन दिवस : विपिन परमार

**राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान**

**डरोह।** भारतीय जनता पार्टी देश के यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप में मना रही है। इसी कड़ी में प्रदेशभर में संगठनात्मक स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में अटल स्मृति वर्ष / सुशासन दिवस के संयोजक बनाए गए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सुलह विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी का सम्पूर्ण जीवन सुशासन, राष्ट्रसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित रहा है।

परमार ने कहा कि अटल ऐसे राजनेता थे जिन्होंने राजनीति को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाया। उनके विचार, उनका आचरण और उनकी निर्णय-शैली आज भी भारतीय राजनीति के लिए आदर्श है। इसी कारण भारतीय जनता पार्टी ने उनके जन्मदिवस को केवल स्मरण का दिवस नहीं, बल्कि सुशासन दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है, ताकि उनके सिद्धांतों को व्यवहार में उतारा जा सके। परमार ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वह एक संवेदनशील कवि, प्रख्यात लेखक और दूरदर्शी चिंतक भी थे। उनकी कविताएं और लेखन आज भी समाज को मानवीय मूल्यों, राष्ट्रप्रेम और करुणा का संदेश देते हैं। राजनीति में रहते हुए भी उन्होंने साहित्य और संस्कृति को कभी अपने से अलग नहीं किया।

## गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध : किशोरी लाल

**अनंत ज्ञान, जितेंद्र कौशल, बैजनाथ।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भुलाणा में आज वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें विधायक किशोरी लाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। समारोह में पहुंचने पर विद्यालय प्रशासन द्वारा मुख्यातिथि का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक किशोरी लाल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर को निरंतर उन्नत बनाने एवं प्रत्येक छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने लोकनृत्य, गीत-संगीत, नाट्य प्रस्तुतियों एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन एवं प्रतिभा के आधार पर मुख्यातिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विधायक ने विद्यालय को प्रोत्साहन स्वरूप 11 हजार रुपए की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की।

## बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन

### धर्मशाला में रोष रैली निकालकर जलाया बांग्लादेश के पीएम का पुतला

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में शुक्रवार को जिला कांगड़ा मुख्यालय धर्मशाला में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया।

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में शुक्रवार को जिला कांगड़ा मुख्यालय धर्मशाला में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शहर में रोष रैली निकाल कर बांग्लादेश के पीएम का पुतला जलाया। साथ ही हिंदू संगठनों का कहना है कि हिंदु नववर्ष पहले देश व प्रदेश से बांग्लादेशी रोहंगिया को बाहर निकाला जाए, अन्यथा इसके उपरांत उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ हिंदू संगठनों ने खूब नारेबाजी की।

बजरंग दल विभाग संयोजक कांगड़ा राहुल चौहान ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का सिलसिला जारी है। पिछले दिनों एक हिंदु को बांग्लादेश में जिंदा जलाया गया और उसके परिवार सदस्यों को प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि आम जनता से यही आग्रह है कि आपके गांव व आसपड़ोस में कोई बाहरी व्यक्ति आए तो उसकी पहचान जरूर सुनिश्चित करें। बांग्लादेशी रोहंगिया हिमाचल प्रदेश में काफी तेजी से बढ़ रहे हैं।

उन्होंने चेताया कि हिंदू नववर्ष 19 मार्च 2026 को मनाया जाएगा, इससे पहले हिमाचल प्रदेश के बांग्लादेशी रोहंगिया को बाहर निकाला जाए, अन्यथा विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल यह कार्य करने को मजबूर होगा तथा इसके परिणामों के लिए प्रशासन व शासन जिम्मेवार होगा।

## धर्मशाला में मास्टर वेटरन बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन

# एकल मुकाबले में विक्रांत राणा विजेता

धर्मशाला में दो दिवसीय मास्टर वेटरन बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन, 180 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा।

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

धर्मशाला में कांगड़ा जिला बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय मास्टर वेटरन बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि और प्रवक्ता राकेश शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। महासचिव विलास हंस ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले भर से 180 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 35 आयु वर्ग से लेकर 70 प्लस आयु वर्ग तक के एकल, युगल और मिश्रित मुकाबले आयोजित किए गए।

अंडर 35 पुरुषों के एकल में विक्रांत राणा विजेता रहे, जबकि महिलाओं की श्रेणी में निशा ठाकुर ने खिताब अपने नाम किया। अन्य आयु वर्गों में पुरुष, महिला, युगल और मिश्रित मुकाबलों में कई प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट खेल क्षमता दिखाई। 50 और 55 आयु वर्ग के पुरुष तथा महिला मुकाबलों में दौलत राम धीमान, उर्वशी थापा और सुनील टाटा जैसे खिलाड़ी विजेता रहे। 60, 65 और 70 आयु वर्ग में भी खिलाड़ी अपनी उत्कृष्टता के लिए सराहे गए।

जिला कांगड़ा बैडमिंटन संघ लगातार जिले में उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है और विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। महासचिव विलास हंस ने कहा कि भविष्य में संघ राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करेगा, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिलेगा।

## मांगों को लेकर एंबुलेंस कर्मियों ने किया प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** जिला कांगड़ा 108/102 एंबुलेंस यूनियन के जिला प्रधान प्रशांत ने कहा कि यूनियन ने 48 घंटे का हड़ताल का आह्वान किया है। इससे पहले भी मई और अक्जूबर माह में यूनियन हड़ताल कर चुकी है, ताकि सरकार जागे और हमें हमारे अधिकार दे। ओवरटाइम, न्यूनतम वेतन, छुट्टियों का प्रावधान है, किसी भी मांग को नहीं माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि 108/102 के प्रदेश भर में 1300 के करीब कर्मचारी हैं, जिनका कंपनी द्वारा शोषण किया जा रहा है। सीटू के साथ जुड़ने के साथ ही कर्मचारियों का शोषण शुरू कर दिया गया है, क्योंकि कंपनी को लगता है कि कर्मचारी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुके हैं। हालांकि एंबुलेंस कर्मी बेहद सावधानी से वाहन चलाते हैं, इसके बावजूद कोई गलती होने पर कर्मी यानी चालक को सोलन बुलाया जाता है। यही नहीं ऐसे कर्मी या तो ट्रांसफर कर दी जाती है या फिर ट्रांसफर कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि न कंपनी हमारी सुन रही है और सरकार भी मांगों को अनदेखा कर रही है। उन्होंने कहा कि हड़ताल के चलते एंबुलेंस सेवा ठप होने की वजह से हालांकि जनता को परेशानी हुई, लेकिन हम भी मजबूर हैं, अपनी मांगों के लिए ही हमें सडक़ों पर उतरने को विवश होना पड़ रहा है।

## कृषि विज्ञान केंद्र मंडी को मिला प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ केवीके पुरस्कार

**अजय पाल, अनंत ज्ञान**

नवाचारी और प्रभावशाली कृषि सेवाओं को मिला सम्मान

**पालमपुर।** चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के सुंदरनगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र मंडी को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप) द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए भाकृअनुप जोन-1 का सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केंद्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान कृषि प्रसार के क्षेत्र में केवीके मंडी के उत्कृष्ट, नवाचारी एवं प्रभावशाली योगदान के लिए दिया गया है।

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन-1 में हिमाचल, पंजाब, उत्तराखंड तथा जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के अंतर्गत कुल 72 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। इस कड़े प्रतिस्पर्धी समूह में कृषि विज्ञान केंद्र मंडी का चयन होना कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, मंडी जिला तथा पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गौरव की बात है। यह पुरस्कार भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन-1 के कृषि विज्ञान केंद्रों की वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के दौरान शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित समारोह में बहां के कुलपति डॉ. बीएन त्रिपाठी द्वारा प्रदान किया गया। केवीके मंडी ने जिले में फसल विविधीकरण, मशरूम उत्पादन, बीज उत्पादन, कृषि उद्यमिता विकास, समेकित कीट प्रबंधन, प्राकृतिक एवं सतत कृषि पद्धतियों के प्रोत्साहन, मूल्य संवर्धन, क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, ऑन-फार्म परीक्षण, फ्रंटलाइन प्रदर्शन तथा ड्रोन आधारित कृषि प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महिलाओं एवं युवाओं को स्वरोजग़ार से जोडऩे की इसकी पहलों से किसानों की आय में वृद्धि, जोखिमों में कमी और सतत कृषि विकास को बढ़ावा मिला है। इस उपलब्धि पर केवीके मंडी की पूरी टीम को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. एके पांडा ने प्रसन्नता व्यक्त की।

## एंजल पब्लिक स्कूल के छात्रों को बताया साहिबजादों के बलिदान का महत्व

एंजल पब्लिक स्कूल भवारना में वीर बाल दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया।

**राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान**

**डरोह।** एंजल पब्लिक स्कूल, भवारना में वीर बाल दिवस बड़े ही उत्साह और ज्ञानवर्धक वातावरण में मनाया गया। इस दौरान अथर्व, प्रखर, शिवांश, दिव्यांश एवं संगीत अध्यापक अंकित कुमार द्वारा गाए गए शब्दों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर अध्यापिका सोनू कटोच ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने पूरे घटनाक्रम को प्रारंभ से अंत तक सुंदर ढंग से प्रस्तुत करते हुए गुरु गोबिंद सिंह जी के बेटों साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जूझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह, साहिबजादा फतेह सिंह की शहादत और धर्म की रक्षा के लिए उनके महान बलिदान के महत्व को छात्रों को बताया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा से भरपूर रहा।

## बैजनाथ में वीर बाल दिवस पर साहिबजादों को दी श्रद्धांजलि

**जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** बैजनाथ में वीर बाल दिवस का कार्यक्रम चामुंडा हाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु गोविंद सिंह के छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करके किया गया। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता विनय शर्मा ने कहा कि साहिबजादों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए यह दिन मनाया जाता है। उन्होंने युवाओं और आने वाली पीढ़ियों को उनके बलिदान से प्रेरित रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। विनय शर्मा ने बताया कि यह दिवस हर वर्ष 26 दिसंबर को मनाया जाता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 2022 में शुरू किया था। इस दिन को सिख समुदाय और पूरे भारत में बहादुरी और दृढ़ विश्वास का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक मुल्क राज प्रेमी, जिला अध्यक्ष रागनी, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कपूर और सुरेंद्र ठाकुर, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह, कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

**परेशानी** धर्मशाला अस्पताल में ओपीडी बंद, इमरजेंसी सेवाएं रही उपलब्ध

# डॉक्टर्स हड़ताल पर, मरीज परेशान

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

आईजीएमसी शिमला में मरीज से मारपीट के आरोप में डॉक्टर को बर्खास्त करने के विरोध में शुक्रवार को प्रदेशभर के डॉक्टर्स मास कैजुअल लीव पर रहे। जोनल अस्पताल धर्मशाला में भी डॉक्टर्स के मास कैजुअल लीव पर जाने का असर नजर आया। अस्पताल में ओपीडी बंद रखी गई, वहीं जानकारी के अभाव में अस्पताल पहुंचे मरीजों को इमरजेंसी में स्वास्थ्य जांच सेवाएं उपलब्ध करवाई गई। हालांकि अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों को परेशानी न हो, इसका ध्यान रखा गया, लेकिन डॉक्टर्स के हड़ताल पर होने से निश्चित तौर पर मरीजों को परेशानी तो होती ही है।

जोनल अस्पताल धर्मशाला के सीनियर मेडिकल ऑफिसर डा. सुनील भटट ने कहा कि आईजीएमसी शिमला में डाक्टर के साथ हुए अभद्र व्यवहार के विरोध में हिमाचल मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन ने एक दिवसीय मास कैजुलीव का आहवान किया था, जिसके तहत शुक्रवार को जोनल अस्पताल धर्मशाला में भी डॉक्टर्स ने ओपीडी सेवाओं को बंद रखा। वहीं अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध रही, वहीं गंभीर मरीजों को देखा गया। जो भी मरीज आ रहे हैं, उन्हें आपातकालीन सेवाओं के तहत देखा गया।

डॉक्टर्स की मास कैजुअल लीव के चलते सुनसान पड़ा धर्मशाला अस्पताल परिसर।

इसके लिए अतिरिक्त डॉक्टर्स को तैनात किया गया है। अस्पताल के डाक्टर्स उपलब्ध हैं तथा कोई भी आपातकाल स्थिति आती है तो सभी डॉक्टर्स उसके लिए तैयार हैं। डॉ. भटट ने बताया कि एक दिवसीय मास कैजुलीव के बाद डाक्टर्स ज्वाइंट एक्शन फोर्म, टैमकोट, सीनियर डाक्टर्स एसोसिएशन की बैठक होगी, उसमें आगामी रणनीति बनाई जाएगी। हम नहीं चाहते कि डाक्टर्स के लीव पर होने से मरीजों को परेशानी हो, इसलिए प्रदेश सरकार के उच्च अधिकारियों से यही आग्रह है कि मामले को जल्द सुलझाने की दिशा में कार्य करें।

# कांगड़ा कार्निवाल : कंवर ग्रेवाल व तन्मय ने यादगार बनाई संध्या

## मंच पर अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियों ने भी बांधा समां, बेहतरीन प्रस्तुतियों से किया दर्शकों का मनोरंजन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

कांगड़ा वैली कार्निवाल 2025 की तीसरी सांस्कृतिक संध्या लोकप्रिय गायक कंवर ग्रेवाल और तन्मय चतुर्वेदी सहित अन्य कलाकारों के नाम रही। कंवर ग्रेवाल ने चला, आंखों के सागर, मस्ताना जोगी जैसे लोकप्रिय गीतों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया, वहीं तनमय चतुर्वेदी ने अपनी दमदार गायकी और चर्चित गीतों से युवाओं को खासा प्रभावित किया। उनके साथ मंच पर अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियों ने भी समां बांधा और संध्या को यादगार बना दिया। यही नहीं अन्य कलाकारों ने भी अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। कंवर ग्रेवाल को सुनने के लिए युवाओं की खासी भीड़ उमड़ी थी। वहीं तन्मय चतुर्वेदी ने भी अपनी गायकी से युवाओं को आकर्षित किया।

कांगड़ा वैली कार्निवाल-2025 की तीसरी सांस्कृतिक संध्या लोकप्रिय गायक कंवर ग्रेवाल और तन्मय चतुर्वेदी सहित अन्य कलाकारों के नाम रही।

## चौथे दिन, बॉलीवुड नाइट व मिस एंड मिसेज प्रतियोगिता रहेंगी मुख्य आकर्षण

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

कांगड़ा वैली कार्निवाल 2025 निरंतर सांस्कृतिक, सामाजिक एवं मनोरंजन गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर रहा है। कार्निवाल के चौथे दिन शनिवार, 27 दिसम्बर को सायं 5:00 बजे से भव्य द्वितीय बालीवुड नाइट का आयोजन किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा ने बताया कि इस अवसर पर आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री यादविंद्र गोमा मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस दिन यंग शेफ प्रतियोगिता, दिव्यांग बच्चों की प्रतियोगिता तथा यूथ स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन कर युवाओं और बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मंच पर कुमार साहिल, निधि रस्तोगी, तानूरा डांस, नितीश राजपूत और दिव्या श्रीवास्तव अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। वहीं, सिरमौर नाटी एवं मंडी नाटी जैसी पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुतियां दर्शकों को हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ेंगी। उपायुक्त ने बताया कि कांगड़ा वैली कार्निवाल 2025 के अंतर्गत मिस एंड मिसेज कांगड़ा वैली कार्निवाल 2025 प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास, प्रतिभा और व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहन देना है। 27 दिसम्बर को सुबह 9:30 बजे जिला परिषद हाल, कचहरी धर्मशाला में प्रतियोगिता का पंजीकरण एवं ऑडिशन होगा।

### नुक्कड़ नाटकों से फैलाई जा रही जागरूकता

**डीसी** हेमराज बैरवा ने कहा कि कांगड़ा कार्निवाल के अंतर्गत शहर के विभिन्न स्थानों पर चिट्टा एवं अन्य मादक पदार्थों के विरुद्ध जन-जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से निरंतर गतिविधियांआयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में फव्वारा चौक, गांधी चौक, कचहरी अड्डा तथा शीला चौक पर प्रतिदिन सांस्कृतिक दलों के माध्यम से प्रभावी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से आमजन, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि जिला से चिट्टा सहित सभी प्रकार के मादक पदार्थों को जड़से समाप्त करने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस तथा समाज के सभी वर्गों के समन्वित और निरंतर प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

# साहित्य, समाज की आत्मा है, जो विचारों को देता है दिशा: उपायुक्त

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

**कांगड़ा वैली कार्निवाल के तहत आयोतिज हुआ शब्दों, संवेदनाओं और सामाजिक चेतना का उत्सव**

कांगड़ा वैली कार्निवाल 2025 के अंतर्गत आयोजित कांगड़ा वैली कार्निवाल लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन ऑडिटोरियम, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धर्मशाला में किया गया। इस अवसर पर साहित्य, कला और संस्कृति से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

साहित्य उत्सव का यह आयोजन साहित्य, रंगमंच, संगीत और बौद्धिक संवाद का एक जीवंत संगम बनकर उभरा। इस अवसर पर उपायुक्त हेमराज बैरवा ने अपने संबोधन में स्थानीय कला, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण में ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य उत्सव समाज को आत्मचिंतन और संवाद का मंच प्रदान करते हैं। साहित्य, समाज की आत्मा होता है, जो विचारों को दिशा देने के साथ-साथ संवेदनाओं को भी सशक्त बनाता है।

उन्होंने कहा कि कांगड़ा वैली कार्निवाल लिटरेचर फेस्टिवल जैसे आयोजन साहित्य, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे मंच नवोदित लेखकों, कवियों और कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं तथा समाज में सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करते हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं कांगड़ा के प्रख्यात विद्वान केसी शर्मा ने साहित्य समाज की अंतरात्मा विषय पर विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने साहित्य को सामाजिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि किसी भी समाज की आत्मा उसके साहित्य में प्रतिबिंबित होती है। इसके उपरांत वेब नामक सामाजिक नाटक का मंचन किया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश में बढ़ते चिट्टा संकट को एक संवेदनशील पारिवारिक कथा के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। केदार ठाकुर द्वारा रचित एवं निर्देशित इस नाटक ने आंतरिक द्वंद्व, सामाजिक बहिष्कार, नैतिक समझौतों और युवाओं के टूटते सपनों को सजीवता से उकेरते हुए यह सिद्ध किया कि रंगमंच सामाजिक जागरूकता और सुधार का सशक्त माध्यम है।

साहित्य उत्सव में आत्मा रंजन, सत्य नारायण स्नेही, गौतम व्यथित, कुलदीप गर्ग तरुण, कर्नल विवेक, रेखा डडवाल, विकास राणा तथा रजनीश्वर चैहान जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने कविता, गजल और लघुकथा पाठ के माध्यम से कार्यक्रम को साहित्यिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

# कांगड़ा वैली कार्निवाल में बिखरेगा लोक रंग, धर्मशाला में महानाटी 31 को

## महानाटी के माध्यम से कांगड़ा की लोक संस्कृति को मिलेगा नया मंच, गदियाली नाटी व झमाकड़ा का होगा आयोजन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

पुलिस ग्राउंड धर्मशाला में 31 दिसंबर को महानाटी का आयोजन किया जाएगा। कांगड़ा वैली कार्निवाल के दौरान इसका आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रतिभागी महिलाएं गदियाली नाटी व झमाकड़ा में अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करेंगे। प्रतिभागी महिलाओं को पारंपरिक वेशभूषा में आने के लिए कहा गया है। कार्निवल में सांस्कृतिक संध्याओं के साथ महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके लिए विभिन्न विकास खंडों से महिला मंडलों को आमंत्रित करके उनकी विभिन्न प्रतियोतािएं आयोजित करवाई जा रही हैं, जिनके माध्यम से महिलाएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

इसी कड़ी में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने पहुंची एडीएम शिल्पी बेक्टा ने कहा कि कार्निवल में सांस्कृतिक संध्याओं के साथ समाज के हर वर्ग को जोड़ने का काम किया जा रहा है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जिला के विभिन्न विकास खंडों से महिला मंडलों को बुलाकर उनकी अलग-अलग प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं। महिलाओं के कुकिंग, नृत्य, रंगोली, मेंहदी प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को अपने घरों बाहर निकलकर अपने कौशल को दिखाने पर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। जिला प्रशासन ने कांगड़ा वैली कार्निवल के रूप में महिलाओं को अपनी कला के प्रदर्शन को मंच प्रदान किया है, जिसका लाभ महिलाएं उठा रही हैं। इससे अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। प्रतियोगिता में महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को अच्छा रुझान मिल रहा है। महिलाओं द्वारा घरेलू स्तर पर बनने वाले व्यंजन बनाए जा रहे हैं, जिनका स्वाद चखते हुए लोग उनका आनंद ले रहे हैं।

### स्थानीय व्यंजनों को मिल रहा अच्छा रिस्पांस: मोनिका

**सुलह** ब्लाक से सरस्वती ग्रुप की सदस्य मोनिका अपने ग्रुप की सदस्यों के साथ कांगड़ा कार्निवल में पहुंची थी, जिन्होंने कुकिंग स्टॉल लगाया था। मोनिका ने बताया कि हमारा यही प्रयास रहता है कि ऐसे कुछ बनाया जाए जो कि जल्द बन जाए और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभप्रद हो। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा बनाए गए व्यंजनों को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### चिट्टे के साथ पकड़े मंडी व शिमला के युवक

**अनंत ज्ञान, धर्मशाला।** पुलिस थाना पंचरूखी के तहत शिमला तथा मंडी के दो युवकों को चिट्टे के साथ पकड़ने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार पंचरूखी पुलिस थाना की टीम जब पैट्रोलिंग पर थी तो पड़ियारखड़ में आंचल निवासी कलोटी जिला शिमला व अजय ठाकुर निवासी धंरागणा जिला मण्डी से 1.32 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना पंचरूखी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कारवाई की जा रही है। मामले की पुष्टि एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने की है।

### गग्गल में कार से टकराई बाइक, 3 घायल

**अनंत ज्ञान, धर्मशाला।** पुलिस थाना गग्गल के तहत रजोल-भाटी संपर्क मार्ग में मोटरसाईकिल चालक तनिष निवासी राजोल का बाइक स्किड हो गया व कार के साथ टक्करा गया। इस दुर्घटना में बाइक चालक तथा मोटरसाईकिल के पीछे बैठे दो युवक घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मैडिकल अस्पताल टांडा में भर्ती करवाया गया है। पुलिस थाना गग्गल में मामले को लेकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) व मोटर वाहन अधिनियम की धारा 194(सी), 194(डी) में पंजीकृत पुलिस थाना किया गया है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने मामले की पुष्टि की है।

### उषा कालिया उपाध्यक्ष पद के लिए मनोनीत

**जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था शेष साहित्य सदन पपरोला (बैजनाथ) की बैठक का आयोजन बाल आश्रम सलियाणा में किया गया। इसकी अध्यक्षता सदन की अध्यक्षा सुरेश लता अवस्थी द्वारा की गई। इसमें सर्वसम्मति से वरिष्ठ साहित्यकार कमलेश सूद को अध्यक्ष व कार्यकारिणी को आगामी दो वर्ष 2026-2028 के लिए मनोनीत किया गया। इनके नाम का प्रस्ताव सुरेश लता अवस्थी द्वारा रखा, साथ ही नई कार्यकारिणी में उषा कालिया उपाध्यक्ष, रजनीश अवस्थी महासचिव, आशुतोष राही सहसचिव तथा सुनीता कौल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर शेष साहित्य सदन पपरोला के संस्थापक अध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहित्यकार, राष्ट्रीय कवि संगम हिमाचल प्रदेश के प्रांत प्रभारी शक्ति चंद राणा उपस्थित रहे।

### पूर्व सैनिक लीग से जुड़ने का किया आह्वान

**अनंत ज्ञान, शाहपुर।** पूर्व सैनिक यूनिट शाहपुर का वार्षिक अधिवेशन शुक्रवार को द्रमण स्थित सात्विक पैलेस में अध्यक्ष कर्नल जय सिंह (बीएसएम) की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल वाई.एस. राणा, अध्यक्ष हिमाचल प्रदेश पूर्व सैनिक लीग उपस्थित रहे। अधिवेशन की शुरुआत शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। इस अवसर पर आर.पी. गुलेरिया, कर्नल पी.सी. कौशल, शाहपुर एसडीएम करतार चंद, शहीद पवन कुमार जरियाल के पिता गरजो राम और सीडीएस टॉपर लेफ्टिनेंट रजत कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कर्नल राणा ने सेवा निवृत्त सैनिकों से लीग से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान एनएचएस अस्पताल द्वारा निःशुल्क मेडिकल जांच शिविर लगाया गया और दवाएं वितरित की गईं। बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीर नारियां और परिजन उपस्थित रहे।

### सनातन संस्कृति व एकता पर दिया जोर

**अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेहल में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में आसपास की पंचायतों से बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सनातन संस्कृति के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना और समाज को धार्मिक व सांस्कृतिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ से हुई, जिसमें लगभग सभी ग्रामीण परिवारों ने सहभागिता की। इसके उपरांत तुलसी पूजन किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। पंचायत प्रतिनिधियों और वक्ताओं को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री चंदन बौद्ध ने पंच परिवर्तन–सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और स्वभाव जागरण–पर जोर देते हुए समाज को संगठित होने का आह्वान किया।

# प्रदेश को योजनाबद्ध तरीके से चंदा राज की ओर धकेल रही सरकार : बिक्रम

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

हिमाचल प्रदेश के पूर्व उद्योग मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बिक्रम ठाकुर ने कांगड़ा वैली कार्निवल के नाम पर व्यापारियों से की जा रही उगाही, वित्तीय अनियमितताओं और कथित कमीशनखोरी को लेकर सुक्खू सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश को योजनाबद्ध तरीके से चंदा राज की ओर धकेल रही है, जहां अब सरकारी आयोजन भी बजट से नहीं बल्कि व्यापारियों और आम जनता की जेब से चलाए जा रहे हैं। यह आर्थिक कुप्रबंधन की पराकाष्ठा ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक नैतिकता का भी खुला पतन है। बिक्रम ठाकुर ने कहा कि कांगड़ा वैली कार्निवल को लेकर पहले व्यापारियों से आर्थिक सहयोग वसूलने की खबरें सामने आईं और फिर जनदबाव बढ़ने पर उस उगाही को रोकने संबंधी अधिसूचना जारी की गई। इन दोनों घटनाओं के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि इस अवधि में कितनी धनराशि एकत्र की गई, वह राशि किस खाते में जमा हुई और उसे कहां-कहां खर्च किया गया। उन्होंने कांगड़ा के उपायुक्त से मांग की कि इस पूरे प्रकरण पर तत्काल श्वेत पत्र जारी किया जाए, ताकि सच्चाई प्रदेश की जनता के सामने आ सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार एक ओर आर्थिक संकट का रोना रोती है, वहीं दूसरी ओर भव्य आयोजनों की आड़ में मित्रमंडली को फायदा पहुंचाने का खेल खेल रही है। तीन वर्षों के शासन में विकास ठप है, रोजगार के अवसर खत्म हो चुके हैं और अब व्यापार वर्ग को भी निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उगाही और भ्रष्टाचार की यह नीति तुरंत बंद नहीं की और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की, तो भाजपा व्यापारियों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए सड़कों से सदन तक निर्णायक संघर्ष करेगी।

# कांग्रेस सरकार पर लगाए गए आरोप तथ्यहीन: देवेंद्र जग्गी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** धर्मशाला नगर निगम के पूर्व महापौर देवेन्द्र जग्गी ने कांगड़ा वैली कार्निवल को लेकर भाजपा नेता बिक्रम ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह बयान तथ्यों से परे, राजनीतिक हताशा से प्रेरित और जनता को गुमराह करने का प्रयास मात्र है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की मंशा पर सवाल उठाने से पहले भाजपा नेताओं को अपने कार्यकाल के दौरान हुए आयोजनों और खर्चों का हिसाब देना चाहिए। देवेन्द्र जग्गी ने कहा कि कांगड़ा वैली कार्निवल एक सार्वजनिक-सांस्कृतिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य स्थानीय संस्कृति, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देना है। ऐसे आयोजनों में स्थानीय सहभागिता और सहयोग कोई नई बात नहीं है। इसे उगाही या चंदा राज बताना सरासर गलत और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यदि किसी निर्णय में संशोधन किया है, तो यह सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता को दर्शाता है, न कि भ्रष्टाचार को। पूर्व महापौर ने कहा कि भाजपा शासनकाल में भी बड़े-बड़े आयोजन हुए, जिनमें न तो कभी श्वेत पत्र जारी हुए और न ही खर्चों का सार्वजनिक ब्योरा दिया गया। आज वही भाजपा नेता नैतिकता की दुहाई दे रहे हैं, जो अपने समय में सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर मौन रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की राशि एकत्र की गई है, तो वह सरकारी नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत ही हुई है और उसका पूरा लेखा-जोखा उपलब्ध है।

# शिक्षकों की भूमिका से तय होती है स्कूलों की पहचान: चंद्र कुमार

**शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान**

**देहरा।** कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरियाल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कृषि मंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कांग्रेस सरकारों का विशेष योगदान रहा है। नगरोटा सूरियां में पूर्व मुख्य संसदीय सचिव नीरज भारती द्वारा स्थापित डिग्री कॉलेज आज क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों का आधारभूत ढांचा कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में ही सुदृढ़ हुआ है और अब प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। कृषि मंत्री ने अध्यापकों से सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या पर आत्मचिंतन करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी शिक्षण संस्थान की पहचान उसकी ऊंची इमारतों से नहीं,बल्कि शिक्षकों की भूमिका से तय होती है। इसलिए शिक्षकों को आधुनिक एवं तकनीकी युग के अनुरूप अपनी शिक्षण पद्धतियों में समयानुसार परिवर्तन करना चाहिए। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कृषि मंत्री ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को अपनी ऐच्छिक निधि से 15 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार भी वितरित किए।

कृषि मंत्री ने बरियाल स्कूल के मेधावी छात्र सम्मानित किए।

# अवर ऑन स्कूल में लघु नाटकों के माध्यम से साहिबजादों के बलिदान को किया नमन

अवर ऑन इंग्लिश स्कूल शाहपुर में वीर बाल दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

अवर ऑन इंग्लिश स्कूल, शाहपुर में वीर बाल दिवस अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या रविंदा कुमारी द्वारा सिखों के दशम गुरु गुरु गोविंद सिंह एवं उनके वीर साहिबजादों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने लघु नाटकों के माध्यम से साहिबज़ादे जोरावर सिंह जी एवं साहिबज़ादे फतेह सिंह जी के अद्वितीय बलिदान का सजीव एवं भावपूर्ण मंचन प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थितजनों ने भाव-विभोर होकर सराहा। विद्यालय के निदेशक पारस अवस्थी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत हमें यह संदेश देती है कि अन्याय और अत्याचार के सामने कभी भी झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए उम्र नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प और साहस की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी स्मरण कराया कि गुरु गोविंद सिंह जी एवं उनके साहिबजादों का बलिदान हिंदू धर्म और मानवता की रक्षा के लिए था, जिसे इतिहास सदैव श्रद्धा के साथ याद रखेगा। अंत में उप-प्रधानाचार्या रविंदा कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित कर उन्होंने साहिबज़ादों के बलिदान को उचित सम्मान दिया।

# प्रिंसिपल पदोन्नति सूची जारी करे शिक्षा विभाग

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश में करीब दो साल प्रतीक्षा के बाद प्रिंसिपल प्रमोशन हेतु डीपीसी आयोजित हुई थी। पिछले सप्ताह इस बारे में करीब 507 हेडमास्टर और 263 प्रवक्ता के दस्तावेज सही पाए जाने पर उनको प्रिंसिपल प्रमोशन देने का रास्ता साफ हो गया था मगर पसंदीदा स्टेशन के लिए बहुत सारे यू ओ नोट आने में बाद स्टेशन लगाने में और समय लग रहा है। इसके बाद अब सत्र के अंत तक इस सूची को होल्ड किए जाने की भी अटकलें लग रही हैं। अगर ऐसा हुआ तो अनेकों हेडमास्टर और प्रवक्ता बिना पदोन्नति ही रिटायर हो जाएंगे। डीपीसी के बाद भी अगर शिक्षकों को बिना पदोन्नति ही रिटायर होना पड़े तो यह अन्याय होगा। ऐसे ने अविलंब यह पर प्रमोशन सूची जारी करने हेतु मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री हस्तक्षेप करें। यह मांग राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ ने प्रदेश सरकार और शिक्षा सचिव से की है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय बरवाल, महिला विंग अध्यक्ष रीता बाल्याणी, प्रदेश महासचिव विजय हीर सहित अन्य ने कहा कि पहले लोक सेवा आयोग ने नई नई आपत्तियां लगाकर ये फाइल लंबे अरसे तक लटकाई और फिर कार्मिक विभाग ने इसको रोक दिया। प्रदेश मंत्रिमंडल ने जब इस डीपीसी को करने का जिम्मा शिक्षा विभाग को सौंपा तो यह डीपीसी एक माह में हो गई मगर अब इसे अविलंब जारी किया जाना चाहिए। प्रदेश में प्रिंसिपल के 900 पद रिक्त हैं और उनके बिना काम चलाना क्लस्टर सिस्टम में जटिल साबित हो रहा है। अब अगर हेडमास्टर प्रमोट हो गए तो अप्रैल तक उनके पद भी प्रमोशन से भरते हुए शिक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से चल सकती है।

# 4 साहिबजादों के बलिदान को समर्पित रहा विवेकानंद स्कूल का वार्षिक उत्सव

स्वामी विवेकानंद स्कूल में 29वां विवेक उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

**अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान**

**इंदौरा।** विधानसभा क्षेत्र इंदौरा के स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल कन्दरोरी में 29वां वार्षिक विवेक उत्सव बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। यह समारोह सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को समर्पित रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर मनीषा राणा उपस्थित रहीं, जिनका स्कूल पहुंचने पर चेयरमैन पंकज भनोट व स्कूल प्रबंधन ने भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित अभिभावकों व अतिथियों का मन मोह लिया। मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्या रचना भनोट ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक, खेलकूद व अन्य उपलब्धियों की जानकारी दी। चेयरमैन पंकज भनोट ने कहा कि यह विवेक उत्सव चार साहिबजादों के बलिदान की स्मृति में प्रतिवर्ष मनाया जाता रहेगा, ताकि विद्यार्थियों में त्याग, साहस और देशभक्ति के संस्कार विकसित हो सकें।

# चिट्टे से जंग के लिए बिलासपुर भी हुआ तैयार, उमड़ा जन सैलाब

## मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में निकाली एंटी-चिट्टा वॉकथॉन, विद्यार्थियों सहित 25 हजार लोग हुए शामिल

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

**बिलासपुर।** हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत बिलासपुर में चिट्टे के खिलाफ विशाल वॉकथॉन का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इसका नेतृत्व मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किया। यह वॉकथॉन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) के मैदान से शुरू होकर लुहणू मैदान तक निकाली गई, जिसमें छात्र-छात्राओं, युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों सहित लगभग 25 हजार लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं बिलासपुर के पूर्व विधायक बंबर ठाकुर, तिलक राज, डॉ बीरु राम किशोर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी वॉकथॉन में भाग लिया। कार्यक्रम में उपायुक्त (डीसी) बिलासपुर राहुल कुमार, आईएएस तथा पुलिस अधीक्षक (एसपी) बिलासपुर संदीप धावल, आईपीएस सहित जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए, जिससे वॉकथॉन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस वॉकथॉन के माध्यम से बिलासपुर से पूरे प्रदेश को यह संदेश दिया गया कि नशे के खिलाफ लड़ाई में सरकार और जनता एकजुट हैं, और चिट्टे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा।

बिलासपुर में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सीएम सुक्खू ने कहा कि पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट का उपयोग उन व्यक्तियों को रोकने के लिए किया जा रहा है जो लगातार चिट्टे तस्करी या अवैध ड्रग नेटवर्क से जुड़े रहते हैं, ताकि वे भविष्य में इस अवैध गतिविधि को जारी न रख सकें और समाज को नुकसान से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि 6 और 19 दिसंबर को पीआईटी और एनडीपीएस के तहत 19 कुख्यात चिट्टा तस्करों पर सख्त कार्रवाई करते हुए उनको हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि पीआईटी और एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभी तक 66 आपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है।

बिलासपुर में चिट्टे के खिलाफ निकाली गई वॉकथॉन का नेतृत्व करते प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

10 दिसंबर को पुलिस और औषधि विभाग ने पूरे प्रदेश में 33 बंद, निलंबित और लाइसेंसधारी दवा निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया। इसमें 4 इकाइयों में अनियमितताएं पाई गई और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य नकली, बिना लाइसेंस वाली और मनो-संवेदी दवाओं के अवैध निर्माण और वितरण को रोकना है। उन्होंने कहा कि 15 दिसंबर को चिट्टे से प्रभावित 234 पंचायतों में समकालिक बैठकों का आयोजन किया गया, जिनमें नशा तस्करी से संबंधित स्थानीय सूचनाओं की समीक्षा, समुदाय आधारित जागरूकता अभियानों की रूपरेखा तथा आगामी रोकथाम एवं प्रवर्तन रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

### झंडूता कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी लिया भाग

**अनंत ज्ञान, झंडूता।** राजकीय महाविद्यालय झंडूता के 150 विद्यार्थियों ने चिट्टा विरोधी वॉकथॉन में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने किया। उन्होंने युवाओं को नशा विरोधी शपथ दिलाई और कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती है, जिसे समाप्त करने के लिए सरकार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जागरूक युवा शक्ति नशे जैसी सामाजिक बुराइयों को परास्त कर सकती है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. संजय कुमार ने स्वयं भाग लेकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

### जब मुख्यमंत्री सड़क पर उतरे, तो दूर तक गया संदेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर की सड़कों पर उस दिन केवल कदमों की आहट नहीं थी, बल्कि एक पूरे प्रदेश की चिंता और संकल्प साथ-साथ चल रहे थे। चिट्टे के खिलाफ निकली यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिमाचल में नशे के विरुद्ध संघर्ष अब केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना बन चुका है। चिट्टे के खिलाफ उमड़ा जनसैलाब केवल भीड़ नहीं था, बल्कि यह एक पीढ़ी का संकल्प, एक समाज की पीड़ा और एक मुख्यमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतिबिंब था। यह दृश्य साफ कहता है-यह लड़ाई अब सरकार की नहीं, हिमाचल की आत्मा की लड़ाई बन चुकी है। 'चिट्टा अगेंस्ट यात्रा' की शुरुआत शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान से हुई। धर्मशाला की चेतना, हमीरपुर की ऊर्जा और फिर बिलासपुर की दृढ़ता-हर पड़ाव पर यह यात्रा और मजबूत होती गई। लेकिन बिलासपुर में जो दृश्य उभरा, उसने इस अभियान को आंदोलन की ऊंचाई पर पहुंचा दिया। हालांकि मुख्यमंत्री सुक्खू अपने निर्धारित कार्यक्रम से लगभग एक घंटा विलंब से बिलासपुर पहुंचे, लेकिन इंतजार कर रही भीड़ के उत्साह में कहीं कोई कमी नहीं आई। यह प्रतीक्षा असहज नहीं थी, यह विश्वास से भरी प्रतीक्षा थी। छात्र हाथों में पोस्टर लिए डटे रहे, युवा नारों के साथ खड़े रहे। यह दृश्य बता रहा था कि लोग किसी औपचारिकता के लिए नहीं, बल्कि एक विश्वास के लिए यहां आए हैं। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही माहौल बदल गया। उन्होंने मंच तक सीमित रहने के बजाय स्वयं वॉकथॉन का नेतृत्व किया, युवाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। यही वह क्षण था, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि यह अभियान भाषणों का नहीं, भागीदारी का है। यह दृश्य मुख्यमंत्री की उस छवि को और सुदृढ़ करता है, जिसमें वे सत्ता के शिखर से नहीं, समाज के बीच खड़े होकर नेतृत्व करते हैं। इस पूरे अभियान का सबसे उजला पक्ष विद्यार्थियों की भागीदारी रही। शिमला से लेकर बिलासपुर तक यह साफ झलकता रहा कि विद्यार्थियों के मन में चिट्टा अगेंस्ट अभियान से जुड़ने का गहरा उत्साह है। उनकी आंखों में डर नहीं, बल्कि भविष्य को बचाने का साहस दिखाई दे रहा था। बिलासपुर का यह जनसैलाब इतिहास में इसलिए दर्ज होगा, क्योंकि यहां नेतृत्व और जनता एक साथ चले। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में यह स्पष्ट हो गया है कि नशे के खिलाफ लड़ाई न तो अकेले सरकार जीतेगी, न अकेले समाज-यह जीत तभी संभव है जब दोनों साथ चलें।

### मुख्यमंत्री सुक्खू ने बिलासपुर को दी 110 करोड़ रुपए की सौगात

**बिलासपुर।** मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान बिलासपुर में लगभग 110 करोड़ रुपए की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास किए। मुख्यमंत्री ने बिलासपुर शहर के लिए 93.30 करोड़ रुपए की मल निकासी योजना के निर्माण कार्य तथा पुलिस लाइन बिलासपुर में 12.23 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले स्टाफ क्वार्टरों की आधारशिला रखी। उन्होंने पीएमकेकेकेवाई योजना के तहत बिलासपुर एवं घुमारवीं नगर क्षेत्र के लिए 4.38 करोड़ की लागत से स्थापित सीसीटीवी मैट्रिक्स डीएमएफटी (नेत्रम सर्विलांस व क्राइम रिस्पोंस सेंटर) का उद्घाटन किया।

## न्यूज ब्रीफ

### भाखड़ा विस्थापित सुधार समिति की बैठक कल

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** जिला ग्रामीण भाखड़ा विस्थापित सुधार समिति की बैठक 28 दिसंबर को धूनी मंदिर झंडूता में आयोजित की जाएगी। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलदेव ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रधान देश राज शर्मा करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में 23 फरवरी को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसके साथ ही आंदोलन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बलदेव ठाकुर ने समिति के सभी सदस्यों तथा ग्रामीण विस्थापितों से आग्रह किया है कि वे इस बैठक में भाग लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव दें, ताकि आंदोलन को मजबूत दिशा प्रदान की जा सके।

### डॉक्टरों की हड़ताल से मरीज हुए परेशान

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** आईजीएमसी शिमला में डाक्टर राघव निरूला द्वारा एक रोगी अर्जुन से की गई कथित मारपीट के संदर्भ में प्रदेश सरकार द्वारा डॉक्टर के विरुद्ध की गई कार्रवाई को गलत व अनुचित बताते हुए क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर के डॉक्टरों ने राज्य एशोसिएशन के आह्वान पर एक दिन का सामूहिक अवकाश लेकर अपना विरोध दर्ज किया है और संबंधित डॉक्टर को तुरंत बहाल करने की मांग की है। रोष स्वरूप अवकाश पर गए डाक्टरों का कहना था कि कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए आचार संहिता एवं नियम व कानून निर्धारित किए गए हैं और बिना किसी निष्पक्ष जांच व संबंधित कर्मचारी व अधिकारी का पक्ष सुने बिना कोई भी कार्यवाही उनके विरुद्ध नहीं की जा सकती है, जबकि उक्त मामले में कथित संलिप्त डाक्टर के विरुद्ध सरकार द्वारा की गई कार्यवाही एक पक्षीय है जिसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। उधर, रोगियों ने बताया कि डॉक्टरों के अचानक हड़ताल पर अथवा अवकाश पर चले जाने से रोगियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है और उन्हें बिना कोई उपचार व डाक्टर की सलाह के वापिस घर लौटना पड़ा है।

### रवि ने कोठी व दाभला में लगाए 5 वाटर कूलर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** घुमारवीं विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोठी व दाभला में पंचायत समिति सदस्य रवि कौशल द्वारा अपनी बीडीसी निधि से अपने क्षेत्र में 5 नए वाटर कूलर तथा सोई मंदिर में एक पानी की टंकी के लिए स्टैंड स्थापित करवाया है। इससे पूर्व भी उनके कार्यकाल में 2 वाटर कूलर लगवाए जा चुके हैं। इस प्रकार उनके बीडीसी कार्यकाल में कुल 7 वाटर कूलर क्षेत्र में स्थापित हो चुके हैं। इस अवसर पर बीडीसी सदस्य रवि कौशल ने बताया कि बीडीसी निधि का बजट सीमित होने के बावजूद जनहित को प्राथमिकता देते हुए यह कार्य करवाया गया है। उन्होंने कहा कि श्हो सकता है किसी के लिए यह एक छोटी उपलब्धि हो, लेकिन मेरे लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि और खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि राशन डिपो गलासी, राशन डिपो सोई, प्राथमिक विद्यालय सोई, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बडू, राशन डिपो कोठी, वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोठी, सिद्ध गोदडिया मंदिर, दाड़ी गांव यग्राम पंचायत दाभला में वाटर कूलर स्थापित किए।

### वैटरन कैप्टन जीवन चंदेल को दी अंतिम विदाई

**अनंत ज्ञान, घुमारवीं।** हिमाचल प्रदेश वैटरन सैनिक कल्याण एवं विकास समिति के प्रदेशाध्यक्ष व एक्स सर्विसमैन सैनिक लीग बिलासपुर के अध्यक्ष वैटरन कैप्टन बालक राम शर्मा ने बताया कि वैटरन कैप्टन जीवन सिंह चंदेल का निधन हो गसा है। जिला बिलासपुर के वैटरंस सैनिकों ने अंतिम विदाई संस्कार पर रिथ लेईंग व पुष्प अर्पित कर 2 मिनट का मौन रखकर नम आंखों से भावुकतापूर्ण श्रद्धापूर्वक दी उन्हें श्रद्धांजलि और अंतिम विदाई दभ। वैटरन कैप्टन जीवन सिंह चंदेल ने 1946 में सेना की एजुकेशन कोर में ज्वाइन किया था, जो पहली सेवाएं पाकिस्तान के एबोटाबाद में भी सेवा दी थीं। विभाजन के बाद भारतीय सेना में सेवा देते रहे और 1972 में सूबेदार ऑनरेरी कैप्टन रैंक से सेवानिवृत्त हुए। उसके बाद वह बिलासपुर एक्स सर्विसमैन सैनिक लीग के अध्यक्ष रहे। जिला सैनिक कल्याण विभाग में ओसी रहे तथा सिविल में समाज सेवा में बहुत योगदान रहा। वह समाजसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।

### एससी-एसटी सब प्लान को कानून का दर्जा देने की मांग

**अनंत ज्ञान, स्वारघाट।** हिमाचल प्रदेश कबीर पंथ समाज सुधार सभा की त्रैमासिक बैठक का आयोजन जिला बिलासपुर की तहसील घुमारवीं स्थित अंबेडकर भवन में किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मस्तराम ने की। बैठक में राज्य कार्यकारिणी से राज्य सचिव देवराज शांडिल, वित्त सचिव डॉ. जनक राज सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रदेश भर से सभी जिलों के जिला अध्यक्ष व सचिवों ने भाग लिया। बैठक में कबीर पंथ कल्याण बोर्ड के गठन के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। सभा ने प्रदेश की राजधानी शिमला में कबीर भवन के निर्माण को लेकर भी प्रस्ताव पारित किया, जिसे सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बैठक में यह मांग भी उठाई गई कि हिमाचल प्रदेश में एससी-एसटी सब प्लान को कानून का दर्जा दिया जाए। इस संबंध में एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। सभा द्वारा प्रदेश सरकार के नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सरकार को पूर्ण समर्थन देने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।

### मोरसिंघी में हिंदू सम्मेलन में बच्चों ने बांधा समां

**अनंत ज्ञान, घुमारवीं।** उपमंडल के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोरसिंघी में हिंदू सम्मेलन का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम से किया गया। सम्मेलन में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शंकर दास शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विशेष अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में अनिल कुमार तथा धर्म सिंह चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। मुख्यातिथि ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले बच्चों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की सहभागिता रही। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भगवती जगदंबा बस के मालिक एवं समाजसेवी अच्छर पाल चौहान द्वारा आने-जाने के लिए निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध करवाई गई, जिसकी सभी ने सराहना की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र चौहान के साथ पवन चौहान, यशवंत चौहान, राजेश कुमार, हैप्पी चौहान, नवीन शर्मा, बाबू राम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सम्मेलन के माध्यम से सामाजिक एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया।

## कम्युनिस्टों ने देश की आजादी के लिए दिए असंख्य बलिदान

### बिलासपुर के श्री लक्ष्मी-नारायण मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया भाकपा का स्थापना दिवस

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का स्थापना दिवस वीरवार को कामरेड अमरचंद वर्मा की अध्यक्षता में श्री लक्ष्मी-नारायण मंदिर के सभागार में मनाया गया। पार्टी का झंडा वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता क कामरेड दीवाना राम चौधरी एवं वासुदेव वसु ने फहराया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारी व अन्य।

समारोह की अध्यक्षता कामरेड दीवाना राम, प्रोफेसर केएस धीर, वासुदेव बसु देश राजशर्मा व अन्य ने की। बैठक में पार्टी के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला गया। विभिन्न वक्ताओं ने कहा कि पार्टी का गठन आजादी के आंदोलन में 26 दिसंबर 1925 को कानपुर में हुआ। यह कम्युनिस्ट ही थे, जिन्होंने पहली बार कांग्रेस के अंदर पूर्ण स्वराज की मांग रखी। कम्युनिस्ट पार्टी पर उसके बनने के बाद से ही कितनी ही संख्या मुकदमे, जिनमें से कानपुर षड्यंत्र केस, लाहौर षड्यंत्र केस, मेरठ षड्यंत्र केस, अंग्रेजों द्वारा दर्ज किए गए और कम्युनिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाया गया। वक्तओं ने कहा कि बहुत से साथियों ने काले पानी की सजा तक काटी। कम्युनिस्ट पार्टी ने देश की आजादी को लेकर के असंख्य बलिदान दिए हैं। इनमें से बहुत से अनुसांगिक संगठन बनाकर के चाहे वह ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन हो या मजदूरों के क्षेत्र में हो या प्रगतिशील लेखक संघ हो के माध्यम से आजादी के आंदोलन को तेज किया।

रॉयल नेवी के विद्रोह में भी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई आजादी के बाद तेलंगाना के अंदर लगभग 3000 गांव को लिब्रेट कर करके किसानों के बीच में भूमि को बांटा गया। बंगाल के अंदर तेभागा केरल केरल पुन्नापुरा वायलर और तेलंगाना के संघर्ष प्रमुख संघर्ष हैं। आजादी के बाद भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन को लेकर के पार्टी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिमाचल प्रदेश के निर्माण को लेकर के कम्युनिस्ट पार्टी ने आंदोलन चलाया। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी ने सबसे पहले भूमि सुधारो की बात की और प्रदेश के अंदर मुजरा आंदोलन चलाया, जिसकी वजह से इस देश के अंदर और प्रदेश के अंदर बड़ी संख्या में लोग भूमि के मालिक बने देश के अंदर मजदूरों को उनके अधिकार दिलाने की बात है। उसको लेकर के भी कम्युनिस्ट पार्टी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। आज देश के अंदर जो सार्वजनिक क्षेत्र दिख रहा है। कम्युनिस्ट पार्टी की वजह से ही देश में हिंदू मुस्लिम एकता को लेकर के सद्भावना को कायम करते हुए कम्युनिस्ट पार्टी देश के अंदर आगे बढ़ रही है। परंतु आज देश के अंदर ऐसी फासीवादी ताकतें हैं, जो इस देश के अंदर एक समुदाय को दूसरे समुदाय से लड़वाने का काम कर रहे हैं।

### मोदी सरकार के सभी वादे अधूरे

**कामरेडों** ने कहा कि देश के लिए मानवता के लिए सुंदर समाज बनाने के लिए कम्युनिस्ट पार्टी की भूमिका अति महत्वपूर्ण है, क्योंकि मोदी सरकार जिन मुद्दों को लेकर के सत्ता में आई थी, उनमें से किसी भी मुद्दे को पूरा नहीं किया है। वह चाहे हर नागरिक को 15-15 लाख रुपए देने की बात हो या कालाधन को विदेशों से लाने की बात हो या दो करोड़ रोजगार देने की बात हो, 100 स्मार्ट सिटी बनाने की बात हो या बुलेट ट्रेन चलाने की बात हो या बनारस को क्योटो बनाने की बात हो पूर्ण रूप से झूठी साबित हुई है। सम्मेलन का संचालन कामरेड प्रवेश चंदेल ने किया। कार्यक्रम में तमाम शहीदों को एवं साथियों को, जिन्होंने पार्टी के लिए अपना जीवन दिया उनको और उनके परिवारों को भी सम्मानित किया गया।

## संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने हारकुकार में चिट्टे के खिलाफ जगाई अलख

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक वर्ग संयुक्त संघर्ष मोर्चा बिलासपुर इकाई द्वारा चिट्टा नशे के खिलाफ छेड़े गए अभियान के तहत बीती शाम घुमारवीं के साथ लगते हारकुकार में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के गांवों के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। घुमारवीं खंड के उपाध्यक्ष तेग सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस जागरूकता शिविर में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा रही।

**ग्रामीणों ने चिट्टे के खिलाफ ली शपथ**

संयुक्त संघर्ष मोर्चा के जिला महामंत्री आचाय नंद लाल ने बताया कि जिला प्रधान एवं सेवानिवृत्त डीएसपी सीता राम कौंडल की अध्यक्षता में इस अभियान को गांव-गांव पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चिट्टा नशा सीधे मौत का कारण है, इसकी गिरफ्त में आने वाला बिरला ही है जो बच रहा है। अन्यथा युवा मौतों को लील रहे इस नशे से परिवार, समाज और पीढ़ियां सीधे मौत के मुंह में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न कोनों से आ रही खबरों और वायरल वीडियो एक सभ्य समाज के लिए कोई अच्छे संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस नशे को मिटाने के लिए सभी को अपने-अपने स्तर पर काम करना चाहिए तथा बिना देर किए नशे की रोकथाम के लिए मैदान में डट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार चिट्टा नशे को लेकर पूरी तरह से संवेदनशील है। ऐसे में प्रदेश की जनता यदि सरकार, पुलिस विभाग व जिला प्रशासन का सहयोग करती है तो इसमें संदेह नहीं कि इस नशे पर विजय प्राप्त नहीं होगी। वहीं पे-बैक टू सोसायटी के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र भाटिया ने कहा कि मुसीबत कितनी भी बड़ी हो, उस पर काबू पाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर महिलाओं द्वारा चिट्टे की रोकथाम के लिए किए जा रहे रात्रि पहर में पहरे जैसे प्रयासों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस नशे ने किस कदर अपनी जड़ें फैला दी हैं। इस अवसर पर सभी ग्रामीणों को चिट्टा के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई।

## शिवा गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल के होनहार सम्मानित

अनंत ज्ञान, झंडूता

उपमंडल झंडूता स्थित शिवा गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध के महंत राजेंद्र गिरी जी महाराज पधारे। वार्षिक पारितोषिक वितरण कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि महंत राजेंद्र गिरी जी महाराज ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। स्कूल के बच्चों ने धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें भजन, नृत्य और नाटिकाएं शामिल थीं। इन प्रस्तुतियों ने अभिभावकों, शिक्षकों और अतिथियों का खूब मनोरंजन किया। समारोह में मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए तथा विभिन्न स्पर्धाओं में विजेता बच्चों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के महत्व पर जोर दिया।

**स्कूल में धूमधाम से मनाया वार्षिक उत्सव**

**छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियों से बांधा समां**

## हरलोग में नए वर्ष में होगा श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** जिले के हरलोग क्षेत्र के गांव जोल में आगामी एक जनवरी से श्रीमद भागवत कथा का आयोजन बड़ी धूमधाम और श्रद्धा से किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए आयोजक विकास शर्मा और सौरभ शर्मा ने बताया कि इस कथा यज्ञ में कथा व्यास रसिक जी महाराज अपने मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करेंगे। उन्होंने बताया कि यह कथा एक जनवरी से सात जनवरी तक चलेगी तथा प्रतिदिन एक बजे से शाम चार बजे तक प्रवचन होंगे। सात जनवरी को पूर्णाहुति के बाद अटूट भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रीकृष्ण भक्तों और धर्म प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे नववर्ष के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले इस भक्तिमय समागम में श्रीमद भागवत कथा का श्रवण करें।

## आर्यव्रत ने ऑस्ट्रेलिया में मनवाया प्रतिभा का लोहा

### बतौर वाइस कैप्टन खेले 6 मैच, चार-दो से जीती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में संपन्न हुई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में भारतीय विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारत लौट आई है। इस टीम के कैप्टन अभय चौधरी (पंजाब), जबकि वाइस कैप्टन की भूमिका में (बिलासपुर) हिमाचल प्रदेश के आर्यव्रत शर्मा रहे।

अपने नाम के साथ इंटरनेशनल का सम्मानित नाम लेकर बिलासपुर पहुंचे युवा क्रिकेटर आर्यव्रत ने बताया कि आस्ट्रेलिया का उनका दौरा और अनुभव दोनों शानदार और यादगार रहे। बिलासपुर पहुंचने पर आर्यव्रत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया की फास्ट पिच पर इंटरनेशनल क्रिकेटर्स के साथ खेलना बहुत रोमांचक रहा।

उन्होंने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया इंटर यूनिवर्सिटी सीरीज के कुल छह टी-20 मैचों में भारत ने 4 मैच जीत कर इस सीरीज को अपने नाम किया। इनमें उन्हें भी कैप्टनशिप निभाने का मौका मिला जबकि बल्लेबाजी से ज्यादा फिल्डिंग का आनंद आया। उन्होंने बताया कि इसी श्रृंखला के तीन मैच ब्रिसबेन में हुए, जबकि तीन मैचों का आयोजन सिडनी में हुआ। एक क्रिकेटर के लिए इस प्रकार का अनुभव बहुत प्रेरणादायक और कुछ नया सीखने के लिए बड़ा मौका होता है। उन्होंने बताया कि बाहरी क्रिकेटरों की समय की कीमत को पहचानना तथा अनुशासन वास्तव में अनुकरणीय रहा। उन्होंने बताया कि इस टूअर में भारतीय दूतावास, एआईयू तथा आस्ट्रेलिया दूतावास द्वारा लंच, डिनर पर आयोजित सम्मान अविस्मरणीय रहा। आर्यव्रत ने बताया कि अब वे अपनी फिटनेस की तरफ विशेष ध्यान दे रहे हैं तथा अगली रणजी की तैयारी है।

**संबोधन** देश व हिमाचल में गरीब मजदूरों के हित में कार्य कर रही इंटक

## गरीबों की सेवा ही सबसे बड़ा परोपकार: सोनिका

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

इंटक से संबद्ध हिमाचल पीडब्ल्यूडी-आईपीएच एंड कॉन्ट्रैक्चुअल वर्कर्स यूनियन तथा हिमाचल बिल्डिंग-कंस्ट्रक्शन एंड मनरेगा मजदूर यूनियन के तत्वावधान में वीरवार को घुमारवीं में आउटरीच मीटिंग एवं ट्रेड यूनियन शिक्षा की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संवेदना चैरिटेबल संस्था घुमारवीं की उपाध्यक्ष सोनिका धर्माणी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

उन्होंने कहा कि गरीबों की सेवा करना सबसे बड़ा परोपकार है। उन्होंने कहा कि इंटक एवं इसके पदाधिकारी हमेशा गरीब मजदूरों के हित में कार्य करते रहे हैं। सोनिका धर्माणी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा श्रम कल्याण बोर्ड के माध्यम से गरीब मजदूरों को विभिन्न वित्तीय सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं तथा इंटक द्वारा जगह-जगह जागरूकता शिविर लगाकर निर्माण मजदूरों की सेवा की जा रही है। ट्रेड यूनियन शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इंडियन नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन-फॉरेस्ट वर्कर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव एवं पंजाब इंटक के महासचिव ने कहा कि इतिहास गवाह है कि ट्रेड यूनियनों के कड़े संघर्ष के कारण ही वर्ष 1947 में भारत सरकार द्वारा मजदूरों के हित में 44 श्रम कानून बनाए गए थे, जिन्हें वर्तमान सरकार ने चार लेबर कोड में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के इस युग में डिजिटल माध्यमों से कामगारों के हितों की सुरक्षा को और सशक्त किया जा सकता है।

कार्यशाला में मौजूद संवेदना चैरिटेबल संस्था की उपाध्यक्ष सोनिका व अन्य।

कार्यशाला में हिमाचल पथ परिवहन निगम कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान उमेश शर्मा, ऑल हिमाचल पीडब्ल्यूडी-आईपीएच एंड कॉन्ट्रैक्चुअल वर्कर्स यूनियन के राज्य महासचिव जगतार सिंह बैंस, उपाध्यक्ष धर्म सिंह, पदाधिकारी व मजदूर उपस्थित रहे।

## वैहरन में मनाया शहीद नायक राकेश कुमार का शहीदी दिवस

अनंत ज्ञान, बरठीं

पूर्व सैनिक कल्याण समिति हिमाचल प्रदेश ने वीर बलिदानी नायक राकेश कुमार का शहीदी दिवस उनके गांव वैहरन में मनाया। मुख्यातिथि, वीर बलिदानी राकेश कुमार की माता, भाई संजय कुमार, कैप्टन अमर नाथ धीमान, प्रदेशाध्यक्ष और कैप्टन संजय कुमार, चेयरमैन पूर्व सैनिक कल्याण समिति ने वीर बलिदानी की प्रतिमा पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन अमर नाथ धीमान प्रदेशाध्यक्ष पूर्व सैनिक कल्याण समिति द्वारा की गई। उन्होंने ने बताया कि वीर बलिदानी राकेश कुमार का जन्म 8 अप्रैल 1982 को गांव वैहरन में पिता नत्थू राम और माता श्रीमती रत्नी देवी के साधारण परिवार में हुआ।

**26 दिसंबर, 2012 को राजौरी में हुए थे शहीद**

राकेश कुमार 9 फरवरी, 2009 को भारतीय सेना की पंजाब रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी तैनाती 21 पंजाब रेजिमेंट में हुई। वर्ष 2010 में उनका स्थानांतरण 37 राष्ट्रीय राइफल्स में हुआ, जो कि जम्मू कश्मीर के जिला राजौरी के दुर्गम इलाके मेंढर में तैनात थी। वह मेंढर सेक्टर में आतंकवादी खोज अभियान के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए 26 दिसंबर 2012 को वीरगति को प्राप्त हुए थे।

# एंबुलेंस कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

## न्यूनतम वेतन और ओवरटाइम की मांग को लेकर आज भी रहेंगे हड़ताल पर

**राहुल सहगल, अनंत ज्ञान**

चम्बा। हिमाचल प्रदेश 108-102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन (सीटू संबद्ध) ने अपनी जायज मांगों को लेकर शुक्रवार को दो दिवसीय हड़ताल के तहत चंबा में जोरदार रैली निकाली और जिला उपायुक्त चम्बा के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। एंबुलेंस कर्मचारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत मेडसवान फाउंडेशन के अधीन कार्यरत हैं, लेकिन हालात यह हैं कि इन्हें सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन तक नहीं दिया जा रहा। कर्मचारियों से 12 घंटे की ड्यूटी ली जा रही है, पर ओवरटाइम का भुगतान शून्य है।

न्यूनतम वेतन व ओवरटाइम की मांग को लेकर एंबुलेंस कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए।

यूनियन ने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय, लेबर कोर्ट, सीजेएम कोर्ट शिमला और श्रम विभाग के स्पष्ट आदेशों के बावजूद वर्षों से कर्मचारियों का शोषण जारी है। जब कर्मचारी यूनियन के माध्यम से अपनी आवाज उठाते हैं, तो उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, यूनियन पदाधिकारियों के तबादले कर दिए जाते हैं या उन्हें नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है। कई कर्मचारियों को बिना कारण महीनों तक ड्यूटी से बाहर रखा जाता है। यूनियन का कहना है कि कर्मचारियों को नियम अनुसार छुट्टियां नहीं दी जातीं, ईपीएफ और ईएसआई के क्रियान्वयन में भारी अनियमितताएं हैं, मूल वेतन बेहद कम है और श्रम कानूनों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है।

प्रदर्शन के दौरान यूनियन ने मुख्य रूप से मांग की कि कर्मचारियों को सरकारी नियमों के अनुसार न्यूनतम वेतन दिया जाए, 12 घंटे कार्य पर डबल ओवरटाइम का भुगतान हो, सभी वैधानिक छुट्टियां सुनिश्चित की जाएं, वाहन मेंटेनेंस अवधि में भी पूर्ण वेतन दिया जाए, न्यायालयों और श्रम विभाग के आदेशों को तुरंत लागू किया जाए, ईपीएफ और ईएसआई की त्रुटियां सुधारी जाएं, हर वर्ष कम से कम 10 प्रतिशत वेतन वृद्धि की जाए और मजदूर विरोधी श्रम कोड को निरस्त किया जाए।

प्रदर्शन को सीटू जिला महासचिव सुदेश ठाकुर, जिला अध्यक्ष नरेंद्र, उपाध्यक्ष विपिन शर्मा, यूनियन अध्यक्ष सुनील कुमार, सचिव अमित सहित याकूब, काकू, रोहित, तिलक, मुमताज, पूजा, कामिनी, शशि, रिशु, खेमराज आदि ने संबोधित किया। यूनियन ने स्पष्ट कहा कि यदि मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो हड़ताल और प्रदर्शन कल भी जारी रहेगा।

# कुलदीप पठानिया ने किड्स कैंप स्कूल के मेधावी नवाजे

## शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की प्रशंसा, छात्रों के सर्वांगीण विकास पर दिया जोर

**अनंत ज्ञान, चुवाड़ी**

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने किड्स कैंप पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चुवाड़ी के वार्षिक पारितोषिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए।

विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की सराहना करते हुए बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ नीट एवं अन्य प्रोफेशनल कोर्सेज में चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं इसके परिणामस्वरूप विद्यालय में नामांकन लगातार बेहतर हो रहा है।

कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह राज्य सरकार के अभूतपूर्व निर्णयों का ही परिणाम है कि आज प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरकर सामने आया है।

विस अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने किड्स कैंप स्कूल के मेधावियों को सम्मानित किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेश के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को सीबीएसई पाठ्यक्रम से संबद्ध करने को राज्य सरकार के निर्णय को ऐतिहासिक, दूरदर्शी एवं शिक्षा की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए समान अवसर मिलेंगे और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे। कुलदीप सिंह पठानिया ने अपने संबोधन में प्रस्तावित चुवाड़ी जोत सुरंग निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी फीज़िबिलिटी रिपोर्ट तैयार हो चुकी है तथा निर्माण कार्यों को बीओटी के आधार पर पूर्ण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में कई कंपनियां इच्छुक हैं। साथ में उन्होंने ढांचागत एवं अन्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने यह भी कहा कि सियुन्ता-लाहड़ू मार्ग के डबल लेन कार्य को जून 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने इससे पूर्व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 31 हजार रुपये की धनराशि देने की घोषणा भी की। विधानसभा अध्यक्ष का कार्यक्रम में पधारने पर प्रबंध निदेशक राकेश ठाकुर एवं स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य सीमा ठाकुर ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सदस्य निदेशक मंडल राज्य वन निगम चेला कृष्ण चंद, राज्य सहकारी बैंक राज कुमार, उपाध्यक्ष नगर पंचायत सुरिंद् चाढक, पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी विजय कंवर, एसडीएम पारस अग्रवाल, उप पुलिस अधीक्षक शेर सिंह , वन मंडल अधिकारी रजनीश महाजन, परियोजना राम पाल, खंड विकास अधिकारी अनिल गुराडा, अधिशासी अभियंता राकेश ठाकुर, पंकज राठौर, सहित पंचायत प्रतिनिधि, स्कूल के विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक तथा स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

## न्यूज ब्रीफ

### अस्पताल के आपातकाल वार्ड का किया निरीक्षण

**अनंत ज्ञान, चंबा।** पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज चंबा के प्राचार्य डॉ. पंकज गुप्ता और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रदीप सिंह ने अस्पताल के आपातकाल वार्ड, पहली और दूसरी मंजिल, पीडिया और गायनी वार्ड, सैंट्रल लैब, मैंस सहित अन्य स्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कुछ जगहों पर सुधार हो चुका है, जबकि कुछ स्थानों पर अभी भी सुधार की आवश्यकता है, जिसे शीघ्र पूरा किया जाएगा। प्राचार्य ने सिक्योरिटी पर्सन को आपातकाल वार्ड के बाहर किसी भी निजी वाहन के खड़े होने पर रोक लगाने का निर्देश दिया। साथ ही पुरुष और महिला शौचालयों की सफाई सुनिश्चित करने के लिए सफाईकर्मियों को आदेश दिए। इस अवसर पर नर्सिंग सुपरीटेंडेंट, वार्डन, मैट्रन, स्टाफ नर्स, सिक्योरिटी पर्सन और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

### बच्चों ने देववन जंगलवाड़ में किया शैक्षणिक भ्रमण

**अनंत ज्ञान, चंबा।** शिक्षा खंड सुंडला के अंतर्गत आने वाली राजकीय प्राथमिक पाठशाला मौड़ा के बच्चों के लिए वार्षिक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चे प्रसिद्ध पर्यटक स्थल वासुकी नाग मंदिर, देववन जंगलवाड़ पहुंचे। भ्रमण में पाठशाला के पूर्व छात्रों ने भी भाग लिया। एक दिवसीय भ्रमण में बच्चों ने विभिन्न विषयों पर शिक्षाप्रद जानकारी एकत्रित की और साथ मिलकर खेल, रोचक गतिविधियां, गीत और नृत्य का आनंद लिया। बच्चों ने नाग मंदिर के इतिहास के बारे में जाना और देववनों के महत्व व पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका के संबंध में भी जागरूक हुए। पाठशाला प्रभारी एवं राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक युद्धवीर टंडन ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण बच्चों को विद्यालय की चार दीवारी से बाहर निकलकर प्रकृति से जोड़ते हैं और उन्हें सीखने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

### न्यू कांप्लेक्स सिस्टम के विरोध में सौंपा ज्ञापन

**अनंत ज्ञान, चंबा।** हिमाचल प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ, जिला चम्बा के अध्यक्ष तेजेन्द्र विक्रम के नेतृत्व में आज प्राथमिक शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने किड्स कैंप सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल चुवाड़ी में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से भेंट कर क्लस्टर/न्यू कॉम्पलेक्स सिस्टम के विरोध में ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में जिला महासचिव, कार्यकारिणी सदस्य, विभिन्न शिक्षा खंडों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल थे। ज्ञापन में कहा गया कि एक प्रधानाचार्य के अधीन 15-20 विद्यालय होने से प्रशासनिक नियंत्रण कमजोर होगा और शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक असर पड़ेगा। जेबीटी से पदोन्नत एसटी, सीएसटी और बीईईओ की शक्तियों में कमी से शिक्षक रोष में हैं। संघ ने मिड-डे मील योजना में बदलावों को अव्यावहारिक बताया और ब्लॉक स्तर की वर्तमान प्रभावी व्यवस्था को बनाए रखने की मांग की।

### हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में कल बंद रहेगी बिजली

**अनंत ज्ञान, मंडी।** 11 केवी मंगवाईं तथा 11 केवी सेरी एचटी लाइनों के केबल स्थानांतरण का कार्य रविवार 28 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक प्रस्तावित है। यह जानकारी देते हुए सहायक अभियंता नरेश ठाकुर, विद्युत उप-मंडल-1 ने बताया कि निर्धारित कार्य के चलते 28 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक रामनगर, पुलघराट, अपर व लोअर मंगवाईं, तहसील कार्यालय क्षेत्र, विश्वकर्मा मंदिर, अपर व लोअर सन्यारड, थनेहरा मोहल्ला, महामृत्युंजय मंदिर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, टारना हिल के कुछ क्षेत्र, उपायुक्त कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला न्यायालय परिसर, सेरी बाजार, स्कूल बाजार, चौबाटा बाजार, इंदिरा मार्केट, पोस्ट ऑफिस रोड, भूतनाथ बाजार, दरम्याना मोहल्ला, भगवाहन मोहल्ला, चंद्रलोक गली, बंगला मोहल्ला, जिमखाना, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, पुलिस थाना पड्डल तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

### मंडल भाजपा ओबीसी मोर्चा की बैठक 29 को

**रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट।** मंडल भाजपा ओबीसी मोर्चा की एक महत्वपूर्ण परिचय बैठक 29 दिसंबर को 11 बजे नालदेहरा 33 केवी सब स्टेशन टिक्कन में रखी गई है। पद्धर मंडल भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष जोगिंद्र पाल ने बताया कि पद्धर मंडल भाजपा ओबीसी मोर्चा की इस परिचय बैठक में द्रंग विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पूर्ण चंद ठाकुर मुख्य रूप से बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद विधायक पूर्ण चन्द ठाकुर चौहार घाटी में पहली बार पधार रहे हैं।

### दुर्गा माता मंदिर नरोला में कीर्तन 31 को

**अनंत ज्ञान, मंडी।** आगामी 31 दिसंबर को वर्ष 2025 की समाप्ति पर तथा 2026 नववर्ष के शुरुआत के स्वागत के शुभ अवसर पर दुर्गा माता मंदिर नरोला के प्रांगण में स्थानीय महिला मंडल कमेटी तथा मंदिर कमेटी ने संयुक्त रूप से शाम 6 बजे से 9 तक मंदिर के प्रांगण में कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी कै. जगदीश वर्मा ने दी।

### आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शुरू

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी।** बाल विकास परियोजना मंडी सदर के अंतर्गत पोषण अभियान के तहत पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज जिला परिषद के सम्मेलन कक्ष में किया गया। यह प्रशिक्षण 26 दिसंबर से आरंभ होकर तीन दिनों तक चलेगा। यह जानकारी देते हुए बाल विकास परियोजना अधिकारी मंडी सदर जितेन्द्र सैनी ने बताया कि प्रशिक्षण के प्रथम चरण में वृत्त टारना, सदर तथा तल्याहड़ क्षेत्र के अंतर्गत कार्यरत 100 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना क्षेत्र में कुल 479 आंगनबाड़ी केंद्र कार्यरत हैं, जिनमें सेवाएं दे रही सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को चरणबद्ध तरीके से 100-100 के बैच में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

### बनाल पंचायत में मिलाने के प्रस्ताव का विरोध

**अनंत ज्ञान, धर्मपुर।** कथैली गांव के लोगों ने मंगलवार को खंड विकास अधिकारी धर्मपुर के कार्यालय पहुंचकर कथैली वार्ड को ब्रांग पंचायत से हटाकर बनाल पंचायत में जोड़ने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में उनसे गलत तरीके से हस्ताक्षर लिए गए हैं, जिसे वे स्वीकार नहीं करेंगे। बीडीओ बालम राम को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि कथैली गांव का सामाजिक, भौगोलिक और प्रशासनिक जुड़ाव वर्षों से ब्रांग पंचायत के साथ रहा है और इसे बदलना जनभावनाओं के खिलाफ है। ग्रामीणों में बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं शामिल रहीं। बालम राम ने उनकी बात गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि उनकी मांग को जिला पंचायत अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन किया जाएगा।

## 'रंगों की पाठशाला' अभियान की कार्य प्रगति के बारे में डीसी ने किया स्कूलों का निरीक्षण

# बच्चों के सर्वांगीण विकास-शिक्षा गुणवत्ता पर दिया जोर

**अनंत ज्ञान, चंबा**

उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने राजकीय केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला बरौर और प्लियुर का निरीक्षण किया। 'रंगों की पाठशाला' अभियान के तहत अपने दौरे के दौरान उपायुक्त ने इन पाठशाला परिसरों की आधारभूत संरचनाओं की मुरम्मत एवं नवीकरण के साथ-साथ विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से सीखने की पद्धतियों को लागू करने बारे विस्तृत निरीक्षण किया तथा मौके पर उपस्थित विभिन्न विभागीय अधिकारियों को महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने इस दौरान विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों, बाला फीचर, स्वच्छता व्यवस्था, मध्यान्ह भोजन, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन एवं अध्यापकों से बातचीत कर शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने बारे भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

'रंगों की पाठशाला' अभियान की कार्य प्रगति के बारे में डीसी चंबा स्कूल का निरीक्षण करते हुए।

उन्होंने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों के साथ संवाद किया तथा विद्यार्थियों के शिक्षा में आउटकम का आकलन किया। उन्होंने बच्चों से प्रश्न पूछकर उनकी शैक्षणिक समझ को भी परखा। इस दौरान उपायुक्त ने राजकीय केंद्रीय माध्यमिक पाठशाला प्लियुर के विद्यालय प्रबंधन को शिक्षा में गुणवत्ता और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मुकेश रेपसवाल ने इससे पूर्व राजकीय केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला बरौर का निरीक्षण कर शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों से बातचीत की तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति सहित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से संबंधित अन्य गतिविधियों बारे जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए कि चूंकि राजकीय केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बरौर का एक ही परिसर है ऐसे में प्रतिदिन होने वाली विभिन्न गतिविधियों में सामूहिक रूप से भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को विद्यालय के संपर्क मार्ग के सुधार तथा स्कूल भवन की मुरम्मत एवं आवश्यक रखरखाव कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा बलवीर सिंह, जिला विकास अधिकारी तविंद्र चनोरिया व सहायक अभियंता जल शक्ति उपेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# चंबा के दो सगे भाइयों ने गरीबी को मात देकर जूनियर नेशनल हॉकी में बनाई जगह

**अनंत ज्ञान, चंबा**

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की उटीप पंचायत से निकलकर दो सगे भाइयों ने अपनी मेहनत, जज़्बे और आत्मविश्वास से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से संबंध रखने वाले प्रियांशु (18 वर्ष) और मोहित (17 वर्ष) का चयन तीसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैम्पियनशिप 2025 (जोन ए और बी) के लिए हुआ है, जिसका आयोजन 23 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 तक गुजरात के सूरत शहर में किया जा रहा है।

दोनों होनहार खिलाड़ियों का चयन भाई बेहलो हॉकी अकादमी, भगता की टीम से हुआ है। पिछले तीन वर्षों से लगातार हॉकी का कठिन अभ्यास कर रहे प्रियांशु और मोहित के लिए यह पहला अवसर है जब वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। सीमित संसाधनों के बावजूद दोनों भाइयों ने कभी हार नहीं मानी और अपने सपनों को जीवित रखा।

इन दोनों भाइयों की सफलता के पीछे उनके कोच साहिल का विशेष मार्गदर्शन रहा है, जिन्होंने न केवल तकनीकी प्रशिक्षण दिया बल्कि कठिन समय में उनका हौसला भी बढ़ाया। दोनों खिलाड़ी चंबा हॉकी एसोसियेशन के जनरल सेक्रेटरी एवं हॉकी वेटरन मुकेश बेदी को अपना आदर्श मानते हैं और उन्हीं से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

उटीप पंचायत के प्रियांशु व मोहित।

प्रियांशु और मोहित की यह उपलब्धि सिर्फ एक चयन नहीं, बल्कि उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो सीमित साधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। उनकी इस सफलता से गांव, पंचायत और पूरे चंबा जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने दोनों भाइयों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# सीएचसी चूड़ी में डॉक्टरों की हड़ताल 24 पंचायतों के मरीज इलाज से वंचित

**अनंत ज्ञान, चूड़ी**

भरमौर विधानसभा क्षेत्र की 24 पंचायतों के हजारों लोगों की सेहत का एकमात्र सहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चूड़ी शुक्रवार को डॉक्टरों की हड़ताल के कारण पूरी तरह ठप रहा। हालात इतने गंभीर रहे कि दूर-दराज़ पहाड़ी क्षेत्रों से आए मरीजों को बिना इलाज के ही मायूस होकर घर लौटना पड़ा। अस्पताल परिसर में दिनभर अफरा-तफरी और आक्रोश का माहौल बना रहा।

स्थानीय निवासी संजय राजपूत, अजय कुमार और विपिन ठाकुर ने तीखे शब्दों में कहा कि सीएचसी चूड़ी पहले से ही डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है। यहां वर्तमान में केवल एक ही डॉक्टर तैनात है, जिनके पास बीएमओ का अतिरिक्त कार्यभार भी है। ऐसे में उनका अस्पताल में नियमित रूप से उपलब्ध रहना लगभग असंभव हो गया है। वर्षों से इस केंद्र में डेपुटेशन के भरोसे ही स्वास्थ्य सेवाएं चलाई जा रही हैं, जिससे मरीजों की जान हर दिन जोखिम में रहती है। हड़ताल के चलते सबसे अधिक परेशानी गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर रोगियों को उठानी पड़ी। कई मरीज घंटों इंतजार के बाद इलाज न मिलने पर निराश होकर लौट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी आपात स्थिति में बड़ा हादसा हो जाए तो उसकी पूरी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की होगी।

लोगों ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द ही सीएचसी चूड़ी में स्थायी डॉक्टरों की तैनाती और स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू नहीं किया गया, तो क्षेत्रवासी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। यह केवल हड़ताल नहीं, बल्कि पहाड़ी क्षेत्र की जनता के साथ हो रही गंभीर लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है।

# गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाशोत्सव पर निकाली झांकी

**अनंत ज्ञान, चंबा।** दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाशोत्सव के अवसर पर चंबा शहर में भव्य धार्मिक झांकी का आयोजन किया गया। यह झांकी लगभग एक सौ वर्ष प्राचीन गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा जनसाली से प्रारंभ होकर पूरे शहर की परिक्रमा करते हुए गुरु अर्जुन देव गुरुद्वारा में संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों, शब्द कीर्तन और धार्मिक जयकारों के बीच गुरु महाराज का स्मरण किया। इस अवसर पर सिख समुदाय के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोग भी शामिल हुए, जिससे आपसी भाईचारे और धार्मिक सौहार्द का संदेश देखने को मिला। जिले और अन्य प्रांतों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मुख्य प्रकाशोत्सव शनिवार को मनाया जाएगा, जबकि आज दिन-रात निरंतर गुरु महाराज का पाठ चलता रहेगा। आयोजन ने चंबा में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता को मजबूती से प्रदर्शित किया।

# 5 किलो से अधिक चरस के साथ जम्मू-कश्मीर का तस्कर गिरफ्तार

**अनंत ज्ञान, चंबा**

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चंबा पुलिस को इस वर्ष की अब तक की सबसे बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस के विशेष अन्वेषण इकाई दस्ते ने नड्डुल-खैरी लिंक रोड पर गश्त के दौरान 5 किलो 128 ग्राम चरस की बड़ी खेप बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

चरस के साथ पकड़ा जम्मू-कश्मीर का तस्कर।

जानकारी के अनुसार वीरवार शाम करीब सवा सात बजे एसआईयू टीम गश्त पर थी। इसी दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति बैग लेकर पैदल खैरी की ओर जाता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबरा गया, जिससे शक गहराया। तलाशी लेने पर उसके बैग से भारी मात्रा में चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान 60 वर्षीय बिशन दास पुत्र बर्फी, निवासी गांव सांधी, डाकघर टप्पर, तहसील बनी, जिला कठुआ (जम्मू-कश्मीर) के रूप में हुई। पुलिस थाना खैरी में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने बताया कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा। उन्होंने आम जनता से अपील की कि नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस का सहयोग करें। यदि कहीं भी नशे से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत 112 पर सूचना दें, सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा

# चंबा में नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला दर्ज

**अनंत ज्ञान, चंबा।** जिला पुलिस चंबा द्वारा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 02 अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। सभी मामलों में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पहले मामले में पुलिस थाना सदर में अभियोग संख्या 301/2025 अधीनधारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। चंबा जिला के शिकायतकर्ता रूपेश कुमार ने आरोप लगाया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी का अपहरण कर लिया गया है। पुलिस द्वारा अपहृत नाबालिग की तलाश के लिए गहन अन्वेषण जारी है तथा विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

दूसरे मामले में जिला पुलिस चम्बा द्वारा अन्य एक अभियोग भी पंजीकृत किया गया है, जिसमें संबंधित धाराओं के तहत नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस अधीक्षक जिला चंबा ने बताया कि जिले में अपराध व नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम जनता से भी पुलिस को सहयोग देने की अपील की गई है। वहीं पुलिस के विशेष अन्वेषण इकाई दस्ते ने नड्डुल-खैरी लिंक रोड पर गश्त के दौरान 5 किलो 128 ग्राम चरस की बड़ी खेप बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

# मंडी जिले में 102-108 एंबुलेंस सेवाएं पूरी तरह बंद

## न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम व छुट्टियां न मिलने के विरोध में दो दिवसीय हड़ताल

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी**

न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम व निर्धारित छुट्टियां न मिलने के विरोध में सीटू से संबंधित एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर मंडी जिला के 169 एंबुलेंस कर्मचारी गत रात्रि 12 बजे से शनिवार रात तक दो दिवसीय पूर्ण हड़ताल पर रहे, जिससे जिले के 28 लोकेशनों पर तैनात 50 एंबुलेंस और बाइक सेवाएं पूरी तरह ठप हो गईं। हड़ताल में ड्राइवर और ईएमटी शामिल रहे, जिन्होंने जिला मुख्यालय मंडी में एकत्रित होकर प्रदर्शन किया तथा शहर में रैली निकालकर सरकार और कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की।

न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम व छुट्टियां न मिलने के विरोध में प्रदर्शन करते एंबुलेंस कर्मी।

प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन के जिला प्रधान सुमित कपूर ने किया, जबकि महासचिव पंकज कुमार, संतोष कुमारी, ममता शर्मा, रजनी, तिलक राज, योगेश कुमार, चमन लाल, मनोज कुमार, रजनीश, हंस राज सहित सीटू के जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह और राजेश शर्मा भी मौजूद रहे। यूनियन व सीटू पदाधिकारियों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं के तहत नेशनल हेल्थ मिशन में मेडस्वान फाउंडेशन कंपनी द्वारा वर्ष 2022 में लगभग 1300 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी, जबकि इससे पूर्व वर्ष 2010 में जीवीके कंपनी द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को छंटनी भत्ता, ग्रेच्युटी व अन्य लाभ नहीं दिए गए। कर्मचारियों का आरोप है कि उनसे 12 घंटे ड्यूटी करवाई जाती है, लेकिन ओवरटाइम का भुगतान नहीं होता और न्यूनतम वेतन भी नहीं दिया जा रहा। हिमाचल हाईकोर्ट, लेबर कोर्ट, सीजीएम कोर्ट शिमला और श्रम कार्यालय के आदेशों के बावजूद शोषण जारी है।

सीटू जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सरकारी नियमों के अनुसार वेतन, ओवरटाइम, छुट्टियां, वाहन मेंटेनेंस, इंश्योरेंस और बीमारी के दौरान पूरा वेतन नहीं दिया गया तो यूनियन अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लेने को मजबूर होगी, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व कंपनी की होगी।

### सेवाओं में बाधा डालने वालों पर होगी कार्रवाई

**कंपनी** प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि 108 व 102 आपातकालीन एंबुलेंस सेवाओं में किसी भी प्रकार की हड़ताल पूर्णतः अवैध है। ये सेवाएं ईएसएमए के अंतर्गत आवश्यक सेवाएं हैं। सेवाओं में बाधा डालने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कानूनी एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जनहित सर्वोपरि है।

# पिता के निधन के दिन ही मां ने छोड़ा साथ, दयोला में 2 मासूम बच्चे बेसहारा

**अनंत ज्ञान, चुराह**

जिला चंबा के चुराह विधानसभा क्षेत्र से एक दिल को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। दयोला पंचायत के दायोगा गांव में दो मासूम बच्चे अचानक बेसहारा हो गए हैं। दुखद पहलू यह है कि जिस दिन बच्चों के पिता का निधन हुआ, उसी दिन उनकी मां भी दोनों बच्चों को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति के साथ चली गई। एक ओर जहां पिता की मौत से बच्चों के सिर से साया उठ गया, वहीं दूसरी ओर मां के चले जाने से वे पूरी तरह अनाथ जैसे हालात में पहुंच गए हैं।

दयोला पंचायत के दायोगा गांव में अनाथ हुए दो बच्चे।

इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक और संवेदना का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इन मासूम बच्चों के भविष्य को लेकर हर कोई चिंतित है। स्थानीय निवासी ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि बच्चों की हालत बेहद दयनीय है और उन्हें तुरंत सहायता की जरूरत है। उन्होंने प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं से मांग की कि इन बच्चों को संरक्षण, शिक्षा और पालन-पोषण की उचित व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाए, ताकि उनका भविष्य अंधकारमय न हो। यह घटना न केवल मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है, बल्कि समाज और प्रशासन के सामने यह सवाल भी खड़ा करती है कि ऐसे हालात में बेसहारा बच्चों के लिए ठोस और प्रभावी व्यवस्था कितनी आवश्यक है।

अनंत Classifieds

**सूचना**

**मैं, देस राज** पुत्र प्रीतम सिंह निवासी गांव नाणा खास, तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.) घोषणा करता हूं कि मेरा जन्म दिनांक 15/05/1966 को गांव नाणा खास में हुआ है। जो कि गलती से ग्राम पंचायत नाणा खास के रिकार्ड में दर्ज नहीं है। अतः अब में अपनी जन्म तिथि ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड में दर्ज करवाना चाहता हूं। सभी संबंधित नोट करें।

सत्याग्रह की लड़ाई हमेशा दो प्रकार की होती है। एक जुल्मों के खिलाफ और दूसरी स्वयं की दुर्बलता के विरुद्ध।
- सरदार पटेल

## संपादकीय

# हिमाचल में स्वास्थ्य संकट

हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हालात गंभीर होते जा रहे हैं। रेजिडेंट डॉक्टर राघव निरुला की नौकरी बहाल करने की मांग को लेकर डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। यह हड़ताल राजधानी शिमला समेत कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में प्रभावी हो गई है। हालांकि, मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान सीएम ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया था कि डॉ. राघव की बर्खास्तगी पर पुन: जांच करवाई जाएगी, लेकिन डॉक्टर इस आश्वासन से भी संतुष्ट नहीं दिखाई दिए। अब डॉक्टरों की हड़ताल के कारण प्रदेश के लोगों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ रहा है, लेकिन यह विकल्प हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं है।

निजी अस्पतालों में इलाज महंगा है और गरीब जनता के लिए यह असंभव सा लगता है। इसके साथ ही निजी अस्पताल भी इस अवसर का राजनीतिक और आर्थिक फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं आम मरीज और उनके तीमारदार। इस पूरे घटनाक्रम में जनता ही सबसे अधिक परेशान है। सरकार इस मामले को सुलझाने की कोशिश कर रही है, लेकिन लगता है कि यह मामला पहले ही राजनीतिकरण का शिकार हो गया है। विपक्षी दल इसे गंभीर मुद्दा बना चुके हैं, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ गया है। डॉक्टरों को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए।

गलती की जांच बाद में की जा सकती है, लेकिन मरीजों की जान और सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। यह हड़ताल मौसम की कठिनाइयों के बीच हुई है। ठंड के मौसम में दूरदराज के इलाकों से लोग अस्पतालों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सरकार और डॉक्टरों दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि स्वास्थ्य सेवाओं में कोई व्यवधान न आए। वहीं दूसरी ओर 102 और 108 एंबुलेंस कर्मचारियों की 48 घंटे की हड़ताल का भी प्रदेश पर व्यापक असर देखा जा रहा है। इन हड़तालों के कारण आपातकालीन सेवाओं में भारी बाधा उत्पन्न हुई है। लोग अपनी निजी टैक्सी या अन्य माध्यमों से अस्पताल पहुंचने को मजबूर हैं। इससे न केवल आर्थिक बोझ बढ़ा है, बल्कि समय पर इलाज न मिलने का खतरा भी बना हुआ है। कुल मिलाकर हिमाचल प्रदेश इस समय स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में गंभीर संकट झेल रहा है।

प्रदेश पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ डॉक्टर हड़ताल पर हैं, वहीं दूसरी तरफ एंबुलेंस कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं। ऐसे में आम जनता की समस्याएं और बढ़ गई हैं। लोगों को इलाज के लिए न तो सरकारी अस्पताल भरोसेमंद दिखाई दे रहे हैं और न ही निजी अस्पताल सुलभ हैं। अगर यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में और भी गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। राजनीतिक दृष्टि से भी यह मामला संवेदनशील बन गया है। विपक्षी भाजपा ने हिमाचल के स्वास्थ्य संकट को अब मुद्दा बना लिया है और इसे चुनावी राजनीति में इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में सरकार को हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा।

इन दोनों मामलों को चतुराई से सुलझाना आवश्यक है, वरना विपक्षी दल इसे अपने पक्ष में भुनाने का अवसर पा सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी सरकार पहले ही गंभीर संकट में है। ऐसे में यह आवश्यक है कि वह स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में और अधिक संकटों में न फंसे। प्राथमिकता होनी चाहिए कि आम जनता को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं और अस्पतालों में चिकित्सकों की हड़ताल के कारण किसी का जीवन खतरे में न पड़े। विशेषज्ञ मानते हैं कि स्वास्थ्य सेवाएं राजनीति से ऊपर होनी चाहिए। अगर किसी डॉक्टर की गलती हुई है, तो उसकी जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन यह सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि आम जनता को उपचार में व्यवधान न आए। हिमाचल प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में पिछले वर्षों में भी कई बार मरीजों की अनदेखी और स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही की खबरें सामने आई हैं। इस बार भी यही समस्या दोबारा सामने आई है।

यह केवल एक चिकित्सक के मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी स्वास्थ्य प्रणाली के प्रशासनिक और प्रबंधकीय ढांचे पर सवाल खड़ा करता है। लोगों को उम्मीद थी कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने में गंभीर कदम उठाएगी, लेकिन डॉक्टरों और एंबुलेंस कर्मचारियों की हड़ताल ने यह उम्मीद कमजोर कर दी है। अगर सरकार ने शीघ्र कदम न उठाए तो स्थिति और विकट हो सकती है। आवश्यक है कि स्वास्थ्य विभाग और सरकार दोनों मिलकर एक ऐसी रणनीति बनाएं, जिससे डॉक्टरों की हड़ताल का समाधान निकले और साथ ही मरीजों को समय पर इलाज मिल सके। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

## आज की प्रमुख हस्ती

### परमवीर चक्र विजेता

लांस नायक अल्बर्ट एक्का भारतीय सेना के ऐसे वीर सपूत थे, जिन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान देकर देश का गौरव बढ़ाया। उन्हें उनके असाधारण पराक्रम के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान, प्रदान किया गया। वे बिहार (वर्तमान झारखंड) से परमवीर चक्र पाने वाले एकमात्र सैनिक थे।

लांस नायक अल्बर्ट एक्का
जन्म : 27 दिसंबर, 1942
मृत्यु : 3 दिसंबर, 1971

अल्बर्ट एक्का का जन्म 27 दिसंबर 1942 को झारखंड के गुमला जिले के जरी गांव में हुआ था। उनके पिता जूलियस एक्का और माता मरियम एक्का थीं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सीसी स्कूल पटराटोली से तथा माध्यमिक शिक्षा भिखमपुर मिडिल स्कूल से प्राप्त की। आदिवासी क्षेत्र में जन्मे अल्बर्ट एक्का बचपन से ही अनुशासनप्रिय, साहसी और देशसेवा की भावना से ओतप्रोत थे। सेना में जाने का उनका सपना दिसंबर 1962 में पूरा हुआ, जब वे बिहार रेजिमेंट में भर्ती हुए। बाद में वे 14 गार्ड्स में स्थानांतरित हुए। वे न केवल कुशल सैनिक थे, बल्कि अच्छे हॉकी खिलाड़ी भी थे। उनके अनुशासन और कार्यकुशलता के कारण उन्हें प्रशिक्षण के दौरान ही लांस नायक बना दिया गया।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान, पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में निर्णायक संघर्ष चल रहा था। 3 दिसंबर 1971 को युद्ध आरंभ हुआ। इसी युद्ध में लांस नायक अल्बर्ट एक्का ने दुश्मन के मजबूत ठिकानों पर अद्भुत साहस के साथ हमला कर उन्हें निष्क्रिय किया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने पीछे हटने से इनकार किया और अंतत: वीरगति को प्राप्त हुए। उनका बलिदान भारतीय सैन्य इतिहास में साहस, कर्तव्य और देशभक्ति की अमर मिसाल है। लांस नायक अल्बर्ट एक्का का नाम सदैव राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्त्रोत बना रहेगा। ■

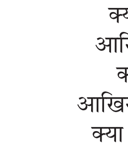

कविता

## नारी की पीड़ा

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

डॉ.राजीव डोगरा, हिंदी अध्यापक
गांव जनयानकड़, कांगड़ा (हि.प्र.)

आखिर मैं ही क्यों दबी कुचली रहूं इस समाज में
क्या मेरा कोई अस्तित्व नहीं?
आखिर मैं ही क्यों अपनी पीड़ा को अंतर मन में रखूं
क्या मेरी संवेदनाओं का कोई वजूद नहीं?
आखिर मैं ही क्यों कुंठित व्यक्तित्व झेलूं लोगों का
क्या मेरी भावनाओं का कोई मूल्य नहीं?
आखिर मैं ही क्यों जिऊं और लोगों के लिए
क्या मेरे जीवन की कोई 'हस्ती' नहीं?
आखिर मैं ही क्यों दिन-रात उत्पीड़ना सहन करूं
क्या मुझे स्वयं खुश रहने का अधिकार नहीं?

**पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।**

# हिमाचल के अस्पताल: पेशेवर जिम्मेदारी बनाम मरीजों की सुरक्षा

सुक्खू सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के दावे करती रही है, लेकिन हिमाचल के नामी अस्पतालों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही घटनाएं तस्वीर कुछ और ही पेश कर रही हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि कई जगह मरीजों की देखभाल प्रशिक्षु डॉक्टर ही कर रहे हैं। आपातकालीन मरीजों को समय पर इलाज न मिलने से उनकी जान जोखिम में पड़ रही है। चिकित्सकों की लापरवाही के कई मामले स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल चुके हैं।

सुखदेव सिंह
नूरपुर, जिला कांगड़ा

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

राजधानी शिमला स्थित आईजीएमसी अस्पताल में एक मरीज के साथ डॉक्टर द्वारा की गई मारपीट निंदनीय है। ऑक्सीजन पर मरीज को डॉक्टरों के झुंड ने मिलकर पीटा, जो सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो बन गया। डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है, और मरीज अस्पताल उपचार के लिए आते हैं। मरीज पर जानलेवा हमला करना कतई स्वीकार्य नहीं है।

मामला और गंभीर तब हुआ जब मरीज का केवल इतना कसूर था कि वह किसी अन्य बिस्तर पर आराम करने के लिए सो गया था। पेशेवर डॉक्टर में संयम और मरीज को समझाने की कला होनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग ने इस डॉक्टर को सस्पेंड कर मामला शांत करने का प्रयास किया है। इसके साथ ही, जिन्होंने मरीज को पीटने में मदद की, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। माना गया कि मरीज ने डॉक्टर के साथ बदतमीजी की, लेकिन डॉक्टर की हिंसा सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रही है। मरीज के परिजन डॉक्टर को सेवामुक्त करने की मांग पर अड़े हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने घटना पर खेद व्यक्त किया और कहा कि इस तरह का व्यवहार किसी डॉक्टर से उम्मीद नहीं की जा सकती।

सरकार के खिलाफ मुद्दा बनाने वाले ऐसे डॉक्टरों को प्रदेश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। टांडा अस्पताल में एक मरीज इलाज के लिए घंटों तड़पता रहा, लेकिन कोई चिकित्सक मदद के लिए आगे नहीं आया।

यह अस्पताल अक्सर मरीजों की उपेक्षा और कोताही के कारण सुर्खियों में रहता है। हाल ही में जिंदा इंसान को मृत घोषित करने का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था। अस्पताल प्रिंसिपल ने व्यवस्थाओं में सुधार करने की बजाय मरीज के तीमारदारों पर आरोप लगाया। क्षेत्रीय अस्पतालों में स्टाफ अधिकतर नेताओं के सगे संबंधियों या परिचितों को तैनात किया गया है। स्टाफ की कमी के कारण कुछ चिकित्सक लंबी ड्यूटी करने के लिए बाध्य हैं। वहीं, कुछ

माननीय अपने निजी अस्पतालों में काम कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी अस्पतालों की स्थिति में सुधार की संभावना कम है। टांडा अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू की गई है, लेकिन बिजली गुल होने पर कोई विकल्प नहीं है। एक्स-रे मशीन अक्सर खराब रहती है और पर्ची बनवाने के लिए लोगों को घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं दिवालिया स्थिति में हैं।

अधिकांश सिविल अस्पताल सिर्फ रेफरल यूनिट बनकर रह गए हैं। क्षेत्रीय अस्पताल मरीजों को टांडा अस्पताल भेजते हैं, और टांडा अस्पताल स्टाफ पीजीआई चंडीगढ़ या आईजीएमसी शिमला को रेफर कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। माननीय अपने इलाज के लिए बाहरी राज्यों के अस्पतालों पर निर्भर हैं। आम जनता को निजी अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। सरकार ने हिम केयर कार्ड शुरू किया है, लेकिन फिलहाल यह सरकारी अस्पतालों में प्रभावी नहीं है। आयुष्मान कार्ड की लंबित देनदारियों के कारण जनता स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। बदलते सामाजिक परिवेश के कारण लोगों के खान-पान में असंतुलन बढ़ा है। स्वास्थ्य रूपी धन पाने के लिए जनता अस्पतालों की लंबी कतारों में खड़ी होती है और गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो जाती है। गलत खान-पान और नकली दवाओं के कारण स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा है। आईजीएमसी पर अधिकांश जनता निर्भर है। डॉक्टर द्वारा मरीज को पीटने की घटना ने स्वास्थ्य तंत्र की जिम्मेदारियों को शर्मसार कर दिया है। वायरल वीडियो ने हिमाचल प्रदेश की छवि को देश-विदेश में धूमिल कर दिया। डॉक्टर ने मीडिया के सामने अपने पक्ष में दावा किया, लेकिन पेशा किसी भी हालत में मरीज को पीटने की अनुमति नहीं देता।

टांडा और अन्य अस्पतालों में स्टाफ की कमी, संसाधनों की कमी और लंबी ड्यूटी की समस्याएं गहराई से बनी हुई हैं। निजी अस्पताल लाभ कमाने तक सीमित हैं, जबकि आम नागरिक महंगे इलाज के लिए मजबूर हैं। डाइबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, माइग्रेन, कोलेस्ट्रॉल और तनाव जैसी बीमारियां आम जनता को परेशान कर रही हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही और आधुनिक जीवनशैली ने जनता को लगातार बीमारियों के दौर में खड़ा कर दिया है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान हालात यह दिखाते हैं कि जनता को अपने स्वास्थ्य का ख्याल स्वयं रखना होगा। डॉक्टरों की पेशेवर जिम्मेदारी, अस्पतालों का सुचारू संचालन और सरकार की नीतियां सभी मिलकर ही जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित कर सकती हैं। आईजीएमसी विवाद ने इस बात को उजागर कर दिया है कि हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य तंत्र में सुधार की जरूरत कितनी जरूरी और तत्काल है।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

# आदिवासी महिलाओं की बढ़ती भागीदारी परिवर्तन की अग्रणी शक्ति

भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध जीवन-पद्धतियों के लिए विश्वभर में विख्यात है। इसमें अनुसूचित जनजातियों की आबादी 10.45 करोड़ से अधिक है, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 8.6 प्रतिशत बनाती है।

सावित्री ठाकुर
केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

यह आंकड़ा केवल जनसंख्या का प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की जीवंत, प्राचीन और बहुविध सांस्कृतिक धरोहर का परिचायक है। आदिवासी समाज न केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षक रहे हैं, बल्कि अपनी भाषा, परंपराएं और मौलिक ज्ञान प्रणालियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की पहचान को सुदृढ़ करते रहे हैं। फिर भी, लंबे समय तक आदिवासी समाज मुख्यधारा के विकास से दूर रहा। विशेषकर महिलाओं के नेतृत्व, कौशल और सामुदायिक योगदान को वह मान्यता नहीं मिली, जिसकी वे वास्तविक हकदार थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने प्रतीकात्मक पहल से आगे बढ़कर लक्ष्य आधारित सशक्तिकरण की नीति अपनाई है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिवासी समुदाय, विशेषकर महिलाएँ, विकास की प्रक्रिया में पीछे न रहें। बजट आवंटन इसका स्पष्ट उदाहरण है। 2025-26 में आदिवासी विकास के लिए 14,925.81 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 45.79% अधिक है। 2014-15 के 4,497.96 करोड़ के बजट से यह वृद्धि 231.83% तक पहुंच चुकी है।

आदिवासी महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए विशेष ऋण प्रदान करना, शिक्षा के अवसर सृजित करना और स्वास्थ्य, पोषण व आजीविका योजनाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाना इन पहलों का हिस्सा है। आदिवासी महिलाएं जल, जंगल और जमीन से जुड़ी पारंपरिक जीवन व्यवस्थाओं की संरक्षक रही हैं। आज यह

भूमिका केवल पारिवारिक और सामुदायिक स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि नीति निर्माण और प्रशासनिक नेतृत्व तक विस्तारित हो गई है। इसका प्रतीक है भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पद। सरकार ने आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है। आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना के तहत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम महिलाओं को 2 लाख तक रुपए का ऋण मात्र 4% ब्याज दर पर उपलब्ध करा रहा है, जिससे वे कृषि, हस्तशिल्प, पशुपालन और सेवा क्षेत्रों में उद्यमशीलता विकसित कर रही हैं। पीवीटीजी समुदायों के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश के 75 जनजातीय इलाकों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचा रहा है। इस अभियान के तहत आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सड़क संपर्क और सतत आजीविका के क्षेत्रों में समग्र सुधार हो रहा है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूह आदिवासी महिलाओं को वित्तीय निर्णय, सामूहिक उत्पादन और विपणन में सशक्त बना रहे हैं। आंगनवाड़ी और पोषण अभियान गर्भवती महिलाओं और माताओं के स्वास्थ्य को सुधारने में प्रभावी हैं।

पेसा अधिनियम (1996) पंचायत और ग्राम सभा में महिला भागीदारी सुनिश्चित करता है। आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 20 लाख से अधिक परिवर्तनकारी प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया है, जिससे स्थानीय नेतृत्व और सहभागी शासन प्रणाली मजबूत हो रही है। वर्ष 2024 में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 63,000 से अधिक जनजातीय गांवों में 79,000 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें महिलाओं की नेतृत्व भूमिका को सुदृढ़ किया गया है। आदिवासी महिलाओं की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि वे केवल सहभागी नहीं, बल्कि परिवर्तन की अग्रणी शक्ति बन रही हैं।

**( ये लेखिका के निजी विचार हैं )**

# भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सौ वर्ष का सफर-'शून्य से शून्य तक'

भारत में कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना को एक सौ वर्ष पूरे हो चुके हैं। 26 दिसंबर 1925 को कानपुर में स्थापना से लेकर आज तक का यह सफर केवल एक राजनीतिक दल की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज, अर्थव्यवस्था और राजनीति में आए उतार-चढ़ावों का भी दर्पण है। विडंबना यह है कि सौ वर्षों बाद कम्युनिस्ट आंदोलन फिर उसी बिंदु के आसपास खड़ा दिखाई देता है, जहां से उसने शुरुआत की थी-सीमित जनाधार, सीमित राजनीतिक प्रभाव और वैचारिक असमंजस।

हरिराम धीमान
नालागढ़, जिला सोलन

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

इसीलिए यह कहा जाने लगा है कि यह यात्रा 'शून्य से शून्य' तक की रही है। कम्युनिस्ट विचारधारा का भारत में प्रवेश औपनिवेशिक दौर में हुआ। रूस की 1917 की क्रांति ने दुनियाभर के शोषित वर्गों को प्रेरित किया और भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। प्रारंभिक वर्षों में भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन का स्वरूप भूमिगत, वैचारिक और बौद्धिक अधिक था। अंग्रेजी शासन के दमन, प्रतिबंधों और जेलों ने इस आंदोलन को और भी कठोर बनाया।

उस समय कम्युनिस्ट पार्टी ने स्वयं को श्रमिकों, किसानों और मेहनतकश वर्ग के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत किया, लेकिन यह आंदोलन लोगों में गहराई से उतरने से पहले ही आंतरिक मतभेदों और बाहरी दबावों से जूझने लगा। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कम्युनिस्ट पार्टी का रुख हमेशा स्पष्ट नहीं रहा। कभी उसने कांग्रेस के साथ सहयोग किया, तो कभी उसे 'बुर्जुआ पार्टी' कहकर विरोध किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के समय सोवियत संघ की नीतियों के प्रभाव में लिया गया रुख पार्टी को जनता से दूर ले गया। स्वतंत्रता के बाद भी पार्टी एक स्पष्ट राष्ट्रीय दृष्टि विकसित करने में असफल रही। 1950 के दशक में तेलंगाना जैसे किसान आंदोलनों और केरल में पहली

बार लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई कम्युनिस्ट सरकार ने उम्मीद जगाई कि पार्टी राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। 1960 और 70 के दशक कम्युनिस्ट आंदोलन के लिए निर्णायक रहे। वैचारिक मतभेदों ने पार्टी को विभाजित किया और सीपीआई तथा सीपीआई (एम) जैसी धाराएं उभर आईं। चीन-सोवियत मतभेदों का सीधा असर भारतीय कम्युनिस्टों पर पड़ा। एक ओर संसदीय राजनीति में विश्वास रखने वाले थे, तो दूसरी ओर सशस्त्र क्रांति के समर्थक। नक्सल आंदोलन इसी असंतोष की उपज था। इन विभाजनों ने पार्टी की ऊर्जा को जनता के संघर्ष से हटाकर आपसी वैचारिक लड़ाइयों में झोंक दिया।

इसके बावजूद, पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा जैसे राज्यों में कम्युनिस्टों ने लंबे समय तक सत्ता संभाली। विशेषकर पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों का वाम शासन एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। भूमि सुधार, पंचायती राज और श्रमिक अधिकारों के क्षेत्र में किए गए कार्यों ने कम्युनिस्ट पार्टी को मजबूत आधार दिया, लेकिन सत्ता में लंबे समय तक रहने की आदत, नौकरशाही से गठजोड़, कैडर में जड़ता और नई पीढ़ी से संवाद की कमी ने इसे भीतर से कमजोर कर दिया। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के दौर में पार्टी सबसे अधिक असहज दिखी। जिस आर्थिक मॉडल के खिलाफ वे दशकों तक संघर्ष करती रहीं, वही मॉडल देश ने अपनाया और एक बड़ा मध्यम वर्ग उभरा। कम्युनिस्ट पार्टियां इस नए सामाजिक-आर्थिक यथार्थ को समझने में विफल रहीं और पुराने नारों और शब्दावली में उलझी रहीं, जबकि राजनीति का केंद्र पहचान, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक सवालों की ओर खिसक गया।

2010 के बाद पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और राष्ट्रीय राजनीति में उनकी कमजोरी साफ नजर आई। संसद में सीटें घटीं और कई राज्यों में पार्टी केवल प्रतीकात्मक बनी। सौ वर्षों के इतिहास के साथ यह स्पष्ट हो गया कि विचारधारा तब तक जीवित रहती है, जब तक वह समाज के बदलते यथार्थ से संवाद करती रहे। कम्युनिस्ट आंदोलन को भविष्य में प्रासंगिक बने रहने के लिए अपने अतीत से सीख लेना अनिवार्य है।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

# पर्यावरण सुरक्षा में अत्यंत सहायक अरावली पर्वत शृंखला

अरावली पर्वतमाला दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान राज्यों में 700 किमी से अधिक लंबाई में फैला हुआ क्षेत्र जलवायु अवरोधक में उपयोगी है। रेगिस्तान के विस्तार को रोकता है। प्राकृतिक जल प्रबंधन, वायु प्रदूषण को नियंत्रन करने वाली प्राचीनतम पर्वतमाला चारो राज्यों के 37 जिलों में फैली है। अकेले राजस्थान राज्य के 19 जिलों में कुल क्षेत्रफल की लंबाई में 50% हिस्सा है।

योगिन्द्र पाल वालिया
डडौर (नेरचौक) जिला मंडी

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

पहाड़ियों की ऊंचाई अत्यधिक नहीं है। माउंट आबू (गुरु शिखर) क्षेत्र की ऊंचाई 1700 मीटर से अधिक है, उसके बाद उदयपुर और शिकर क्षेत्र आते हैं। अरावली की पहाड़ियों में खनिज सामग्री भारी मात्रा में उपलब्ध है। सरकारों को राजस्व मिलता है, खनिज सामग्री की जरूरते पूरी होती है, लेकिन अरावली में वनों की कटाई, खनन से प्रदूषण, जल व भूमि असंतुलन समस्याएं साथ में उत्पन हो रही है, जो पर्यावरण के लिए खतरा मानी जाती है। हाल ही में उच्चतम न्यायलय द्वारा अरावली पहाड़ियों को नए ढंग से परिभाषित किया, जिसका विरोध शुरू हो गया है। न्यायलय अनुसार 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई स्थान को पहाड़ी भूमि माना जाएगा।

दो या ज्यादा पहाड़ियों के मध्य स्थान की दूरी 500 मीटर लंबाई में है और ऊंचाई कम है, वह क्षेत्र भी पहाड़ी परिभाषा में आएगा। 100 मीटर ऊंचाई पहाड़ियों की ढलानों को भी पहाड़ी माना है,लेकिन 100 मीटर से कम भूमि क्षेत्र को पहाड़ी भूमि नहीं माना है। न्यायालय के सुझाव अनुसार नए खनन को अनुमति न दी जाए, परंतु पहले से चल रहे खनन कार्य चलते रहेंगे।

क्षेत्र की मैपिंग करने के साथ स्थान चिन्हित कर 'खनन क्षेत्र नहीं' के सूचना बोर्ड लगाए जाए। सस्टेनबल माइनिंग मैनेजमेंट प्लान तैयार कर चारों राज्यों में एक समान नियमों को लागू किया जाए। न्यायालय के निर्णय व सुझावों के उपरांत अरावली बचाओ भविष्य बचाओ जैसे आंदोलन शुरू हो गए

हैं। बताया जा रहा है कि न्यायालय की नई परिभाषा अनुसार 90% क्षेत्र कानूनी सुरक्षा से बाहर हो जाएगा। अतिक्रमण और अवैध खनन को बढ़ावा मिलेगा। बहस के साथ चिंताएं व्यक्त की जा रही है। पुरानी व्यवस्था के अनुसार समस्त अरावली पहाड़ियां सुरक्षित क्षेत्र था। नई परिभाषा के तहत जंगल का हिस्सा कागजों में दर्ज नहीं रहेगा और 100 मीटर से छोटी ऊंचाई क्षेत्र अपना सरंक्षण खोकर सुरक्षा कवच से बाहर आ जाएगा। झाड़ियों व हल्के पेड़ों से ढकी निचली पहाड़ी भूमि आजीविका को सहारा और भूजल को रिचार्ज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अरावली पर्वतमाला 1-47000 वर्ग किम. में फैला हुआ क्षेत्र है, जिसमें 2% हिस्सा खदानों की मंजूरी को दी जाती है।

गौर से देखा जाए तो विरोध के स्वर उचित हैं। पर्यावरण दृष्टि से निचले क्षेत्र की जीवन रक्षक अरावली पहाड़ियां वायु प्रदूषण रोकने में सहायक है, इन पहाड़ियों के सरंक्षण को नजरअंदाज करना जोखिम उठाने जैसा है। विकास के साथ वायु प्रदूषण दोनों को संतुलित महत्व देना समय की मांग है, जिसे अनदेखा करना, भविष्य से खिलवाड़ होगा। पर्यावरण सुरक्षित रखना, सरकार व मानव समाज दोनों की संयुक्त जिम्मेदारी है। इसीलिए स्थानीय लोगों की भावनाओं व धरातल की परिस्थिति अनुसार निर्णय होने चाहिए। पर्यावरण कार्यकर्ताओं की आवाज को राजनीतिक दृष्टि से न देखकर पहाड़ियों के संरक्षण को महत्व देने की जरूरत है। वैसे तो अरावली ग्रीन वॉल परियोजना, वैज्ञानिक प्रबंधन योजना, भू जल संरक्षण आदि कार्य पहले से संचालित है। दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदर्शन से शिक्षा लेनी होगी।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

**अनंत ज्ञान**

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

# अवैध मछली आखेट पर 3000 रुपए का जुर्माना वसूला : नीतू

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी**

**कहा- अवैध आखेट पर जारी रहेगी सख्त कार्रवाई**

मत्स्य विभाग मत्स्य मंडल मंडी द्वारा जिले में अवैध मछली आखेट एवं अवैध बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सघन निरीक्षण और कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विभिन्न क्षेत्रों में गश्त के दौरान अवैध मछली शिकार के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों पर जुर्माना लगाया गया।

सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह ने बताया कि 25 दिसंबर को मत्स्य अधिकारी मछयाल मुकेश कुमार तथा विभागीय कर्मचारियों की टीम द्वारा रिसा खड्ड सरकाघाट व सोन खड्ड तथा ब्यास नदी के धर्मपुर क्षेत्र में निरीक्षण एवं गश्त की गई। इस दौरान सोन खड्ड और ब्यास नदी में अवैध मछली आखेट के मामले सामने आए, जिन पर मौके पर ही कार्रवाई करते हुए कुल 3000 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध मछली शिकार एवं बिक्री से संबंधित किसी भी प्रकार का मामला सामने आने पर मत्स्य अधिनियम, 1976 तथा मत्स्य नियमावली, 2020 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जा रही है और आगे भी यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

सहायक निदेशक मत्स्य ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध मछली आखेट या बिक्री की जानकारी प्राप्त हो तो इसकी सूचना तुरंत मत्स्य विभाग को दें और स्वयं भी इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहें।

# खड्ड में गिरने से बची एचआरटीसी बस

## चालक की सूझबूझ से मसोत खड्ड पुल पर टला बस हादसा, सभी यात्री सुरक्षित

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट**

चालक की सूझबूझ से चतरोन में बस हादसा टला, नाली में फंसी बस।

चतरोन क्षेत्र के मसोत खड्ड पुल के पास हिमाचल परिवहन निगम (एचआरटीसी) की एक बस शुक्रवार दोपहर बाद करीब 2 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह बस धर्मपुर से संधोल की ओर जा रही थी। हादसा उस समय हुआ जब बस पुल पर चढ़ रही थी और अचानक बंद हो गई। इंजन फेल होते ही बस पीछे की ओर लुढ़कने लगी और संतुलन बिगड़ने से बस के एक तरफ के पिछले टायर सड़क से बाहर निकल गए। कुछ ही पलों में स्थिति बेहद भयावह हो गई और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

बस में उस समय करीब 10 से 12 यात्री सवार थे। सभी यात्रियों की सांसें उस वक्त थम गईं जब बस अनियंत्रित होकर खड्डु की ओर झुकने लगी। हालांकि चालक की सूझबूझ और बहादुरी के चलते बस को किसी तरह नियंत्रित कर लिया गया और वह गहरी खड्डु में गिरने से बच गई। यदि कुछ सेकेंड की भी देरी होती, तो यह हादसा एक बड़े जानलेवा हादसे में बदल सकता था। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी भी यात्री या चालक को कोई चोट नहीं आई और न ही किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर है। बाद में दूसरी बस की मदद से दुर्घटनाग्रस्त बस को सुरक्षित रूप से सड़क पर वापस लाया गया और यातायात बहाल किया गया। लोगों का आरोप है कि परिवहन निगम की लापरवाही अब यात्रियों की जिंदगी से खुला खिलवाड़ बन चुकी है। सवाल यह है कि जब हादसे पहले से संकेत दे रहे हैं, तो प्रशासन और निगम कब जागेगा? आज भले ही चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया हो, लेकिन अगर समय रहते जर्जर बसों को सड़क से नहीं हटाया गया, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा टल पाना मुश्किल होगा।

### खराब हालत में सड़कों पर दौड़ रही कई बसें

**क्षेत्रवासियों** का कहना है कि धर्मपुर डिपो की कई बसें बेहद खराब हालत में सड़कों पर दौड़ रही हैं। पुरानी और जर्जर बसों की समय पर मरम्मत नहीं की जाती, न ही उनकी नियमित तकनीकी जांच होती है। यही वजह है कि आए दिन एचआरटीसी की बसें कहीं न कहीं खराब हो जाती हैं और यात्रियों की जान जोखिम में पड़ जाती है।

### दूसरी बस की मदद से स्थिति को संभाला

**इस** मामले पर क्षेत्रीय प्रबंधक धर्मपुर अनिल शर्मा ने कहा कि 'कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई है। बस का पिछला एक टायर सड़क से बाहर चला गया था, लेकिन तुरंत दूसरी बस की सहायता से स्थिति को संभाल लिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। '

# जोगिंद्रनगर अस्पताल की ओपीडी में लटके ताले, मरीज मायूस होकर लौटे

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर**

**डॉक्टरों की हड़ताल के चलते मरीजों को परेशानी**

जोगिंद्रनगर सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल का सीधा असर देखने को मिला। अस्पताल की सभी ओपीडी पर ताले लटके रहे, जिससे इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अस्पताल में केवल एक डॉक्टर द्वारा इमरजेंसी सेवाएं दी गईं, जिसके चलते सिर्फ गंभीर मरीजों को ही उपचार मिल सका, जबकि अन्य मरीज बिना इलाज के ही लौटने को मजबूर हुए। सुबह से ही अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके परिजनों की भीड़ लगी रही, लेकिन ओपीडी बंद होने की जानकारी मिलने पर लोगों में निराशा फैल गई। कई मरीज दूरदराज के क्षेत्रों से इलाज के लिए पहुंचे थे, जिन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा।

बताया जा रहा है कि आईजीएमसी शिमला में डॉक्टर और मरीज के बीच हुए विवाद के विरोध में प्रदेशभर के डॉक्टरों ने शुक्रवार को हड़ताल का आह्वान किया था। इसके साथ ही 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं से जुड़े कर्मचारी भी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 48 घंटे की हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। ओपीडी बंद रहने का सीधा असर अस्पताल के आसपास स्थित दवा विक्रेताओं पर भी देखने को मिला। मरीजों की संख्या कम होने से मेडिकल स्टोरों में बिक्री न के बराबर रही। दवा विक्रेताओं का कहना है कि आमतौर पर ओपीडी के दिनों में मरीजों की पर्चियों पर दवाइयों की अच्छी बिक्री होती है, लेकिन हड़ताल के चलते पूरा दिन लगभग सुना ही रहा, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले से ही सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं से जूझ रहे जोगिंद्रनगर क्षेत्र में इस तरह की हड़ताल ने आम जनता को परेशानी भी कई गुना बढ़ा दी है। लोगों ने सरकार से जल्द समाधान निकालने और स्वास्थ्य सेवाओं को शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

## न्यूज ब्रीफ

### बैठक में दिवंगत सदस्यों को दी श्रद्धांजलि

**अनंत ज्ञान, सुंदरनगर।** सुंदरनगर पॉलिटेक्निक स्टूडेंट्स एलुमनाई एसोसिएशन (एसपीएसएए) की 30वीं कार्यकारिणी बैठक राजकीय पॉलिटेक्निक सुंदरनगर में अध्यक्ष अभियंता एनके प्रार्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में दिवंगत अभियंता एमआर वर्मा, वास्तुकार इसरार मोहम्मद एवं अभियंता विनीत सहनी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा अम्बा प्रसाद रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट को नेत्र अस्पताल स्थापना के उद्देश्य से 2 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। बैठक में सेराज क्षेत्र में आई बाढ़ से प्रभावित अभियंता कौशल कुमार तथा दिवंगत अभियंता विनीत सहनी के परिवार को आर्थिक सहायता देने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में अभियंता होशियार जम्वाल, अभियंता बीबी कौशल, वास्तुकार शशि गौतम, अभियंता नरेश, जावेद अंजुम, भंडारी शर्मा, नरेंद्र ठाकुर, राजेंद्र शर्मा, राजेश, हार्मिक जॉनी, कुसुम, ऋषभ शर्मा व उत्कर्ष खत्री उपस्थित रहे।

### गणतंत्र दिवस पर नशे के खिलाफ होगा पैदल मार्च

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट।** नशा मुक्ति अभियान समिति धर्मपुर ने चिट्टे के खिलाफ जनआंदोलन को और मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर कार्ययोजना तैयार की है। समिति के खंड अध्यक्ष भूपिंद्र भूप्पी ने बताया कि धर्मपुर, बरोटी, मंडप, सजाओ, चोलथरा और टिहरा क्षेत्रों में कमेटियों की बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। 1 से 15 जनवरी तक सभी ग्राम पंचायतों में नशा मुक्ति समितियों का गठन किया जाएगा। सजाओपीपलु, चोलथरा और टिहरा की 20 पंचायतों में 4 से 10 जनवरी तक महिला सम्मेलन होंगे। 13 व 14 जनवरी को लोहड़ी मेले के दौरान अंबेडकर भवन सजाओपीपलु में युवा सम्मेलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूर्व सैनिक लीग के सहयोग से 26 जनवरी को टिहरा में नशे के खिलाफ पैदल मार्च, शहीद स्मारक पर ध्वजारोहण व शपथ कार्यक्रम होगा।

### 'पोषण भी, पढ़ाई भी' प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर।** उपमंडल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने और बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए तीन दिवसीय 'पोषण भी, पढ़ाई भी' प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला 26 से 29 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ बाल विकास परियोजना अधिकारी चौंतड़ा बालम राम वर्मा ने किया। बालम राम वर्मा ने बताया कि यह पहल प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर संतोष कुमारी, पर्यवेक्षक रीना देवी और राहुल ठाकुर ने शिक्षण पद्धतियों पर मार्गदर्शन दिया। उपमंडल जोगिंद्रनगर की कुल 70 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इस प्रशिक्षण में भाग ले रही हैं, जिससे उनके कौशल और बच्चों के लिए सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

### ठंड का बढ़ता प्रकोप, अलाव बना सहारा

**अनंत ज्ञान, महादेव।** नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत धनोटू-महादेव संपर्क मार्ग सहित आसपास के ऊंचाई व निचले इलाकों में शुष्क ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को ठंड से बचाव के लिए व्यापारी, राहगीर और स्थानीय लोग दिनभर जगह-जगह अलाव जलाकर आग सेंकते नजर आए। बीते कुछ दिनों से धुंध छाए रहने और रात के समय आसमान में घने बादल रहने के कारण ठंड में और इजाफा हुआ है। ठंड बढ़ने से बाजारों में चहल-पहल अपेक्षाकृत कम रही और लोग ईंधन के लिए लकड़ी का भंडारण करते दिखे। किसान वर्ग भले ही बारिश की उम्मीद लगाए बैठा है, लेकिन शुष्क ठंड से बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। सर्द मौसम के चलते लोग गर्म कपड़ों का अधिक प्रयोग कर रहे हैं, वहीं ऊनी व फैशनेबल परिधानों की मांग भी बढ़ी है। धनोटू जंक्शन जैसे प्रमुख स्थानों पर लोग समूह बनाकर अलाव तापते दिखे, जहां कुत्तों के छोटे बच्चे भी आग के पास बैठे नजर आए, जो मानव-पशु प्रेम और दयाभाव को दर्शाता है।

### संत राम अध्यक्ष और तेजा राम बने उपाध्यक्ष

**अनंत ज्ञान, बालीचौकी।** दी मारकंडा नारायण बहुउद्देशीय सहकारी सभा समिति के चुनाव में सर्वसम्मति से संत राम को अध्यक्ष, तेजा राम को उपाध्यक्ष, भूमे राम को कोषाध्यक्ष और कार्यकरणी सदस्य चमनलाल, अभिराम व वेद राम व लीलामणी को चुना गया। इस मौके पर संतराम ने कहा है कि उनका लक्ष्य एक आदर्श और बेहतर सहकारी सभा का निर्माण और सभा क्षेत्र के कार्य को बढ़ाना तथा रोजगार के नए अवसर पैदा करना व समाज के कमजोर वर्ग और किसानों को सशक्त करना है।

### संतुलित आहार व 'तिरंगा भोजन' पर जोर

**कविता, अनंत ज्ञान, पधर।** बाल विकास परियोजना द्रंग के सौजन्य से पधर के संयुक्त सचिवालय सभागार में आयोजित तीन दिवसीय 'पोषण भी पढ़ाई भी' कार्यशाला के दूसरे दिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के समग्र विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय बदरेल ने पोषण सत्र को संबोधित करते हुए संतुलित आहार, स्वच्छता और समयबद्ध निगरानी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास पौष्टिक आहार पर निर्भर करता है। कार्यशाला में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए 'तिरंगा भोजन' की अवधारणा समझाई गई, जिसमें विभिन्न रंगों के फल और सब्जियों को शामिल करने पर जोर दिया गया। इस दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी कुंदन हाजरी और पोषण समन्वयक सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

### बैंकिंग व डिजिटल योजनाओं की जानकारी दी

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर।** हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक, जोगिंद्रनगर ने नाबार्ड की सहायता से पंचायत गलू के बनाड़ गांव में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया। शिविर की अध्यक्षता बैंक प्रबंधक प्यार चंद ठाकुर ने की। लगभग 50 ग्रामीणों ने इसमें भाग लिया और बैंकिंग तथा वित्तीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रबंधक ठाकुर ने नाबार्ड की विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वरोजगार ऋण सुविधाओं और सरकारी बैंकिंग योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और ग्रामीणों से इसका लाभ उठाने का आह्वान किया। बैंक के कर्मचारी जय देव ने डिजिटल बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, यूपीआई, ऑनलाइन लेनदेन और साइबर सुरक्षा के उपायों पर भी मार्गदर्शन दिया। शिविर के अंत में ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें सेवाओं को सरल व सुरक्षित तरीके से अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

# बिंगा के गणस्वाई गांव के एसआई देवेंद्र कुमार शर्मा पंचतत्व में विलीन

बिंगा के गणस्वाई गांव के एसआई देवेंद्र कुमार शर्मा पंचतत्व में विलीन।

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट**

धर्मपुर उपमंडल की ग्राम पंचायत बिंगा के गांव गणस्वाई निवासी देवेंद्र कुमार शर्मा का पिछले कल रामपुर में ड्यूटी के दौरान अचानक निधन हो गया था। शुक्रवार सुबह इनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव लाया गया। उसके बाद उनके पैतृक श्मशानघाट लघु हरिद्वार कांडापतन में पूरे राजकीय सम्मान के साथ संस्कार किया गया। इस दौरान बेटे श्रुति पाल व कमलेश पुजारी ने पिता को मुखाग्नि दी।

गौरतलब है की दविंद्र कुमार शर्मा आइटीबीपी में वर्तमान समय में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। वह 1988 में भर्ती हुए थे, वहीं पर बीके भारती सहायक सैनानी के नेतृत्व में 43 वाहिनी शालाबाग रामपुर के जवानों की टुकड़ी ने उन्हें सलामी दी। वहीं धर्मपुर प्रशासन की ओर से भी पुलिस जवान मौजूद रहे।

देवेंद्र शर्मा अपने पीछे पत्नी व दो बेटे छोड़ गए। उनके निधन पर पूर्व मंत्री ठाकुर महेंद्र सिंह, प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी के सदस्यों रजत ठाकुर, पंचायत प्रधान तंबो देवी, मास्टर नत्थूराम ठाकुर, केशव विद्यासागर, रामनाथ ठाकुर, राजमल ठाकुर, प्रताप सिंह, हरिचंद, हंसराज, संजय कुमार, बलवंत सिंह, विजय ठाकुर, कुलदीप सिंह ठाकुर, ज्ञानचंद ठाकुर आदि ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

# वैश्विक पहचान के लिए मंडी कलम संरक्षण जरूरी: अपूर्व

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी।** उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने कहा कि मंडी कलम को संरक्षण और संरक्षक दोनों की आवश्यकता है, तभी यह कला न केवल जीवित रह पाएगी बल्कि विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना सकेगी। उन्होंने कहा कि कलाकारों को प्रोत्साहन देना अत्यंत आवश्यक है, लेकिन कला के संरक्षण में कलाकारों की स्वयं की रुचि और सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उपायुक्त भाषा एवं संस्कृति विभाग हिमाचल प्रदेश, जिला मंडी द्वारा आयोजित मंडी कलम (पहाड़ी लघु चित्रकला शैली) की पांच दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में बोल रहे थे। इस कार्यशाला में आगामी पांच दिनों तक महाविद्यालय के विद्यार्थी मण्डी कलम की बारीकियां सीखेंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह, कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ. संजीव, जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी, चित्रकार एवं शोधकर्ता राजेश, कालीदास सम्मान से सम्मानित कलाकार सुशील सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

# डॉक्टर के खिलाफ सरकार ने जल्दबाजी में लिया निर्णय दोनों पक्षों को बैठाकर निकाला जाए समाधान : जयराम

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी**

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का कहना है कि प्रदेश सरकार ने डॉक्टर के खिलाफ जल्दबाजी में कठोर निर्णय लिया है। सरकार को चाहिए कि दोनों पक्षों को बैठाकर कोई बीच का रास्ता निकाले। यह बात उन्होंने मंडी में एक समारोह में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत में कही। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह रवैया बन गया है कि निर्णय बिना सोचे-समझे और जल्दबाजी में लिए जा रहे हैं। इस पूरे प्रकरण में डॉक्टर के निलंबन तक का निर्णय ठीक था ताकि उससे सबक भी मिले और भविष्य में सुधार भी हो, लेकिन जिस तरह से सरकार ने जल्दबाजी में निर्णय लिया वह एक कठोर निर्णय है।

जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार को सलाह दी है कि इसमें दोनों पक्षों की ही गलती नजर आ रही है जबकि पुख्ता प्रमाण किसी के पास नहीं है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि दोनों पक्षों को बैठाकर कोई बीच का रास्ता निकाले। जयराम ने कहा कि ऐसी परिस्थितियां कई बार उत्पन्न हो जाती हैं लेकिन अब इसके समाधान की तरफ आगे बढ़ना चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हों।

### पीएम मोदी का स्किल इंडिया मिशन दूरदर्शी पहल

**पूर्व** मुख्यमंत्री ने मंडी में एम्पायर स्किल इंडिया इंस्टीट्यूट के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं की प्रतिभा, कौशल और आत्मविश्वास का सशक्त प्रतिबिंब रहा। इस अवसर पर उन्होंने भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र निर्माण, सुशासन और मानवीय मूल्यों पर आधारित उनके विचार आज भी हमारे जीवन और सार्वजनिक जीवन को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्किल इंडिया मिशन ने देश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल की है। इस अभियान के माध्यम से युवाओं को आधुनिक कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़ने के नए मार्ग मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं का यह जोश और समर्पण राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।

# जोगिंद्रनगर के ओम प्रकाश ठाकुर को राष्ट्रीय हैंडबाल टीम का मुख्य कोच बनने का गौरव

**अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान**

**जोगिंद्रनगर।** मंडी जिला के जोगिंद्रनगर क्षेत्र के लिए यह गर्व और सम्मान का क्षण है कि क्षेत्र के होनहार शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) ओम प्रकाश ठाकुर को 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-14 हैंडबॉल छात्रों की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय हैंडबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल जोगिंद्रनगर बल्कि पूरे मंडी जिला में खेलों को लेकर नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ है। ओम प्रकाश ठाकुर की इस नियुक्ति के पीछे उनका वर्षों का अनुभव, अनुशासन और खिलाड़ियों को निखारने की क्षमता रही है। हाल ही में मंडी में आयोजित राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में जिला मंडी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस विजेता टीम में शामिल छह प्रमुख खिलाड़ी राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, जोगिंद्रनगर से थे, जहां पीटीआई ओम प्रकाश ठाकुर वर्तमान में कार्यरत हैं। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने तकनीकी कौशल, फिटनेस और टीम भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया।इसके अलावा, राज्य

स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार खेल के दम पर इसी विद्यालय के तीन खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए भी हुआ है, जो जोगिंद्रनगर क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यह चयन दर्शाता है कि क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में भी प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने की जरूरत होती है।

69वीं नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-14 हैंडबॉल प्रतियोगिता से पूर्व राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 26 दिसंबर से 2 जनवरी तक जिला हमीरपुर की राजकीय उच्च पाठशाला मजैहली में किया जाएगा। इस शिविर में देशभर से चयनित खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जहां उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण, रणनीति और मैच अभ्यास कराया जाएगा। इसके पश्चात राष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जनवरी से 10 जनवरी तक जीयूपीए चित्तौड़गढ़, राजस्थान में आयोजित होगी। इस दौरान ओम प्रकाश ठाकुर मुख्य टीम कोच के रूप में प्रशिक्षण से लेकर मैच संचालन तक टीम का नेतृत्व करेंगे।

इस बारे में पीटीआई ओम प्रकाश ठाकुर ने कहा कि 'राष्ट्रीय हैंडबॉल टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। यह जिम्मेदारी मेरे क्षेत्र, विद्यालय और विद्यार्थियों के विश्वास का प्रतीक है। मैं पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करूंगा। 'उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षाविदों, खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे जोगिंद्रनगर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

# सुंदरनगर में 685 ग्राम चरस के साथ शिमला के दो युवक गिरफ्तार

**अनंत ज्ञान, सुंदरनगर।** पुलिस थाना सुंदरनगर की टीम ने एएसआई दौलत राम के नेतृत्व में पुंघ में नाकाबंदी के दौरान मंडी की ओर से आ रही एक कार को जांच के लिए रोका, जिसमें मुख्य आरक्षी हंस राज तथा आरक्षी कुलदीप और सतीश कुमार मौजूद थे। कार में दो युवक सवार थे। चालक से वाहन के कागजात मांगे जाने पर वह घबरा गया और टालमटोल करने लगा, जिससे पुलिस को संदेह हुआ। तलाशी लेने पर कार के डैशबोर्ड से 685 ग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस ने मौके पर ही दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाना सुंदरनगर में मामला दर्ज किया और आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। आरोपियों की पहचान गौरव वर्मा पुत्र चंद्र वर्मा निवासी देव कुंज केलटी शिमला जिला शिमला तथा निखिल ठाकुर पुत्र उदय ठाकुर निवासी वीपीओ बयूलिया शिमला जिला शिमला हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई है।

# विशाल पीपल बना यातायात के लिए खतरा, कांट-छांट करने की उठी मांग

धनोटू चौक पर लगा विशाल पीपल यातायात के लिए खतरा बन गया है।

**भीम बसेडू राजपूत, अनंत ज्ञान**

**महादेव।** नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत धनोटू गांव स्थित शहीद राजेश कुमार चौहान धनोटू चौक पर राष्ट्रीय उच्च मार्ग संख्या-21 से सटा एक पुराना एवं विशालकाय पीपल का पेड़ इन दिनों लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। पीपल की भारी-भरकम टहनियां लगातार झुकती जा रही हैं, जिससे सड़क मार्ग का एक बड़ा हिस्सा ढक गया है। इसके कारण विशेषकर ऊंचे और भारी वाहनों के चालकों को आवाजाही में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

धनोटू चौक ग्रामीण क्षेत्र का प्रमुख एवं भीड़भाड़ वाला स्थान है, जहां से दिन-रात स्थानीय व बाहरी क्षेत्रों के वाहन गुजरते हैं। धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पूजनीय यह पीपल आज तक किसी बड़े हादसे का कारण नहीं बना है, फिर भी सुरक्षा की दृष्टि से इसकी बेतरतीब बढ़ती शाखाओं की समय रहते कांट-छांट आवश्यक हो गई है।

गौरतलब है कि इसी पीपल के समीप स्थित एक अन्य बड़ा पेड़ पूर्व में गिर चुका है, जिससे स्थानीय लोग आशंकित हैं। ग्रामीणों ने उपायुक्त मंडी व संबंधित विभाग से मांग की है कि जनहित और सुरक्षित यातायात को ध्यान में रखते हुए शीघ्र उचित कदम उठाए जाएं।

# विशेष बच्चों में साहस, आत्मबल और नैतिक मूल्यों का दिया संदेश

नागचला में सहयोग विद्यालय में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया।

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी**

विशेष बच्चों के लिए संचालित सहयोग विद्यालय एवं छात्रावास, नागचला में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व वाइस चांसलर प्रो. अनुपमा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को साहस, आत्मबल और नैतिक मूल्यों से जोड़ना रहा। प्रो. अनुपमा सिंह ने कहा कि साहस और वीरता उम्र की मोहताज नहीं होती तथा बच्चों के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि हर बच्चा अपनी क्षमताओं के साथ विशेष होता है। उन्होंने विद्यालय द्वारा विशेष बच्चों के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और कर्मचारियों ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मबल का संचार होता है। इस अवसर पर नरेंद्र शर्मा के कार्यों की भी सराहना की गई, जो पिछले 25 वर्षों से निराश्रित महिलाओं और विशेष बच्चों के लिए कार्य कर रहे हैं। नरेंद्र शर्मा ने प्रो. अनुपमा सिंह सहित अन्य उपस्थित लोगों का संस्थान के साथ जुड़ने और सहयोग करने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब से प्रो. अनुपमा सिंह, रेणु गुलाटी, अनुराधा सूद, यशपाल, रमिंद्र कौर और निवेदिता उपस्थित रहीं।

**सौगात** विधायक चंद्रशेखर ने किया उद्घाटन, 200 परिवारों को होगा लाभ

# दलौट में खुला राशन सब डिपो

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट**

उपमंडल तथा विकास खंड धर्मपुर के अंतर्गत आने वाली दी चोलथरा कृषि सहकारी सभा तथा निरक्षक सहकारी सभाएं धर्मपुर संजीव ठाकुर के अथक प्रयासों से ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान करते हुए ग्राम पंचायत चोलथरा के गांव दलौट (जंदरेहड़ी) में नए सब डिपो खोलने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस सब डिपो का विधिवत उद्घाटन स्थानीय विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर ने किया।

उद्घाटन अवसर पर विधायक चंद्रशेखर ने दी चोलथरा कृषि सहकारी सभा की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि दूर-दराज़ राशन डिपो के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गांव दलौट में सब डिपो खुलने से अब राशन की सुविधा ग्रामीणों को उनके घर के नजदीक उपलब्ध होगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। उन्होंने निरक्षक सहकारी सभाएं धर्मपुर तथा सहकारी सभा के पदाधिकारियों को इस सराहनीय कार्य के लिए पीठ थपथपाई और लाभार्थी गांववासियों को बधाई दी। इस नए सब डिपो के खुलने से गांव दलौट सहित आसपास के गांवों के लगभग 200 परिवारों के करीब 600 लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। ग्रामीणों में इस सुविधा को लेकर विशेष उत्साह देखा गया और उन्होंने सहकारी सभा व स्थानीय विधायक का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निरक्षक सहकारी सभाएं धर्मपुर संजीव ठाकुर,दी चोलथरा कृषि सहकारी सभा के प्रधान कश्मीर सिंह ठाकुर, सचिव पवन कुमार, समिति के अन्य सदस्य, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजीव पराशर, विनोद कुमार सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

विधायक चंद्रशेखर दलौट में राशन सब डिपो का उद्घाटन करते हुए।

# जेल परिसर में लगाए 100 से अधिक फूल

**रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट।** हिमाचल ब्लड टाइगर बैजनाथ महाकाल संस्था द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए लाला लाजपत राय जिला अंबमुक्त सुधार गृह (मुक्त कारागार) धर्मशाला में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने जेल में बंद गरीब कैदियों को गर्म कपड़े, चप्पल तथा कैदियों के बच्चों को पेन, कॉपी व अन्य शैक्षणिक सामग्री भेंट की। इसके साथ ही अपाहिज कैदियों के लिए व्हीलचेयर प्रदान की गई। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी संस्था ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जेल परिसर में 100 से अधिक फूलों के पौधे रोपे। इस सेवा कार्य में हिमाचल ब्लड टाइगर संस्था के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, राजीव राणा, मार्शल आर्ट कोच पुरुषोत्तम ठाकुर, विजय कुमार, आशुतोष, जोनी खान, प्रवीन डोगरा सहित पूरी टीम मौजूद रही। साथ ही यशस्वी जमवाल (मंडल महामंत्री) ने भी भरपूर सहयोग दिया। संस्था द्वारा गरीब कैदियों के परिवारों के बच्चों की शिक्षा को गोद लेने का निर्णय भी लिया गया।

# अंदौरा में 45 झुग्गियां जलकर राख

**अनंत ज्ञान, गगरेट**

विधानसभा क्षेत्र गगरेट के अंदौरा गांव में वीरवार-शुक्रवार मध्यरात्रि सोमभद्रा नदी के किनारे रह रहे बाहरी राज्यों के मजदूर परिवारों की झुग्गियों में अचानक आग लग जाने से करीब 45 झुग्गियां जलकर राख हो गईं।

गनीमत यह रही कि इस अग्निकांड में सभी मजदूर परिवारों को जलती हुई झुग्गियों से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके चलते कोई जानी नुकसान तो नहीं हुआ अलबत्ता मजदूर परिवारों का सारा सामान व नकदी जलकर राख में तबदील हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम गगरेट सौमिल गौतम व तहसीलदार कुलताज सिंह घटनास्थल की ओर भागे और सभी परिवारों का सुरक्षित रेसक्यु करवा कर उनका रात को ठहरने का इंतजाम किया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अहम बात यह है कि जिला प्रशासन द्वारा खड़पोश झुग्गियां बनाने पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद आखिर इतने बड़े पैमाने पर मजदूर परिवार झुग्गियां बनाकर कैसे रह रहे थे। वीरवार रात्रि करीब साढ़े दस बजे सोमभद्रा नदी के किनारे झुग्गियां बनाकर रह रहे मजदूर परिवार आराम कर रहे थे तो अचानक झुग्गियों में आग

विधानसभा क्षेत्र गगरेट के अंदौरा गांव में झोपड़ियों में लगी आग।

लग गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता उससे पहले ही आग ने तमाम झुग्गियों को लाक्षागृह में तबदील कर दिया। हर तरफ आग ही आग देख कर मजदूर परिवार की बस्ती में चीखोपुकार मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम सौमिल गौतम व तहसीलदार कुलताज सिंह भी मौका पर पहुंचे और उन्होंने सामान की चिंता छोड़कर सभी मजदूर परिवारों को सुरक्षित बाहर निकलने का आग्रह किया। सभी परिवारों के सदस्य तो सुरक्षित बाहर निकलवा लिए गए लेकिन उनका घरेलू सामान, बिस्तर, कपड़े, अनाज के साथ-साधथ नकदी भी आग की भेंट चढ़ गई। सब कुछ अपनी आंखों के सामने खत्म होता देख मजदूर परिवारों के सब्र का बांध टूट गया। कोई भी मजदूर परिवार घटनास्थल से हिलने को तैयार नहीं था, लेकिन एसडीएम सौमिल गौतम व कुलताज सिंह ने मानवता का परिचय देते हुए नगर पंचायत गगरेट से संपर्क कर सभी मजदूर परिवारों को रैन बसेरा गगरेट में ठहरने का उचित प्रबंध करवाया। आग लगने के कारणों का पुख्ता पता नहीं चल पाया है। हालांकि अभी भी अहम सवाल यही है कि जब जिला प्रशासन ने खड़पोश झुग्गियां बनाने पर पाबंदी लगाई है तो ये झुग्गियां अब तक कैसे बनी रहीं। एसडीएम सौमिल गौतम ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उक्त क्षेत्र उपमंडल अंब के अधीन है लेकिन मानवता के नाते उन्होंने रात को ही घटनास्थल पर पहुंच कर राहत कार्य शुरू करवाए।

# जिनके वोट तक नहीं, उनकी मदद के लिए खड़े हुए सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व विधायक

**अनंत ज्ञान, गगरेट**

विधानसभा क्षेत्र गगरेट के अंदौरा गांव में सोमभद्रा नदी के किनारे रह रहे बाहरी राज्य के मजदूर परिवारों की झुग्गियों में आग लगने से उनका सामान ही जलकर राख नहीं हुआ है, बल्कि हिम्मत भी आग में होम हुई है।

महज उनके गाढ़े खून पसीने की कमाई ही आग की भेंट नहीं चढ़ी है, बल्कि नया आशियाना बनाने की चुनौती के साथ परिवार का पेट भरने की चुनौती भी आ खड़ी हुई है। हालांकि, संकट की इस घड़ी में प्रशासन ने इनके ठहरने की अस्थायी व्यवस्था की है, तो सामाजिक कार्यकर्ता जीनत महंत के साथ पूर्व विधायक राजेश ठाकुर इनके लिए फरिश्ता बनकर आगे आए हैं। जीनत महंत के साथ पूर्व विधायक राजेश ठाकुर मजदूर परिवारों को ढांढस बंधाने के लिए शुक्रवार को घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों ही विभूतियां पीड़ित परिवारों के लिए भोजन का प्रबंध करके गई। इसके बाद आम चर्चा होने लगी कि जिनका यहां वोट तक नहीं उनके लिए सेवा के हाथ खड़े होना ही

अंदौरा में जली झुग्गियों में बेघर हुए मजदूर परिवारों को राशन सामग्री देते पूर्व विधायक राजेश ठाकुर व सामाजिक कार्यकर्ता जीनत महंत।

असली समाजसेवा है। वीरवार रात्रि आग की एक चिंगारी ने मजदूर परिवारों की जिंदगी में ऐसी आग लगाई कि पलक झपकते ही सबकुछ जलकर स्वाहा हो गया। गनीमत इतनी थी कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

शुक्रवार को घटनास्थल पर जले हुए बर्तन, जला हुआ अनाज व झुग्गियों के कुछ अवशेष पड़े थे। हालांकि कुछ स्थानीय लोगों ने मजदूर परिवारों के लिए लंगर की व्यवस्था की थी लेकिन इसी बीच सामाजिक कार्यकर्ता जीनत महंत राशन लेकर मजदूर परिवारों के बीच पहुंची और उन्हें राशन व रोजमर्रा की जरूरतों के लिए कुछ रुपये देकर उनके आंसू पोंछने का काम किया। इसी बीच पूर्व विधायक राजेश ठाकुर भी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मजदूर परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था करने के लिए उन्हें राशन देकर गए।

पूर्व विधायक राजेश ठाकुर ने कहा कि संकट की इस घड़ी में इन पीड़ित परिवारों की मदद करना ही असली समाजसेवा है। उन्होंने कहा कि बेशक मजदूर परिवार अन्य राज्यों के हैं लेकिन हैं तो भारतीय ही हैं। इसलिए प्रदेश सरकार भी इनकी आर्थिक सहायता करे। जीनत महंत व राजेश ठाकुर ने समाजसेवियों का अनुरोध किया है कि संकट की इस घड़ी में इनकी भरपूर मदद के लिए आगे आएं।

# जमीनी विवाद सुलझाने आए पंचायत प्रधान और एएसआई को युवती ने मारे थप्पड़

- घटना से मौके पर मची अफरा तफरी, पुलिस ने युवती के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी
- एसपी ने निष्पक्ष जांच व सख्त कार्रवाई का दिया आश्वासन

**अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी**

जमीन और रास्ते के विवाद की सुनवाई के दौरान एक युवती द्वारा पंचायत प्रधान और पुलिस अधिकारी से मारपीट का मामला सामने आया है।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने युवती के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में आरोपी पक्ष ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने साफ कहा है कि मामले को एक तरफा किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार डूहल बंगवालां पंचायत की महिला प्रधान एक शिकायत की सुनवाई के लिए रेही गांव पहुंची थीं। शिकायतकर्ता प्रेम चंद शर्मा द्वारा रास्ते और जमीन से जुड़ा विवाद पंचायत के समक्ष रखा गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिंतपूर्णी पुलिस थाना की टीम भी मौके पर मौजूद रही। पंचायत प्रधान और पुलिस टीम दोनों पक्षों को सुनकर मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान विवादित पक्ष की एक युवती ने बहस को और तेज कर दिया। आरोप है कि युवती ने पहले अभद्र भाषा का प्रयोग किया और फिर गुस्से में आकर पंचायत प्रधान और मौके पर मौजूद एएसआई को थप्पड़ मार दिए। इस घटना से न केवल मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए, बल्कि पुलिस और पंचायत प्रतिनिधियों के आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंची।

मामले की शिकायत के आधार पर पुलिस ने युवती के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, दुर्व्यवहार और मारपीट से जुड़ी धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस अधीक्षक अमित यादव ने बताया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## न्यूज ब्रीफ

### स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों के समय में परिवर्तन

**अनंत ज्ञान, ऊना।** ऊना जिले में लगातार गिरते तापमान एवं कड़ाके की ठंड को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के दृष्टिगत जिला प्रशासन ऊना ने सभी शैक्षणिक संस्थानों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में अस्थायी परिवर्तन करने के आदेश जारी किए हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ऊना के अध्यक्ष एवं उपायुक्त जतिन लाल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 33 एवं 34(एम) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किए हैं। यह निर्णय उच्च शिक्षा उपनिदेशक, प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) ऊना की संस्तुतियों के आधार पर लिया गया है। जारी आदेशों के अनुसार जिले के सभी सरकारी एवं निजी शैक्षणिक संस्थानों, प्री-प्राइमरी, प्राइमरी, मिडिल तथा सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का संचालन समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक रहेगा। वहीं, जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे। यह आदेश 29 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक प्रभावी रहेंगे। इस अवधि के दौरान समय परिवर्तन के कारण होने वाली शैक्षणिक क्षति की पूर्ति प्रातः प्रार्थना सभा एवं मध्याह्न अवकाश की अवधि को यथोचित रूप से समायोजित कर की जाएगी। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों, विद्यालय प्रबंधन समितियों तथा अभिभावकों से आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने की अपील की है।

### 27 को प्रस्तावित वाहन पासिंग व ड्राइविंग टेस्ट स्थगित

**अनंत ज्ञान, ऊना।** ऊना में 27 दिसंबर को आयोजित की जाने वाली पासिंग एवं ड्राइविंग टेस्ट प्रक्रिया को प्रशासनिक कारणों के चलते स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ऊना अशोक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि टेस्ट की नई तिथि निर्धारित होने पर अभ्यर्थियों को जल्द सूचित किया जाएगा।

### वोकेशनल छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

**अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भंजाल के वोकेशनल के टूरिज्म एवं सुरक्षा ट्रेड के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण किया। इसके अंतर्गत उन्होंने पालमपुर शहर चामुंडा मंदिर, बगलामुखी मंदिर, गोपालपुर चिड़ियाघर आदि स्थानों का भ्रमण किया। यह जानकारी स्कूल के कार्यकारी प्रिंसिपल राजन शर्मा ने दी। इस अवसर पर वोकेशनल को-ऑर्डिनेटर मुकेश कुमार, सीमा कुमारी, संतोष ठाकुर, वोकेशनल टीचर अश्विनी पठानिया, रमेश चंदेल, सुशील कुमार, निर्मला रानी भी उपस्थित रहे

### राकेश भंजाल स्कूल के समारोह में होंगे मुख्यातिथि

**अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भंजाल के वार्षिक ईनाम पारितोषिक समारोह में इलाके के विधायक राकेश कालिया 31 दिसंबर को प्रातः काल 9:30 बजे बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। यह जानकारी स्कूल के कार्यकारी प्रिंसिपल राजन शर्मा ने दी।

### टकोली स्कूल के स्टूडेंट्स ने लिया प्रशिक्षण

**अनंत ज्ञान, बड़ूही।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टकोली के दसवीं और ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 24 से 26 दिसंबर तक खुदरा एवं व्यापार विषय के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खुदरा क्षेत्र की कार्यप्रणाली से व्यवहारिक रूप से परिचित करवाना था। प्रशिक्षण के दौरान ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने ऊना स्थित ट्रेंड्स प्रतिष्ठान का भ्रमण कर वस्त्र खुदरा व्यापार की बारीकियों को समझा, जबकि दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उन्ना में ही रिलायंस डिजिटल प्रतिष्ठान में जाकर इलेक्ट्रॉनिक खुदरा व्यापार से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने बिक्री व्यवस्था, ग्राहक सेवा, उत्पाद प्रदर्शन तथा प्रबंधन प्रणाली के बारे में प्रत्यक्ष रूप से सीखा। खुदरा व्यापार विषय के अध्यापक अभिषेक संदल ने बताया कि विद्यार्थियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत जिज्ञासा और उत्साह के साथ पूर्ण किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई बातें विद्यार्थियों के जीवन में निश्चित रूप से सकारात्मक और विशेष प्रभाव डालेंगी। विद्यालय प्रधानाचार्य श्री स्वर्ण सिंह जी ने कहा कि यह प्रशिक्षण भविष्य में विद्यार्थियों रोजगार और व्यवसाय से जुड़ी दिशा प्रदान करेगा। इस मौके पर विषय अध्यापक अभिषेक संदल और टीजीटी हिंदी प्रिया शर्मा विशेष रूप से विद्यार्थियों के साथ रहे।

### शहीद उधम सिंह को याद कर किया माल्यार्पण

**अनंत ज्ञान, दौलतपुर चौक।** शहीद भगत सिंह क्लब गगरेट के सदस्यों ने देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह की जयंती पर गांव अंबोटा मे उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। क्लब के प्रधान मुनीष ठाकुर ने उनके जीवन पर रोशनी डालते हुए बताया कि महान क्रांतिकारी उधम सिंह का जन्म 26 दिसंबर, 1899 को पंजाब के गांव सुनाम जिला संगरूर में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार टहल सिंह तथा माता का नाम नारायण कौर था। लोग उन्हें शेर सिंह के नाम से जानते थे। उधम सिंह ने अपने माता-पिता तथा अपने भाई मुक्ता सिंह के निधन के पश्चात शिक्षा दीक्षा के लिए खालसा अनाथालय में रहकर अपनी मैट्रिक तक की पढ़ाई पूर्ण की। प्रधान मुनीष ने बताया कि उधम सिंह ने 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार के जिम्मेदार जनरल माइकल ओ डायर को लगभग 21 साल बाद 31 मार्च 1940 को लंदन के केकस्टन हॉल में गोली मारकर लाखों भारतीयों के खून का बदला लिया और भारत माता का स्वाभिमान बढ़ाया। इस पर अंग्रेजों ने अमर शहीद उधम सिंह को फांसी पर लटका दिया था। शहीद उधम सिंह देशभक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए जाने जाते हैं, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीक हैं।

### भैरा गुरुद्वारा में साहिबजादों की शहादत को नमन

**अनंत ज्ञान, बड़ूही।** उपमंडल अंब के अंतर्गत भैरा स्थित गुरुद्वारा साहिब में साहिबजादों की शहादत को समर्पित श्रद्धांजलि कार्यक्रम श्रद्धा और सम्मान के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बलबीर चौधरी ने माता गुजरी जी और गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के अतुलनीय बलिदान को नमन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि माता गुजरी जी का त्याग, धैर्य और साहिबजादों को दिए गए संस्कार मानव इतिहास में अद्वितीय हैं। उन्होंने विशेष रूप से छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि कम उम्र में भी उन्होंने अद्भुत साहस और धर्मनिष्ठा का परिचय दिया। प्रलोभन और भय के बावजूद उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए शहादत स्वीकार की। सभी ने साहिबजादों के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

## आरएसएस ने तलमेहड़ा में चौकी खंड स्तर पर बैठक का किया आयोजन

# शाखाओं की प्रगति और सेवा कार्यों पर जोर

आरएसएस की ओर से चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के तलमेहड़ा में चौकी खंड स्तर पर एक महत्वपूर्ण बैठक में मौजूद सदस्य।

**अनंत ज्ञान, बड़ूही**

आरएसएस द्वारा चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के तलमेहड़ा में चौकी खंड स्तर पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इसमें जिला कुटुंब प्रबोधन रिटायर्ड प्रिंसिपल जगदीश धीमान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसमें संघ के चौकीमन्यार खंड के पदाधिकारी संपर्क प्रमुख और संजीव कुमार, कुटुंब प्रबोधन योगराज जोगी, चौकी खंड कार्यवाहक पुष्पेंद्र कुमार,स्वयंसेवक संदीप कुमार जोल, स्वयंसेवकों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक का उद्देश्य संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करना तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करना रहा। बैठक में वक्ताओं ने संघ के मूल विचारों, राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि आरएसएस समाज को जोड़ने और राष्ट्रहित में कार्य करने वाला संगठन है, जो सेवा, संस्कार और समर्पण के भाव से कार्य करता आ रहा है। इस अवसर पर शाखाओं की प्रगति, सदस्यता अभियान, सेवा कार्यों एवं युवाओं की भागीदारी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने स्वयंसेवकों से अनुशासन के साथ नियमित गतिविधियों में सक्रिय रहने का आह्वान किया। बैठक के अंत में सभी ने संगठन को और सशक्त बनाने तथा समाज के हर वर्ग तक पहुंचने का संकल्प लिया। इस मौके पर रिटायर्ड कर्नल रघवीर सिंह, रिटायर्ड कैप्टन मदन लाल, पूर्व उपप्रधान खरयालता जीवन सिंह, संजीव शर्मा, रघुवीर सिंह संगम, सोमनाथ शर्मा, शिवम कुमार, मक्खन सिंह, विजय रागी, अंकित शर्मा, विजय शर्मा, बिंदु, सुखदेव शर्मा, रोहन शर्मा एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

# रेबीज बीमारी के बारे में दी जानकारी

**अनंत ज्ञान, बंगाणा**

अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय, बंगणा द्वारा आवारा कुत्तों के नियंत्रण एवं प्रबंधन के संबंध में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में रेबीज जागरूकता पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में पशु चिकित्सा अधिकारी आरके जंगा ने विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को संबोधित किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने रेबीज जैसी घातक बीमारी के कारण, लक्षण, निवारक उपाय, पोस्ट-एक्सपोजर प्रबंधन (काटने के बाद की चिकित्सा प्रक्रिया) तथा आवारा कुत्तों के मानवीय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर प्राथमिक उपचार, घाव की सही सफाई, एंटी-रेबीज टीकाकरण तथा समुदाय की सक्रिय

सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आवारा कुत्तों के नियंत्रण व रेबीज पर आयोजित जागरूकता पर व्याख्यान में मौजूद लोग।

भागीदारी से रेबीज की प्रभावी रोकथाम संभव है। साथ ही, उन्होंने जिम्मेदार पालतू-पालन, नियमित टीकाकरण और नसबंदी को सामुदायिक स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

इस कार्यक्रम में समिति सदस्यों में प्रो. कृष्ण चंद, प्रो. सिकंदर नेगी, प्रो. कमलेश, महाविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ की अध्यक्ष शिल्पा, उपाध्यक्ष संजना सहूता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप विद्यार्थियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा, जिम्मेदार नागरिक व्यवहार तथा मानवीय एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आवारा पशु प्रबंधन के प्रति जागरूक करना रहा। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता दिखाई और इसे एक सराहनीय व समाजोपयोगी पहल बताया।

# 27 दिसंबर से शुरू होगी वॉलीबाल प्रतियोगिता

**अनंत ज्ञान, बड़ूही।** चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खरयालता( तलमेहड़ा) के गांव रौणखर में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 27 दिसंबर से सदाशिव क्लब की ओर से दो दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में आसपास के गांवों व क्षेत्रों की 30 टीमें भाग लेंगी, जिससे खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। युवा शक्ति तलमेहड़ा के युवाओं के अनुसार प्रतियोगिता का शुभारंभ 27 दिसंबर को मुख्यातिथि द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल भावना के साथ मुकाबलों की शुरुआत होगी। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करना है। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के लिए खाने की निशुल्क सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। सभी टीमों को निशुल्क एंट्री रखी गई है। प्रतियोगिता में लीग व नॉकआउट आधार पर मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दिन प्रारंभिक मुकाबले होंगे, जबकि दूसरे दिन सेमीफाइनल व फाइनल मैच आयोजित किए जाएंगे। विजेता टीम को 21 हजार रुपए व उपविजेता टीम को 11 हजार रुपए ट्रॉफी व आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

# संतोषगढ़ स्कूल के मेधावी नवाजे

**अनंत ज्ञान, संतोषगढ़**

स्थानीय नगर के राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कन्या संतोषगढ़ में शुक्रवार को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इसमें समाजसेवी सुभाष मनकोटिया ने वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्रधानाचार्य कविता ने की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यातिथि द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं मेजबान स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत गाकर की गई। मुख्यातिथि समाजसेवी सुभाष मनकोटिया को कार्यवाहक प्रधानाचार्य कविता कुमारी सहित स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष स्कूल प्रशासन द्वारा शाल-टोपी एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। इस समारोह में आए हुए अतिथियों को भी स्मृति चिन्ह देकर स्कूल प्रशासन की तरफ से सम्मानित किया

संतोषगढ़ स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में उपस्थित छात्र और मुख्य अतिथि।

गया। मंच संचालक की भूमिका प्रवीण शर्मा व अंकुश वशिष्ठ ने की। इस पर स्कूल प्रशासन ने आभार व्यक्त किया और कहा कि आज की बच्चियां किसी से कम नहीं है, जो हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने में किसी से कम नहीं।

स्कूल गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर पढ़ाई, खेल एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में स्कूल की उपलब्धियां गिनवाईं। साथ ही भविष्य में स्कूल में बढ़िया शैक्षणिक माहौल बनाए रखने का अभिभावकों को आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्यातिथि ने स्कूल के मेधावी छात्रों को उनकी शैक्षणिक और सांस्कृतिक एवं खेलकूद उपलब्धियां पर उन्हें पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। इस अवसर पर पूर्व शिक्षक शिव कुमार धीमान, पूर्व प्रधानाचार्य गुरवचन लाल धीमान, विशाल सैनी, नितिन शर्मा, एसएमसी अध्यक्ष देवीलाल, उपप्रधान बुद्ध राज, भाजपा शहरी इकाई प्रधान राजेश प्रभाकर,भाजपा किसान मोर्चा ऊना महामंत्री इकबाल सिंह, नप अध्यक्ष निर्मला महे, पार्षद मुनीष, पार्षद संतोख सिंह, बलवीर बबलू, बचन चंद पटेल, राज महे अन्य स्थानीय शिक्षक व गैर-शिक्षक मौजूद रहे।

# भंजाल स्कूल में वर्षों से पड़े पुराने चरखे को किया पुनर्जीवित

**अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा।** भंजाल के स्टाफ एवं छात्रों ने स्कूल में वर्षों से पड़े पुराने चरखे को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया है, जिससे गांधीवादी दर्शन को समझाया जा सके। स्कूल के कार्यकारी प्रिंसिपल राजन शर्मा एवं स्टाफ ने इस सांस्कृतिक धरोहर को स्कूल को समर्पित किया, इस व्यावहारिक परियोजना का उद्देश्य युवा पीढ़ी को धैर्य, आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा जैसे मूल्यों की शिक्षा देना है। इन कताई पहियों की मरम्मत करके, छात्रों ने पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर 'स्वदेशी' की भावना का प्रत्यक्ष अनुभव किया। राजन शर्मा ने कहा, चरखा हमें सिखाता है कि अनुशासन और स्थिरता कालातीत हैं, अब इन पुनर्जीवित चरखों का उपयोग साप्ताहिक कताई सत्रों के लिए किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि महात्मा गांधी का शांति और सचेत रहने का संदेश परिसर के भीतर एक जीवंत अभ्यास बना रहे। इस अवसर पर स्कूल के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

## विरोध — ऊना में मैदानी इलाके में पहाड़ी भाड़ा लागू करने को लोग मान रहे अन्याय

# खर्चा समान, तो भाड़े की दर में भेदभाव क्यों?

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना**

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी और निजी बस ऑपरेटरों के भाड़े में अंतर को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रकट किया है। विशेष रूप से यह सवाल उठाया गया है कि क्यों ऊना जैसे मैदानी क्षेत्र के लिए पहाड़ी क्षेत्रों के भाड़े का स्लैब लागू किया जाना उचित नहीं है, जबकि ऊना का अधिकांश हिस्सा प्लेन और मैदानी इलाके में आता है।

ऊना जिले को पहाड़ी इलाका नहीं माना जाता है, बल्कि यह हिमाचल का एक प्रमुख मैदानी क्षेत्र है। ऊना से कई प्रमुख स्थानों जैसे स्मूरकलां (8 किलोमीटर), झलेड़ा (4 किलोमीटर) और बंगाणा से लठियानी (12 किलोमीटर) तक की सड़कें पूरी तरह से प्लेन और मैदानी हैं। इन क्षेत्रों में चढ़ाई या उतराई जैसी पहाड़ी विशेषताएँ नहीं हैं, फिर भी इन मार्गों पर भाड़े की दरें पहाड़ी क्षेत्रों के आधार पर निर्धारित की जा रही हैं। यह स्थिति स्थानीय लोगों में असंतोष और भ्रम पैदा कर रही है। बसों के भाड़े का निर्धारण अक्सर क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और वहां की सड़क संरचना को ध्यान में

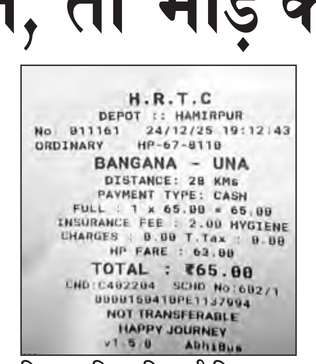

H.R.T.C
DEPOT :: HAMIRPUR
No 011161 24/12/25 19:12:43
ORDINARY HP-67-8110
BANGANA - UNA
DISTANCE: 28 KMs
PAYMENT TYPE: CASH
FULL : 1 x 65.00 = 65.00
INSURANCE FEE : 2.00 HYGIENE
CHARGES : 0.00 T.Tax : 0.00
HP FARE : 63.00
TOTAL : ₹65.00
CND:C402204 SCHD No:602/1
0000159410PE1137994
NOT TRANSFERABLE
HAPPY JOURNEY
v1.5.0 AbhiBus

हिमाचल परिवहन निगम की टिकट।

[redacted]
H/O UNA
VEH NO.:ADVANCE
TKT NO:189335 07/12/25 11:34:17
UNA TO BANGANA
(JOURNEY KMs. = 70.0)
FULL: 1 x 70.00 = ₹ 70.00
₹ 70.00
2 1 1 PRINCE6
HAVE A NICE JOURNEY
NOT TRANSFERABLE

निजी बस कंपनी की टिकट।

अनंत ज्ञान फॉलोअप

रखकर किया जाता है। पहाड़ी इलाकों में जहां चढ़ाई होती है, वहां बसों को अधिक ईंधन की आवश्यकता होती है। इसी वजह से वहां का भाड़ा थोड़ा अधिक रखा जाता है। लेकिन जैसे ही बस उतराई की ओर जाती है, तेल की खपत कम हो जाती है, और यात्रा का खर्च भी कम होता है। इसलिए, औसतन देखा जाए तो पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों के लिए बस का खर्चा लगभग समान रहता है। हालांकि, ऊना जिले के मैदानी इलाकों में जहां चढ़ाई-उतराई जैसी समस्याएं नहीं हैं, वहां पहाड़ी क्षेत्रों के हिसाब से भाड़े की दरें वसूलना न केवल गलत प्रतीत होता है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के साथ अन्याय भी है। हालांकि, परिवहन निगम का भाड़ा सामान्य है, जबकि कई निजी बस ऑपरेटरों ने इसका गलत इस्तेमाल करके मनमाना भाड़ा बना डाला। स्थानीय निवासी, जैसे अजय वर्मा, सुषमा, राजीव कुमार और सुनीता आदि ने इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई है। इनका कहना है कि ऊना जिला ना तो पिछड़ा क्षेत्र है और ना ही पहाड़ी क्षेत्र, फिर भी यहां के भाड़े की दरें पहाड़ी इलाकों के हिसाब से निर्धारित की जा रही हैं। यह स्थिति स्थानीय जनता के लिए असमान और अन्यायपूर्ण प्रतीत होती है, क्योंकि ऊना के मैदानी क्षेत्रों में यात्रा करने के लिए कोई अतिरिक्त लागत नहीं होनी चाहिए।

### स्थानीय प्रशासन और बस ऑपरेटरों से अपील

**यह** मुद्दा अब स्थानीय प्रशासन और बस ऑपरेटरों के लिए चुनौती बन चुका है। यदि भाड़े की दरें उचित व समान नहीं की जातीं, तो यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से यह अपेक्षा की जा रही है कि वह ऊना जिले की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए सही और उचित भाड़े की दरों का निर्धारण करें। ऊना जिले के मैदानी क्षेत्रों के लिए पहाड़ी इलाकों के समान भाड़ा वसूलना एक बड़ा सवाल बन चुका है। यात्रियों का यह तर्क है कि यदि खर्चा समान है, तो भाड़े की दर में भेदभाव क्यों? इस मुद्दे पर ध्यान देना आवश्यक है, ताकि स्थानीय लोगों को किसी प्रकार का आर्थिक बोझ ना उठाना पड़े और उन्हें उचित और न्यायपूर्ण सेवाएं मिल सकें। उधर आरटीओ अशोक कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

# मानचित्र स्वीकृति में देरी पर निजी पेशेवरों ने एकजुट होकर उठाए सवाल

**अनंत ज्ञान, ऊना**

मानचित्र स्वीकृति एवं भवन योजना से जुड़े निजी आर्किटेक्ट, इंजीनियर एवं तकनीकी पेशेवरों ने नगर निगम ऊना में लगातार हो रही देरी और जटिल प्रक्रियाओं को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। पेशेवरों का कहना है कि आम नागरिकों को हो रही परेशानियों के पीछे निजी पेशेवरों की फीस नहीं, बल्कि पिछले तीन वर्षों में सरकारी शुल्कों में लगभग तीन गुना वृद्धि और प्रशासनिक शिथिलता प्रमुख कारण हैं।

जिला स्तरीय आर्किटेक्ट एवं इंजीनियर एसोसिएशन के अध्यक्ष नरिंदर पाल सैनी ने कहा कि नगर निगम बनने के बाद मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक समय लेने लगी है। स्टाफ की कमी, अनुभव का अभाव और फाइलों की बार-बार आपत्ति के कारण अप्रूवल में महीनों की देरी हो रही है। आर्किटेक्ट आवेश पराशर ने स्पष्ट किया कि निजी पेशेवर कम से कम शुल्क पर अधिकतम जिम्मेदारी निभा रहे हैं। तकनीकी त्रुटियों की पूरी जवाबदेही निजी पेशेवरों पर होती है, जबकि निर्णय प्रक्रिया उनके नियंत्रण में नहीं होती। इसके बावजूद उन्हें विभागीय देरी, मानसिक दबाव और फाइल लौटने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पेशेवरों ने चेतावनी दी कि कम फीस, अनिश्चित भुगतान और प्रशासनिक दबाव के कारण राज्य के कई योग्य युवा आर्किटेक्ट और इंजीनियर हिमाचल छोड़कर अन्य राज्यों में कार्य करने को मजबूर हो रहे हैं, जो दीर्घकाल में राज्य के लिए गंभीर नुकसानदेह होगा।

उन्होंने बताया कि मानचित्र स्वीकृति के लिए प्रयुक्त पुराना ऑनलाइन पोर्टल इस माह के अंत तक बंद किया जाना प्रस्तावित है, जिससे बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। सभी निजी पेशेवरों ने नगर निगम से आग्रह किया कि पोर्टल बंद होने से पहले लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र स्वीकृत किया जाए। अंत में नरिंदर पाल सैनी ने कहा कि निजी पेशेवर प्रशासन के सहयोगी हैं और सुरक्षित, नियोजित निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन इसके लिए पारदर्शी प्रणाली, समयबद्ध निर्णय और पेशेवर सम्मान सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

# मनाली सहित कुल्लू में विंटर सीजन ने पकड़ी गति

## 31 दिसंबर तक जिले के पर्यटन स्थलों में रहेगी रौनक, साउंड सिस्टम में रात 10 बजे तक थिरक रहे पर्यटकों के कदम

**कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**कुल्लू/केलांग।** पर्यटन नगरी मनाली में 31 दिसंबर तक पर्यटकों की भीड़ उमड़ेगी। हिमाचल पर्यटन निगम के सभी होटल 31 दिसंबर तक लगभग पैक है जबकि निजी स्तरीय होटलों में भी आक्यूपेंसी 90 प्रतिशत चल रही है। सभी छोटे बड़े होटलों में रौनक छाई हुई है। पर्यटन की दृष्टि से 31 दिसंबर तक कारोबार बेहतर रहेगा। हर रोज बाहरी मनाली में ढाई हजार के लगभग पर्यटक वाहन दस्तक दे रहे है। क्रिसमस पर्व पर लगभग 55 हजार पर्यटक मनाली में एकत्रित हुए, जबकि न्यू इयर में संख्या के 70 हजार के पार पहुंचने की उम्मीद है।

मनाली प्रशासन ने पर्यटकों के मनोरंजन के लिए माल रोड में साउंड सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। साउंड सिस्टम में रात 10 बजे तक पर्यटकों के कदम थिरक रहे है। क्रिसमस पर्व मनाने आए अधिकतर पर्यटक वापिस लौट गए लेकिन सप्ताहांत के चलते आने वाले पर्यटकों की आमद में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई है। शुक्रवार को रोहतांग, शिंकुला व कोकसर के ग्रांफू पर्यटन स्थल में पर्यटकों का मेला लग गया। रोहतांग व शिंकुला के लिए पर्यटक फोर बाई फोर वाहनों में रवाना हुए जबकि आम वाहनों ने कोकसर ग्रांफू का रुख किया। हालांकि शुक्रवार सुबह के समय बादल छाने से हिमपात की उम्मीद जगी थी, लेकिन दोपहर बाद हल्की धूप खिलने से सैलानियों की बर्फ देखने की चाहत आज भी अधूरी रह गई। पर्यटन स्थलों के कारोबारी तुला, रमेश, टीकम, सूरत व दिले राम ने बताया कि गत दो तीन दिन से पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भी रोहतांग, शिंकुला, कोकसर व ग्रांफू में पर्यटकों का मेला लग गया।

मनाली के मालरोड में चहलकदमी करते पर्यटक।

### अटल टनल के समीप बर्फ का होगा दीदार

**इस** बार मनाली सहित लाहौल घाटी के पर्यटन स्थलों में बर्फबारी न होने से पर्यटक काफी मायूस है, ऐसे में पर्यटन कारोबारी अमित ठाकुर ने अटल टनल के समीप आर्टिफिशियल बर्फ बिछाकर पर्यटकों को लुभाने के लिए अलग पहल की है। लंबे समय से लाहौल घाटी में बर्फबारी नहीं हुई है जिस कारण पर्यटकों को बर्फ के दीदार करने में परेशानी आ रही है।

### पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से तैयारी पुख्ता

**उपायुक्त** कुल्लू तोरुल एस रवीश ने जिला में पर्यटन, ट्रैफिक एवं शरद कालीन तैयारी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न मुद्दों पर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक मदन लाल सहित विभिन्न उपमंडल अधिकारी, उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सर्दियों के मौसम तथा नव वर्ष के दौरान पर्यटकों की आवाजाही के मद्देनजर यातायात व्यवस्था तथा सुरक्षा की दृष्टि से जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिला में मनाली, मणिकर्ण व बंजार क्षेत्र के लिए होमगार्ड तथा रिजर्व पुलिस के जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। उन्होंने बीआरओ को निर्देश दिए की पर्यटकों को नदी तट की ओर जाने से रोकने के लिए निषेधात्मक निर्देशों वाले बड़े साइन बोर्ड लगाए जाएं तथा नदी की ओर जाने वाले रास्तों को बंद करने तथा क्रैश बैरियर लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग को नदी तक की ओर जाने वाले पर्यटकों का चालान करने के के भी निर्देश दिए, ताकि किसी अनहोनी घटना को रोकने की निषेधात्मक व्यवस्था की जा सके।

## 4 कलाकारों की कला प्रदर्शनी का आयोजन

**अनंत ज्ञान, पतलीकूहल।** अंतरराष्ट्रीय रोरिक मेमोरियल ट्रस्ट नगर जिला कुल्लू में आर्टिस्टिक आर्ट स्टूडियो के तत्वावधान में क्यूरेटर मनप्रीत कौर के संयोजन में चार कलाकारों की सामूहिक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता व वरिष्ठ पत्रकार छविंद्र सिंह ठाकुर ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भारतीय क्यूरेटर सुरेश कुमार नड्डा तथा रूसी क्यूरेटर लारिसा सुर्गिना विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने सभी कलाकारों का स्वागत करते हुए उनकी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा की सराहना की। प्रदर्शनी में पंजाब की कलाकार मनप्रीत कौर, मनप्रीत संधू, नवीन कुमार तथा दिल्ली की कलाकार रूपाली शर्मा की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इन कलाकारों ने हिमाचल, पंजाब, कश्मीर और हिमालय के प्राकृतिक सौंदर्य को अपने चित्रों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है।

## डॉक्टरों के लिए समय-समय पर मेंटल हेल्थ शिविरों का होना चाहिए आयोजन: डॉ. वैद्य

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

आईजीएमसी शिमला में डॉक्टर द्वारा मरीज के साथ मारपीट मामले में सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित चिकित्सक की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं।

इस निर्णय के विरोध में प्रदेशभर के चिकित्सकों ने शुक्रवार को हड़ताल की। कुल्लू में भी डॉक्टरों ने ओपीडी सेवाओं से दूरी बनाते हुए प्रदर्शन किया और सरकार के फैसले पर आपत्ति जताई। डाक्टरों ने कहा कि बिना संपूर्ण जांच व परिस्थितियों की समीक्षा किए सीधे कार्रवाई करना उचित नहीं है। हड़ताल के दौरान डी एडिक्शन सेंटर भुंतर के प्रभारी डॉ. सत्य व्रत वैद्य ने मीडिया से बातचीत में बताया कि अस्पतालों में अत्यधिक कार्यभार, स्टाफ की कमी और लगातार तनावपूर्ण माहौल के चलते कई बार चिकित्सक मानसिक दबाव में आ जाते हैं। ऐसे में किसी मरीज या परिजन से किसी बात पर बहस या तनाव बढ़ने पर दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं घट जाती हैं। डॉ. वैद्य ने कहा कि डॉक्टर भी इंसान हैं और उन पर दिनभर दर्जनों गंभीर मामलों का दबाव रहता है। 'काम के ज्यादा प्रेशर के कारण कई बार डॉक्टर हाइपर हो जाते हैं और गुस्सा आता है।

इससे कई बार स्थितियां नियंत्रण से बाहर चली जाती हैं। सरकार को चाहिए कि डॉक्टरों पर कार्रवाई से पहले ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो,' उन्होंने कहा उन्होंने चिकित्सकों की मनोस्थिति को समझते हुए समय-समय पर डॉक्टरों के लिए मेंटल हेल्थ शिविर आयोजित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर डॉक्टरों को मानसिक तनाव कम करने, अपनी समस्याएं साझा करने और काउंसलिंग के माध्यम से राहत पाने का अवसर देंगे। इससे मरीज-डॉक्टर संबंध बेहतर होंगे और ऐसे विवादों की पुनरावृत्ति रोकी जा सकेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### कवि विवेक को मिला भारत रत्न अटल सम्मान

**जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान, आनी।** हिमाचल प्रदेश के जिला कुल्लू आनी खंड के गांव रिवाड़ी के निवासी विवेक शर्मा को प्रिंट मिडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में भारत रत्न अटल सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सूचना एवं प्रसारण विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल अजीज सिद्दीकी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रीमा सिन्हा द्वारा दिया गया। कवि विवेक शर्मा को यह सम्मान हिंदी साहित्य और राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रचार-प्रसार में उनका योगदान के लिए दिया गया है। सम्मान समारोह में देश के गणमान्य कवि और साहित्यकार उपस्थित रहे। भारत रत्न अटल सम्मान मिलने के बाद आनी क्षेत्र के सभी सगे संबंधियों तथा अन्य क्षेत्रवासियों ने बधाई संदेश व हार्दिक शुभकामनाएं देने का तांता लगा। स्थानीय ग्राम पंचायत तथा गांववासियों ने उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। कवि विवेक शर्मा की कविताओं में प्रेम, जीवन और समाज के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया है।

### अरसू में 29 को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

**अनंत ज्ञान आनी।** राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अरसू में 29 दिसंबर को भव्य पूर्व छात्र मिलन एवं वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी पूर्व छात्रों, अभिभावकों एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों को सादर आमंत्रित किया है।कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रांगण में किया जाएगा, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर शिरकत करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश मिल्क फेडरेशन के अध्यक्ष बुद्धि सिंह ठाकुर तथा विशेषातिथि के रूप में संस्थान के प्रतिष्ठित समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। समारोह के दौरान विद्यालय में 1973 से अब तक कक्षा 10वीं और 12वीं में टॉप करने वाले सभी मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विद्यालय के सबसे वरिष्ठ जीवित पूर्व छात्र को विशेष रूप से सम्मान प्रदान किया जाएगा, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

### सांस्कृतिक कार्यक्रमों व पुरस्कार वितरण से महका समारोह

**अनंत ज्ञान, आनी।** आनी खंड की सरस्वती विद्या मंदिर कुंगश में वार्षिक उत्सव एवं पारितोषक वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। भाजयुमो प्रदेश सदस्य व समाजसेवी पिंकू ठाकुर मुख्य अतिथि रहे, जबकि कराड पंचायत के प्रधान डॉ. चमन ठाकुर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। अतिथियों ने विद्यालय प्रबंधन को सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा 21 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रधानाचार्य संजय कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में शैक्षणिक, खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

### कांग्रेस पर जनता से किए वादों से मुंह मोड़ने का आरोप

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** भाजपा प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य ने कुल्लू में मीडिया से बातचीत में प्रदेश सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार व्यवस्था परिवर्तन का नारा देती है, लेकिन वास्तव में जनता से किए गए वादों से मुंह मोड़कर कई संस्थानों को बंद कर लोगों को झटका दिया है। इससे हजारों परिवार प्रभावित हुए और रोजगार के अवसर सीमित हुए। पायल वैद्य ने दावा किया कि भाजपा प्रदेश में लगातार मजबूत हो रही है और आगामी चुनावों में जनता स्पष्ट संदेश देगी। उन्होंने कहा कि सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है और पंचायत चुनाव में देरी कर रही है, जबकि अगर आज चुनाव हो जाएं तो कांग्रेस अपनी असल स्थिति का अंदाजा लगा पाएगी।

### स्वास्थ्य व पोषण कार्यक्रमों में सुधार के निर्देश

**अनंत ज्ञान, निरमंड।** डीसी कुल्लू ने शुक्रवार को आकांक्षी ब्लॉक निरमंड की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कुल्लू जिला के आकांक्षी ब्लॉक निरमंड की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकतर संकेतकों में ब्लॉक की उपलब्धि शत-प्रतिशत है, लेकिन जिन मानकों में अभी उपलब्धि कम है उनमें प्रगति को तीव्रता से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने हाइपरटेंशन से ग्रसित लोगों की स्क्रीनिंग को बढ़ाने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने समेकित बाल विकास विकास परियोजना के अंतर्गत पोषण कार्यक्रम तथा बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र के कार्य को और बेहतर करते हुए प्रगति के आंकड़ों को सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने भारत नेट की कवरेज को बढ़ाने के लिए आकांक्षी ब्लॉक में इस कार्य को ग्रुप गति से आगे बढ़ाने के लिए बीएसएनल के पत्राचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुपोषण से ग्रसित बच्चों की सूची मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत करने को कहा ताकि इसमें सुधार के कार्य को शीघ्र गति दी जा सके।

### मनरेगा बिल के खिलाफ किया धरना-प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान, बंजार।** कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा 'मनरेगा' का नाम बदलकर 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल, 2025' लागू करने के विरोध में बंजार में धरना-प्रदर्शन किया। एपीएमसी कुल्लू एवं लाहौल-स्पीति के अध्यक्ष राम सिंह मियां की अगुवाई में लोक निर्माण विश्राम गृह से एसडीएम कार्यालय तक प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं, ट्रेड यूनियनों और सामाजिक संगठनों ने इसे 'काला कानून' करार दिया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर नए कानून को रद्द कर मनरेगा योजना पुनः लागू करने की मांग की। कांग्रेस ने कहा कि नए बिल में राज्यों पर वित्तीय बोझ बढ़ेगा और यह ग्रामीण रोजगार अधिकार को प्रभावित करेगा। प्रदर्शन में भारी संख्या में ग्रामीण और नेता मौजूद रहे।

### राजस्व मामलों के त्वरित निपटान के निर्देश

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** उपायुक्त कुल्लू तोरुल एस. रवीश ने शुक्रवार को राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक कर 2 साल से पुराने लंबित मामलों के त्वरित निपटान के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, उपमंडलाधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। किसानों की निशानदेही, इंतकाल, अवैध कब्जे, बैंक ऋण वसूलियां, फौजदारी मामलों और राजस्व प्रविष्टियों की शुद्धि जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को पुराने लंबित जमाबंदियों को कंप्यूटरीकृत कर ऑनलाइन अपलोड करने, पटवारखाना व कानूनगो भवनों के निर्माण व मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा भूमि चिन्हित कर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने राजस्व लोक अदालत में मामलों की संख्या कम करने और समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

## मांगों को लेकर हड़ताल पर गए एंबुलेंस कर्मी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन सम्बन्धित सीटू के राज्य स्तरीय दो दिवसीय हड़ताल के आह्वान पर कुल्लू जिला मुख्यालय पर भी 102 और 108 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन के सैंकड़ों कर्मचारियों ने लोअर ढालपुर कुल्लू से जिलाधीश कार्यालय तक रैली निकालकर अपना रोष प्रकट किया।

जिलाधीश कार्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सीटू राज्य महासचिव प्रेम गौतम ने कहा कि 25 दिसंबर रात 8 बजे से 102 और 108 एंबुलेंस कर्मचारी दो दिवसीय हड़ताल पर हैं। इसके तहत हर जिला मुख्यालय पर आज धरने प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 102 और 108 एंबुलेंस कर्मचारियों का मेडसवान फाउंडेशन कम्पनी के द्वारा शोषण किया जा रहा है, कर्मचारियों को सरकार के द्वारा घोषित किया गया न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है और इन कर्मचारियों से 12 घंटे कार्य लिया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों को कानून के अनुसार ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कर्मचारियों को ईपीएफ की राशि का भुगतान मेडसवान फाउंडेशन कंपनी द्वारा नहीं किया जा रहा है, जबकि कर्मचारियों से उनका ईपीएफ भुगतान की राशि का पैसा उनके वेतन से दुगना काटा जा रहा है, जो कि कंपनी को एक हिस्सा देना चाहिए था, वह गैर कानूनी है। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय व लेबर कोर्ट और सीजीएम कोर्ट शिमला के आदेशों के बावजूद भी कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है, जो कि कोर्ट के आदेश की भी अवहेलना है। पूरे प्रदेश के अंदर कर्मचारियों को हड़ताल पर जाने से रोका जा रहा है।

कर्मचारियों को कंपनी के अधिकारियों द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद पूरे प्रदेश के अंदर 102 और 108 एंबुलेंस कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए हैं। प्रदेश सरकार यदि समय रहते कर्मचारियों की मांग को पूरा नहीं करती तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान 102 और 108 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन के जिला अध्यक्ष जोगिंद्र सचिव देवेंद्र तथा सीटू जिला अध्यक्ष चमन लाल जिला कमेटी सदस्य पदम प्रभाकर ने भी प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। प्रदर्शन में लाहौल-स्पीति के कर्मचारियों ने भी भाग लिया। प्रदर्शन में अंजली, पुष्प राज, भूपेंद्र मधु शर्मा, नेहा, विमल, महेश्वरी, रवि कुमार, नेस राम, चमन लाल, चुनी लाल, धर्म चंद, नील चंद, सुरेश, अशोक, रूप लाल आदि उपस्थित रहे।

कुल्लू में सीटू के बैनर तले ढालपुर में प्रदर्शन करते एंबुलेंस कर्मी।

## प्रदेश सरकार बंजार विधानसभा क्षेत्र के साथ कर रही भेदभाव: सुरेंद्र शौरी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी ने कहा कि प्रदेश सरकार बंजार विधानसभा क्षेत्र के साथ भेदभाव कर रही है।

कुल्लू में शुक्रवार को मीडिया बयान में उन्होंने बंजार में कांग्रेस द्वारा किए गए धरने पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद पार्टी कार्यकर्ता धरने पर बैठकर आखिर किसके खिलाफ विरोध जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंजार की वास्तविक समस्याओं पर सरकार व प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा, जबकि क्षेत्र में लगातार चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। शौरी ने कहा कि इन दिनों बंजार व तीर्थन घाटी में पर्यटकों की भारी आवाजाही हो रही है, लेकिन व्यवस्थाओं के अभाव में हर दिन जाम की स्थिति बन रही है। 'जाम की समस्या से आम लोगों और पर्यटकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। न तो प्रशासन इसमें कोई कदम उठा रहा है और न ही सरकार स्थिति को सुधारने की दिशा में सक्रिय है,' उन्होंने आरोप लगाया। उन्होंने नेशनल हाईवे-305 की खराब हालत को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति जाम की एक बड़ी वजह है। 'एनएच-305 के लिए केंद्र से धन राशि जारी हो चुकी है, लेकिन प्रदेश सरकार बजट खर्च नहीं कर पा रही है। इसका नतीजा यह है कि सड़क की मरम्मत तक शुरू नहीं हो सकी और हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं,' शौरी ने कहा। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि एक बार ओट से जीभी तक सड़क मार्ग से यात्रा कर स्थिति का जायजा लें, ताकि उन्हें स्वयं पता चले कि इस मार्ग पर यात्रा करना कितना मुश्किल हो चुका है।

उन्होंने कहा कि आपदा के बाद बंजार क्षेत्र की अधिकांश सड़कें अभी भी सुचारू रूप से बहाल नहीं हो पाई हैं और कई रूटों पर बसें अब तक नहीं चल पाई हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोग परेशानी में हैं। शौरी ने सरकार से मांग की है कि बंजार क्षेत्र में जाम की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए, एनएच-305 की तुरंत मरम्मत करवाई जाए, और आपदा प्रभावित सड़कों को जल्द से जल्द बहाल किया जाए।

## नगर पंचायत भुंतर की अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास पत्र पर लगी मुहर

**अनंत ज्ञान, भुंतर।** नगर पंचायत भुंतर की अध्यक्ष रविंद्रा डोगरा के खिलाफ अविश्वास पत्र पारित हो गया है, अब अंतिम फैसला डीसी कुल्लू के हाथ होगा। नगर पंचायत भुंतर की अध्यक्ष रविंद्रा डोगरा के खिलाफ लाए गए पांच पार्षदों के अविश्वास पत्र को लेकर भुंतर में विशेष बैठक बुलाई गई थी। इस विशेष बैठक की अध्यक्षता एसडीएम कुल्लू निशांत ठाकुर ने की। बैठक में नगर पंचायत भुंतर के सातों वार्डों के पार्षद उपस्थित रहे। एसडीएम की देखरेख में नगर पंचायत भुंतर अध्यक्ष रविंद्रा डोगरा के खिलाफ अविश्वास पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई। एसडीएम ने कहा कि हिमाचल प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम का पालन किया। इसमें समय-सीमा और कोरम का खास ध्यान रखा गया। बैठक में अविश्वास पत्र पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें 7 पार्षदों में से 5 पार्षदों मीना ठाकुर, अजय किशोर, कर्ण ठाकुर, उर्मिला देवी व पवन कुमार ने प्रधान रविंद्रा डोगरा के खिलाफ पारित अविश्वास पत्र का समर्थन किया। पार्षदों की सहमति के उपरांत प्रस्ताव पारित कर डीसी कुल्लू को आगामी कार्रवाई को भेज दिया।

## आईजीएमसी के डॉक्टर की सर्विस टर्मिनेट को रद्द कर सेवाएं बहाल करे सरकार

क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के बाहर गेट मीटिंग करते हुए चिकित्सक।

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

आईजीएमसी शिमला में मरीज व चिकित्सक के बीच हुए विवाद के मामले में अब कुल्लू के चिकित्सक भी खुलकर पक्ष में उतर आए हैं।

क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में डॉक्टरों ने हड़ताल कर ओपीडी सेवाएं पूरी तरह से बंद रखीं। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल के दौरान चिकित्सकों ने अस्पताल परिसर में गेट मीटिंग कर अपना रोष जताया। डॉक्टरों का कहना है कि आईजीएमसी के जिस चिकित्सक को पद से हटाया गया है, वह कार्रवाई गलत है और बिना निष्पक्ष जांच की गई है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच कराई जाए। प्रदेश मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन जिला कुल्लू के अध्यक्ष राजेंद्र कोहली ने कहा कि चिकित्सकों के साथ इस तरह की कार्रवाई से चिकित्सा समुदाय में असंतोष है, जब तक मामले में न्यायपूर्ण जांच नहीं होती, तब तक विरोध जारी रह सकता है। उन्होंने प्रशासन से डॉक्टरों की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करने की मांग भी की। हड़ताल के चलते ओपीडी सेवाएं प्रभावित रहीं, हालांकि आपातकालीन सेवाएं चालू रखी गईं। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और बातचीत के जरिए समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

## एनसीसी युवाओं में अनुशासन का करती है संचार

**अनंत ज्ञान, आनी।** राजकीय महाविद्यालय आनी की एनसीसी इकाई द्वारा शुक्रवार को एनसीसी दिवस एवं एक दिवसीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आठवीं बटालियन एनसीसी रामपुर के कमांडिंग ऑफिसर बी.एम.एस. परमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ सूबेदार प्रीतम सिंह और हवलदार मनोज भी मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट अशोक भारद्वाज ने टोपी, मफलर और स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कैडेट तनिका ने मुख्यातिथि का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। बीएमएस परमार ने कैडेट्स को अनुशासन, सेवा, बलिदान और राष्ट्रभक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। एनसीसी युवाओं के व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करती है। कार्यक्रम में डॉक्टर संगीता नेगी, डॉक्टर महेश्वर सिंह सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

## साहब! सड़क बंद, 10 किमी पैदल चलने को मजबूर लोग

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

बाराहार पंचायत के लोगों की मुश्किलें आपदा के महीनों बाद भी कम नहीं हुई हैं।

पंचायत क्षेत्र में मुख्य सड़क मार्ग अभी तक बहाल नहीं हो पाया है। इसके कारण स्थानीय बाशिंदों को अपने घरों तक पहुंचने के लिए 8 से 10 किलोमीटर तक पैदल सफर करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों और बीमार लोगों तक, सभी को रोजाना इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत के प्रधान परस राम ने बुधवार को डीसी कुल्लू से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क टूटने के बाद हालात जस के तस बने हुए हैं, जबकि विभागीय स्तर पर अभी तक बहाली के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। 'आम जनता, स्कूली छात्र और बाहर से आने वाले लोग भारी बैग और सामान लेकर लंबा रास्ता पैदल तय करने को मजबूर हैं।' परस राम ने कहा यहां तक कि खाद्य सामग्री और जरूरी सामान भी पीठ पर ढोकर ले जाना पड़ रहा है।

डीसी कुल्लू तोरुल रवीश से मिला बाराहार पंचायत का प्रतिनिधिमंडल।

### बाराहार पंचायत में आपदा के बाद से सड़क बंद

उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग बजट की कमी का हवाला देकर बहाली में देरी कर रहा है, जिससे क्षेत्र की जनता नाराज और परेशान है। परस राम ने जिला प्रशासन से आग्रह करते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग को तुरंत सड़क सुधार कार्य शुरू करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और लोगों की आवाजाही सामान्य हो सके। स्थानीय लोगों ने भी जल्द कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि सड़क बंद होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों पर गंभीर असर पड़ रहा है और अब धैर्य की सीमा समाप्त हो चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि शीघ्र समाधान निकालकर उन्हें इस मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला जाए।

**श्रद्धांजलि** बाल अवस्था में ही धर्म की रक्षा के लिए साहिबजादों का बलिदान नहीं भूलेगा राष्ट्र

## साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

देशभर में वीर बाल दिवस के रूप में सिखों के दशम गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को श्रद्धा एवं सम्मान के साथ स्मरण किया गया।

जिला कुल्लू भाजपा ने भी इस मौके पर साहिबजादों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पूर्व मंत्री गोविंद ठाकुर ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान मानवता, धर्म और सत्य की रक्षा के लिए दिया गया था और यह बलिदान इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित है। जिस आयु में बालक अबोध होता है उस आयु में धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर देना, ऐसा राष्ट्र भक्ति और धर्मनिष्ठा का उदाहरण शायद ही इतिहास में हो। विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित सरदार तेजेंद्र लांबा ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान एक अमर बलिदान है और सिख धर्म में इसे विशेष स्थान प्राप्त है। यह बलिदान बताता है कि राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए जब भी आवश्यकता पड़े, तो प्रत्येक नागरिक चाहे वह किसी भी संप्रदाय अथवा वर्ग से संबंधित हो उसे निस्वार्थ भाव से बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए। भाजपा प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य ने कहा कि चारों साहिबजादों का यह बलिदान आने वाली पीढ़ियों को साहस, आत्मसम्मान और धर्मनिष्ठा का संदेश देता है। उन्हें अत्याचार और अन्याय के सामने झुकने के बजाय बहादुरी के साथ उनका सामना करने की प्रेरणा देता है। गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों साहिबजादों का बलिदान केवल सिख इतिहास ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

जिला कुल्लू भाजपा साहिबजादों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हुई।

यह बलिदान हमें सिखाता है कि सत्य, न्याय और धर्म की रक्षा के लिए आयु नहीं, बल्कि अटूट संकल्प शक्ति आवश्यक होती है। जिला अध्यक्ष अमित सूद ने कहा कि वीर बाल दिवस का उद्देश्य नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। अतः हम सभी को उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए और समाज में भाईचारे, सद्भाव और न्याय की स्थापना के लिए मिलकर निरन्तर प्रयत्नशील रहना चाहिए। इस मौके पर, बंजार विधायक सुरेंद्र सौरी, नरोतम ठाकुर, प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर, दानवेंद्र सिंह, कार्यक्रम संयोजक अमर ठाकुर, भीम सैन, राहुल सोलंकी, आदित्य विक्रम सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष बिंदिया सूद, युवा मोर्चा अध्यक्ष दिग्विजय सिंह, अनुसूचित जाती मोर्चा अध्यक्ष गंगा सिंह, जिला पदाधिकारी, सभी मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और आम जन उपस्थित रहे।

## विंटर कार्निवाल और कुल्लू दशहरे में लाहलड़ी नृत्य पर तुरंत लगे रोक: गौतम

**अनंत ज्ञान, मनाली**

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौतम ठाकुर ने जिला प्रशासन कुल्लू पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि देव-परंपराओं से जुड़े लाहलड़ी नृत्य को सड़कों और व्यावसायिक मंचों पर कराना, हिमाचल की आत्मा से खिलवाड़ है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

गौतम ने कहा कि हिमाचल की पहचान उसकी देव संस्कृति और आस्था से है, न कि उसे पर्यटन के नाम पर बाजारू तमाशा बनाने से। लाहलड़ी नृत्य कोई मंचीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि देव-रीति से जुड़ा पवित्र अनुष्ठान है, जिसे परंपरागत रूप से केवल देवालयों और देवकार्यों में ही किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि यह घोर विडंबना है कि उझी मनाली में शीत ऋतु के दौरान देवालयों के कपाट बंद रहते हैं, भवन निर्माण पर रोक होती है, यहां तक कि रेडियो, टीवी, डेक, टेपरिकॉर्डर, डीजे जैसे गाने-बजाने के साधनों का प्रयोग तक वर्जित माना जाता है, लेकिन उसी समय सरकार की नाक के नीचे कुल्लू प्रशासन लाहलड़ी नृत्य को माल रोड और सड़कों पर कराकर देव मर्यादाओं का खुला उल्लंघन कराया जा रहा है। गौतम ठाकुर ने सवाल उठाया कि क्या सरकार तथा प्रशासन देवताओं से बड़ा हो गया है? जब घाटी की परंपरा यह कहती है कि इस काल में सांसारिक मनोरंजन तक वर्जित है, तो फिर देव नृत्य को भीड़ और शोर के बीच परोसने की अनुमति किसने दी? उन्होंने आरोप लगाया कि कुल्लू प्रशासन देव संस्कृति को जानबूझकर पर्यटन उत्पाद में बदलने का काम कर रहे हैं, ताकि आयोजनों की आड़ में कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके।

यह न केवल आस्था का अपमान है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के साथ सांस्कृतिक धोखा भी है। कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि कुल्लू प्रशासन ने तुरंत प्रभाव से विंटर कार्निवाल मनाली, अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा, और अन्य सरकारी/अर्धसरकारी आयोजनों में सार्वजनिक स्थलों पर लाहलड़ी नृत्य पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए। गौतम ठाकुर ने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा राजनीति का नहीं, बल्कि देव मर्यादा, सांस्कृतिक स्वाभिमान और हिमाचल की आत्मा को बचाने की लड़ाई है।

# सोलन अस्पताल में प्रभावित हुई स्वास्थ्य सेवाएं

## जिले में डॉक्टरों के सामूहिक अवकाश से मरीजों को खासी परेशानी का करना पड़ा सामना

**आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**सोल ।** क्षेत्रीय अस्पताल सोलन समेत जिले के अस्पतालों में डॉक्टरों के सामूहिक अवकाश से मरीजों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अस्पताल पहुंचे मरीजों को चिकित्सकों के सामूहिक अवकाश की जानकारी नहीं थी। ऐसे में दूर दराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी है। वहीं पर्ची काउंटर में भीड़ लगी रही। पर मरीजों को ओपीडी में डॉक्टरों की सेवाएं नहीं मिली। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं के लिए डॉक्टरों की तैनाती की गई थी। सामान्य रोगियों को बिना उपचार के ही लौटना पड़ा। बता दें कि आईजीएमसी में चिकित्सक को बर्खास्त करने के रोष में शुक्रवार को जिले के अस्पतालों में ओपीडी नहीं लगी। क्षेत्रीय अस्पताल ही नहीं, बल्कि जिले के प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी यही स्थिति रही। प्रदेश चिकित्सक संघ (एचएमओए) ने सामूहिक अवकाश पर जाने का ऐलान किया था। सभी चिकित्सक एकजुट होकर बर्खास्त किए रेजिडेंट चिकित्सक डॉ. राघव के समर्थन में उतर आए हैं। इसके चलते शुक्रवार को मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि इस दौरान आपातकालीन सेवाएं प्रभावित नहीं हुई। इसको लेकर डॉक्टरों की तैनाती की गई थी। वहीं चिकित्सकों के अचानक कैजुअल लीव पर जाने के निर्णय से अस्पताल प्रबंधन को भी झटका लगा है। वहीं मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद आने वाले दिनों में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू होने की उम्मीद है।

सोलन अस्पताल में पर्ची काउंटर में लगी रोगियों की कतार।

> आईजीएमसी में रेजिडेंट डॉक्टर की बर्खास्तगी के खिलाफ सोलन अस्पातल के डॉक्टर सामूहिक अवकाश पर रहे पर इस दौरान आपातकालीन सेवाएं बहाल रही। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद डॉक्टरों ने हड़ताल को स्थगित कर दिया है। ऐसे स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू हो जाएगी।
>
> **डॉ. राकेश पंवर, एमएस, सोलन अस्पताल।**

### पर्ची काटने पर हुआ बवाल

**डॉक्टरों** के सामूहिक अवकाश के चलते अस्पताल में मरीजों को इलाज में नहीं मिल पाया। कई मरीजों ने शिकायत की कि जब अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं हैं, तो फिर पर्ची कैसे काटी जा रही है। यह सवाल उनके लिए चिंता का कारण बन गया है। वहीं एमएस ने स्पष्टीकरण दिया कि डॉक्टरों की हड़ताल नहीं है, क्योंकि वे मास्क कैजुअल लीव पर हैं, लेकिन शिमला में डॉक्टरों की एक महत्वपूर्ण मीटिंग चल रही है, जिसमें आगामी दिनो में हड़ताल की रणनीति पर चर्चा हो रही है। इस हड़ताल के कारण अस्पताल में इलाज की सेवाएं प्रभावित हुई और मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।'

## राजगढ़ सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं ठप

**अनंत ज्ञान, राजगढ़।** प्रदेशभर में डॉक्टरों की सामूहिक हड़ताल का असर राजगढ़ सिविल अस्पताल में भी साफ नजर आया। अस्पताल के सभी डॉक्टर कैजुअल लीव पर चले जाने से ओपीडी सहित आपात सेवाएं प्रभावित रहीं। इलाज के लिए दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और कई मरीज बिना इलाज के ही वापस लौटने को मजबूर हुए। प्रदेशभर के चिकित्स्कों के साथ राजगढ़ सिविल अस्पताल के चिकित्सक भी अवकाश पर रहे। यह अस्पताल नोहराधार, हरिपुरधार, पझौता सहित आसपास के दूरदराज क्षेत्रों की बड़ी आबादी के लिए एकमात्र सहारा है। ठंड के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों से लोग 40 से 50 किलोमीटर का सफर तय कर अस्पताल पहुंचे। मरीजों ने बताया कि उन्हें डॉक्टरों की हड़ताल या अवकाश की कोई पूर्व सूचना नहीं थी। कई लोग सुबह-सुबह घर से निकलकर दो से तीन घंटे तक बसों में सफर कर अस्पताल पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि आज कोई भी चिकित्सक उपलब्ध नहीं है। इस बीच चिकित्सकों ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि वे मजबूरी में सामूहिक अवकाश पर जाने को बाध्य हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम मरीजों को परेशान करने के उद्देश्य से नहीं उठाया गया है।

## नप की अनदेखी से मूलभूत सुविधाओं को तरस रही यशवंत विहार कॉलोनी

**अनंत ज्ञान, नाहन।** हिमाचल निर्माता डॉ. यशवंत सिंह परमार के नाम पर बनी जिले की पहली और शहर की सबसे 'पॉश' मानी जाने वाली यशवंत विहार कॉलोनी आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। यशवंत विहार कल्याण समिति के अध्यक्ष संजय ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में कॉलोनी की लंबित समस्याओं को लेकर व्यापक रोडमैप तैयार किया गया। बैठक में समिति के दर्जनों पदाधिकारियों व सदस्यों ने भाग लिया। समिति के अध्यक्ष संजय ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह बड़े दुर्भाग्य का विषय है कि शहर की प्रमुख कॉलोनी होने के बावजूद यहां के लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने टीसीपी और नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि यह समझ से परे है कि बिना पार्क और बिना सीवरेज लाइन जैसे अनिवार्य प्रावधानों के, डेवलपर को प्लॉट बेचने की अनुमति कैसे दे दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल्डर द्वारा न तो बच्चों के लिए पार्क बनाया गया है और न ही सीवरेज की व्यवस्था की गई है, जिससे निवासी गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। बैठक के दौरान समिति सदस्य संदीप चौहान, विजयपाल सिंह, योगेंद्र ठाकुर, प्रोमिला ठाकुर, सत्यप्रकाश, सोनीराम, चमन सिंह ठाकुर, लेखराज और विजय शर्मा आदि ने डिग्री कॉलेज के पीछे नेशनल हाईवे पर स्थित 'ब्लैक स्पॉट' की ओर अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त, स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की कमी, उखड़ी हुई सड़कों, पेयजल किल्लत, रेन शेल्टर का अभाव और सामूहिक नल की व्यवस्था न होने जैसे गंभीर मुद्दे उठाए। अध्यक्ष संजय ने बताया कि नाहन के विधायक अजय सोलंकी के प्रयासों से गायत्री मंदिर परिसर के आंगन के लिए 5 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं, जिसके लिए समिति ने विधायक का आभार व्यक्त किया।

## न्यूज ब्रीफ

### पंकज बने भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक

**अनंत ज्ञान, सोलन।** व्यापार मंडल सोलन के महासचिव पंकज वर्मा को भाजपा सोलन ने जिला व्यापार प्रकोष्ठ का संयोजक बनाया है। भाजपा शहरी मंडल सोलन के अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने उम्मीद जताई कि पंकज वर्मा की नियुक्ति से मंडल और अधिक सशक्त होगा तथा व्यापारियों के हित, संगठन की मजबूती और क्षेत्र के विकास के लिए दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन होगा।

### ब्लास्टिंग को लेकर लापरवाही का मामला दर्ज

**अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट।** दाड़लाघाट थाना क्षेत्र में कंपनी प्रबंधन द्वारा की गई ब्लास्टिंग को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने धारा 125 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार यह अभियोग प्रताप सिंह ठाकुर निवासी गांव बरयाल, डाकघर मांगूघाट, तहसील अर्की, जिला सोलन की शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि कंपनी द्वारा आज माइनिंग एरिया में ब्लास्टिंग की गई, जिसमें लापरवाही बरती गई। ब्लास्टिंग के दौरान भारी पत्थर उड़कर उनके घर की दीवार के पास आ गिरे, जिससे जान-माल का नुकसान होने की आशंका बनी रही। हालांकि, इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन शिकायतकर्ता का कहना है कि कंपनी प्रबंधन द्वारा की जा रही लापरवाही ब्लास्टिंग के कारण भविष्य में किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता है। ब्लास्टिंग के दौरान उड़कर आए पत्थर उनकी निजी भूमि में गिरे, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। शिकायत के आधार पर दाड़लाघाट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी दाड़लाघाट नवीन झाल्टा का कहना है कि ब्लास्टिंग में लापरवाही बरतने वाले कंपनी कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जा रही है और जांच के बाद नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

### संस्कृति को समझने बुर्शिंग महादेव पहुंचे छात्र

**अनंत ज्ञान, नाहन।** डॉ. वाईएस परमार स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नाहन के इंग्लिश विभाग का एक दल जिला सिरमौर के पच्छाद स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बुर्शिंग महादेव पहुंचा। इस शैक्षणिक भ्रमण को कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. वैभव शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित इस एक्सपोज़र टूर का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक नेगी ने किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों ने मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान स्टूडेंट्स ने मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर सामाजिक जिम्मेदारी का भी परिचय दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर रीना, प्रोफेसर विनोद सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

### चायल में इंटर स्कूल प्रतियोगिताएं हुईं शुरू

**प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान, कंडाघाट।** चायल के सौजन्य से इंटर स्कूल प्रतियोगिता शुरू हुई। दो दिवसीय प्रतियोगिता के उद्घाटन में राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल चायल के प्रशासनिक अधिकारी मेजर कपिल शालीमाड बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता आयोजक श्रीजी परिवार ट्रस्ट के श्रीहित अभय शर्मा ने कहा कि सेवा की विरासत के एक वर्ष के उपलक्ष्य में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें पांच स्कूलों के 120 छात्र प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन ड्राइंग, डिबेट, क्विज प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त वॉलीबॉल अंडर 14, अंडर-19 शुरू हुई। फाइनल मुकाबलों के साथ शनिवार को यह प्रतियोगिता संपन्न होगी। मुख्यातिथि ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से विद्यार्थियों की प्रतिभा और व्यक्तित्व का विकास होता है। इन प्रतियोगिताओं का लक्ष्य विजय होना ही नहीं, बल्कि इससे शिक्षा लेना होता है।

### प्राचीन मंदिरों पर कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान, सोलन।** राजधानी दिल्ली में प्राचीन मंदिरों पर हो रही कथित कार्रवाई व ध्वस्तीकरण के विरोध में शुक्रवार को सोलन में लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। विभिन्न हिंदू संगठनों व स्थानीय नागरिकों ने एकजुट होकर रैली निकाली और जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान लोगों के हाथों में तख्तियां और बैनर थे, जिन पर हमारी जमीन वापस करो' 'हमारे मंदिरों की रक्षा करो' जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि दिल्ली के करोल बाग क्षेत्र में स्थित मंदिर श्री गुरु गोरखनाथ, मंदिर गोदिया और मंदिर नाथ सहित कई प्राचीन धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि ये मंदिर वर्षों से आस्था का केंद्र रहे हैं और इन पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। रैली में महिलाओं व बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

### डॉ. राघव के समर्थन में पांवटा साहिब बाजार बंद

**अनंत ज्ञान, नाहन।** आईजीएमसी शिमला में चिकित्सक और मरीज के बीच हुई हाथापाई के मामले में डॉक्टर राघव की बर्खास्तगी के विरोध में पांवटा साहिब में शुक्रवार को दोपहर एक बजे तक पूरा बाजार बंद रखा गया। डॉक्टर राघव के समर्थन में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के बाद अब सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल और बुद्धिजीवियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। बताया गया कि वीरवार देर शाम पांवटा साहिब में आयोजित बैठक में बाजार बंद रखने का निर्णय लिया गया। लोगों का आरोप है कि सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले में असाधारण तेजी दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर जांच पूरी कर बर्खास्तगी की कार्रवाई की, जबकि प्रदेश में कई गंभीर मामले वर्षों से लंबित हैं। पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता विनय शर्मा और पार्षद डॉ. रोहताश नागिया ने भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि बर्खास्तगी वापस न ली गई, तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

### गुरु गोबिंद सिंह के घोड़े का स्टेचू स्थापित

**अनंत ज्ञान, नाहन।** पांवटा साहिब में बद्रीपुर के गुरु गोबिंद सिंह चौक पर शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में घोड़े के स्टेचू को स्थापित किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेता अवनीत सिंह लांबा ने इस घोड़े के स्टेचू का अनावरण किया। इस दौरान उनके साथ बाबा मान सिंह, जीवन सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान अवनीत सिंह लांबा ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह चौक पर गुरु गोबिंद सिंह के घोड़े के स्टेचू का अनावरण करने का सौभागय प्राप्त हुआ। इसके लिए गुरुद्वारा प्रंधक कमेटी पांवटा साहिब व अन्य सभी लोगों का धन्यवाद करते हैं। अभी शहीदी दिवस के साथ-साथ गुरु गोबिंद सिंह का 359 महान प्रकाश उत्सव पांवटा साहिब में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसके चलते विशाल नगर कीर्तन भी निकाला जाएगा। इस कड़ी में गुरु गोबिंद सिंह चौंक पर गुरु गोबिंद सिंह के स्टेचू का अनावरण किया गया।

## हिंदू सम्मेलन में बड़ी संख्या में जुटे लोग

**अनंत ज्ञान, सराहां।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश में हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को खंड सराहां में भी भव्य हिंदू सम्मेलन किया गया। इसमें सैकड़ों लोगों ने भारी संख्या में भाग लिया। हिंदू संगठन के नेता विनोद शर्मा ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष को भव्य बनाने के लिए पूरे देश में मंडल स्तर तक हिंदू सम्मेलन मनाया जा रहा है। सराहां में इस सम्मेलन में महिला शक्ति, बुजुर्ग और युवाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और इस सम्मेलन में मुख्य रूप से व्यास कथाकार वैरेश मैत्रेय जी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह काश्मीर जी व अशोक जी का उद्बोधन लोगो को सुनने को मिला और सभी वक्ताओं ने अपने सनातन धर्म और संस्कृति और सभी हिन्दुओं को इकट्ठे रहकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए देश हित के लिए जीने के लिए सर्वोपरि बताया और यह भी कहा कि अपना धर्म, संस्कृति, राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए अपने जीवन को आनंद से जीना चाहिए।

## परवाणू में पुलिस ने दो युवकों को 3 .5 ग्राम चिट्टे के साथ किया गिरफ्तार

**अनंत ज्ञान, सोलन**

पुलिस थाना परवाणू की टीम थाना परवाणू के क्षेत्राधिकार में गश्त व अपराधों की रोकथाम के लिए रवाना थी, जब उक्त टीम तंबू मोड़ पहुंची, तो गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सड़क के साथ दो व्यक्ति, जो आग जलाकर बैठे थे, वह पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगे, जिन्हें पुलिस टीम द्वारा काबू किया गया।

पूछताछ करने पर उक्त दोनों व्यक्तियों के नाम पते तरुण शर्मा पुत्र बलदेव शर्मा निवासी गांव कैंथी डाकखाना गाइघाट तहसील कसौली जिला सोलन उम्र 27 वर्ष व देव राज पुत्र चिंत राम निवासी गांव कैंथी डाकखाना गाईघाट तहसील कसौली जिला सोलन उम्र 29 वर्ष मालूम हुए तथा तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 3.5 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया गया। इस पर उपरोक्त अभियोग पुलिस थाना परवाणू में पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान दोनों आरोपियों से गहनता से पूछताछ की गई व दोनों आरोपियों के पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। मामले में जांच जारी है।

## नासिर यूसुफजई की गजलों के संग्रह का विमोचन

**अनंत ज्ञान, नाहन।** गजलकार नासिर यूसुफजई की पांचवीं पुस्तक कब याद न आए वो आए.., का विमोचन समारोह हुआ। इसमें उच्च शिक्षा उपनिदेशक सिरमौर डॉ. हिमेंद्र बाली ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। डॉ. हिमेंद्र बाली ने माहिया संग्रह कब याद न वो आये.., का लोकार्पण कर पहली प्रति साहित्यकार प्रभात कुमार को प्रदान की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नासिर यूसुफजई प्रदेश के जाने माने लेखक हैं, इनकी बहुत अच्छी पुस्तकें निकली हैं। यह गौरव का विषय है कि इनके जैसा कलाकार नाहन से है। माहिया संग्रह पंजाब की विद्या है, जिसपे नासिर ने बहुत अच्छा कार्य किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इनकी अभिव्यक्ति विभिन्न पुस्तकों के माध्यम से पाठकों के बीच पहुंचेगी।

## गुरु गोबिंद के चारों साहिबजादों की अमर शहादत को किया नमन

भाजपा नेता साहिबजादों की अमर शहादत को श्रद्धांजलि देते हुए।

**अनंत ज्ञान, सोलन**

वीर बाल शहीदी दिवस पर सपरून गुरुद्वारा साहिब में भाजपा सोलन शहरी मंडल ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने गुरुद्वारा साहिब में शीश नवाकर गुरु गोबिंद सिंह महाराज के चारों साहिबजादों की अमर शहादत को नमन किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान गुरुद्वारा साहिब में चारों साहिबजादों की शहादत को स्मरण करते हुए अरदास की गई। उन्होंने धर्म, देश और मानवता की रक्षा के लिए दिया गया यह महान बलिदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को सत्य, साहस और त्याग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर पार्टी के मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता, कंवलजीत सिंह, संजय मलिक, धर्मेंद्र ठाकुर विनीत गोयल, अनिल शांता धीमान, करमचंद शर्मा, बादल नाहर समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## एमएसएमई के लिए स्मार्ट समाधान प्रस्तुत किए

एआई आधारित ऑटोमेशन, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग विषयों पर उद्यमियों को किया जागरूक।

**अनंत ज्ञान, सोलन**

लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग केंद्र मंत्रालय एवं उद्योग विभाग सोलन के संयुक्त तत्वावधान में स्मार्ट लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम (एमएसएमई) उद्योग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला की अध्यक्षता उद्योग विभाग सोलन के महाप्रबंधक सुरेंद्र ठाकुर ने की। सुरेंद्र ठाकुर ने कहा कि लघु, सूक्ष्म व मध्यम उद्योगों को भविष्य में प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए एआई आधारित ऑटोमेशन, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग करना चाहिए। इससे जहां उद्योगों की उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। वहीं, त्रुटियों में भी कमी आएगी। डिजिटल परिवर्तन विशेषज्ञ सुखप्रीत सिंह ने इस अवसर पर डिजिटल परिवर्तन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के प्रतिनिधियों को उद्योग 4.0 समाधानों, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग टूल्स और सरल एवं सुलभ डिजिटल अपनाने की रणनीतियों के बारे में सारगर्भित जानकारी प्रदान की। सीईएल स्मार्ट एमएसएमई टीम ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं पूरे उद्योग क्षेत्र को सशक्त, तकनीकी रूप से उन्नत, और भविष्य के स्मार्ट उद्योग मॉडल से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

उन्होंने उद्योग विभाग सोलन तथा सभी सहयोगी संस्थानों का सफल आयोजन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र सोलन के अधिकारी एवं सोलन क्षेत्र के उद्यमी उपस्थित थे।

## दो करोड़ के बजट के बदले लगा दिए 11 करोड़ रुपए के टेंडर: बलदेव तोमर

**अनंत ज्ञान, नाहन**

लोक निर्माण विभाग शिलाई मंडल में भ्रष्टाचार चरम पर है। विभाग द्वारा मंत्री के चहतों ठेकेदारों को रेवड़िया बांटी जा रही है। लोक निर्माण विभाग शिलाई डिवीजन को केंद्र सरकार के पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) के तहत 2 करोड़ रुपए का बजट आया था।

इस बजट के अगेंस्ट पीडब्ल्यूडी विभाग ने 11 करोड़ के टेंडर लगा दिए। यह बात पांवटा साहिब में आयोजित पत्रकार वार्ता में शिलाई के पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता बलदेव तोमर ने कही। शिलाई पीडब्ल्यूडी डिवीजन में सितंबर और अक्तूबी महीने में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार सामने आया है। केंद्र सरकार के पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट के तहत विभाग को 2 करोड़ रुपए का बजट आवंटित हुआ था। इस बजट के अगेंस्ट पीडब्ल्यूडी विभाग के तत्कालीन अधिकारी ने काबीना मंत्री, चहेते ठेकेदारों के 11 करोड़ रुपए के 317 टेंडर लगा दिए, जो अधिकारी 31 अकतूबर 2025 को रिटायर हुआ, उसने उसी दिन 5 बजे के बाद इन टेंडरों की बिट खोली। मंत्री के करीबियों को टेंडर आवंटित करने के लिए उक्त अधिकारी ने ऑनलाइन टेंडर नोटिस में नाम और स्थान ही शो नहीं किया, जिसके चलते अन्य लोग टेंडर में हिस्सा नहीं ले सके। 31 अक्तूबर को सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी ने 5 बजे के बाद टेंडर खोले। इसके सबूत उनके पास मौजूद हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार व ईएनसी पीडब्ल्यूडी से मांग की है कि विभाग द्वारा शिलाई डिवीजन में लगाए गए 317 टेंडर की जांच की जाए और उन्हें निरस्त किया जाए। पीडब्ल्यूडी विभाग ने शिलाई डिवीजन के सब डिवीजन सतौन में सबसे अधिक 150 टेंडर, रोनहाट में 100 टेंडर, जबकि कमरोऊ, टिंबी और शिलाई सब डिवीजन में 25-25 टेंडर ऑनलाइन और ऑफलाइन लगाए हैं।

## भूमि अधिग्रहण पर 29 को होगी जन सुनवाई

**अनंत ज्ञान, सोलन।** उपमंडलाधिकारी एवं उपमंडल समाहर्ता कंडाघाट गोपाल चंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश भूमि अधिग्रहण, पुनर्स्थापना एवं पुनर्वास में उचित मुआवजा और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 5 के अंतर्गत अधिसचूना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार उपमंडल कंडाघाट में उपतहसील ममलीग के महाल मझयारी में भूमि अधिग्रहण के विषय में 29 को प्रातः 11 बजे हिमुडा कार्यालय मझयारी में जन सुनवाई होगी। आवास व शहरी विकास प्राधिकरण (हिमुडा) की ओर से जाठिया देवी में माउंटेन टाउनशिप परियोजना के लिए महाल मझयारी में भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव है। सामाजिक प्रभाव समाघात इकाई, एमएसएसएचआईपीए-फेयरलान शिमला द्वारा भूमि अधिग्रहण, पुनर्स्थापना और पुनर्वास में उचित मुजावजा और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 के अधीन सामाजिक प्रभाव समाघात आकलन रिपोर्ट व सामाजिक प्रभाव समाघात प्रबंधन योजना तैयार की है।

## भूमि बेदखली मामले पर सुप्रीमकोर्ट ने दिया ऐतिहासिक फैसला: नरेश

**अनंत ज्ञान, राजगढ़**

सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण बारे माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय से हिमाचल प्रदेश में लाखों गरीब व सीमांत परिवारों को राहत मिली है।

सुप्रीमकोट के वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश कुमार तोमर ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि उनके द्वारा राजगढ़ सवाणा निवासी उजागर सिंह बनाम राज्य सरकार बारे याचिका माननीय सुप्रीमकोर्ट में दायर की गई थी। इस याचिका के अनुसार उजागर सिंह पुश्तों से जिस भूमि पर अपने परिवार के साथ काश्त कर रहा था वह भूमि बाद में वन विभाग के नाम पाई गई है । इस याचिका पर माननीय सुप्रीमकोर्ट ने 16 दिसंबर, 2025 को सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किए गए परिवार को बेदखल न करने बारे अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इससे समूचे प्रदेश में सरकारी भूमि पर रहने वाले परिवारों राहत मिली है। इसी कड़ी में शीर्ष अदालत ने हिमाचल प्रदेश सरकार को इस बारे नीति तैयार करने के निर्देश दिए ताकि जिस परिवार की आजीविका केवल अतिक्रमण भूमि पर चल रही है । ऐसे परिवारों द्वारा अतिक्रमण की गई भूमि को नियमित करने के लिए ठोस नीति बनाई जाए। अधिवक्ता नरेश कुमार तोमर ने बताया कि सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण बारे सबसे पहले वर्ष 2014 में माननीय हाईकोर्ट शिमला में याचिका दायर की गई थी। तदोपरांत वर्ष 2015 में इसी विषय बारे एक अन्य अतिक्रमण बारे याचिका दायर हो गई।

इन दोनों याचिकाओं का माननीय हाईकोर्ट ने वर्ष 2018 में निपटारा किया गया था और राज्य सरकार को अतिक्रमण बारे ठोस नीति बनाने बारे कहा गया था परंतु किसी भी सरकार ने इस दिशा में कोई प्रभावी पग नहीं उठाए और सरकारी भूमि पर रह रहे गरीब परिवारों पर बेदखली की तलवार लटक रही थी जिसके भय से ऐसे परिवार काफी तनाव में थे। अधिवक्ता ने बताया कि सरकारी भूमि पर रह रहे ऐसे परिवारों को यदि बेदखल किया जाता तो प्रदेश में असंख्य परिवार सड़क पर आ जाने थे । माननीय सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले से लाखों गरीब व सीमांत परिवारों को एक राहत मिली है।

**प्रदर्शन** 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन की राज्यस्तरीय हड़ताल जारी, धर्मपुर में प्रदर्शन

## कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम के खिलाफ जताया रोष

**अनंत ज्ञान, सोलन**

एंबुलेंस सेवा 108 और 102 कर्मचारी यूनियन (संबद्ध सीटू) की राज्य कमेटी के आह्वान पर शुक्रवार को देशव्यापी दो दिवसीय हड़ताल के अंतर्गत सोलन के धर्मपुर स्थित मेडसवान फाउंडेशन के कार्यालय के बाहर एक विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया गया।

इस प्रदर्शन में जिला सोलन के सभी 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मचारियों ने एकजुट होकर भाग लिया। यूनियन ने स्पष्ट किया कि यह हड़ताल किसी जल्दबाजी या टकराव की मानसिकता का परिणाम नहीं, बल्कि सालों-साल शांतिपूर्ण तरीके से मांगें उठाने, ज्ञापन देने और वार्ता का प्रयास करने के बावजूद कोई सुनवाई न होने के कारण मजबूरी में लिया गया निर्णय है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने मेडसवान फाउंडेशन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और न्यूनतम वेतन न मिलने, 12 घंटे ड्यूटी के बावजूद ओवरटाइम भुगतान न होने, छुट्टियों के अभाव, ईपीएफ-ईएसआई में अनियमितताओं, यूनियन नेताओं की प्रताड़ना तथा श्रम कानूनों के खुले उल्लंघन के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया। इस अवसर पर प्रदर्शन को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश 108 एवं 102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधियों उत्तम सिंह एवं दिनेश ने कहा कि एंबुलेंस कर्मचारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनता की जीवन रक्षक सेवा कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बुनियादी श्रम अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। उच्च न्यायालय, लेबर कोर्ट, सीजेएम कोर्ट शिमला तथा श्रम विभाग के स्पष्ट आदेशों के बावजूद भी मेडसवान फाउंडेशन द्वारा श्रम कानूनों का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है। सीटू के जिला महासचिव मोहित वर्मा ने कहा कि जब तक कर्मचारी शांत रहे, तब तक सरकार और प्रबंधन दोनों चुप रहे, लेकिन जैसे ही कर्मचारियों ने मजबूरी में हड़ताल का रास्ता अपनाया, वैसे ही इएसएमए लगाकर दमन का रास्ता अपनाया गया, जो सरकार की असफलता और मजदूर विरोधी रवैये को उजागर करता है। सीटू के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार ने कहा कि एंबुलेंस कर्मचारी जीवन रक्षक सेवा से जुड़े हुए हैं और उनके साथ किया जा रहा यह व्यवहार न केवल अमानवीय है, बल्कि संविधान और श्रम कानूनों के भी खिलाफ है।

सोलन के धर्मपुर स्थित कार्यालय में प्रदर्शन करते कर्मचारी।

उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों की जायज मांगों पर तुरंत ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। सीटू के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष दलजीत सिंह ने कहा कि यूनियन नेताओं व सक्रिय कर्मचारियों के मनमाने तबादले, मानसिक प्रताड़ना तथा महीनों तक ड्यूटी से बाहर रखना ट्रेड यूनियन अधिनियम व औद्योगिक विवाद अधिनियम का खुला उल्लंघन है। सीटू के जिला कोषाध्यक्ष ओम दत्त शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम, ईपीएफ-ईएसआई व अन्य वैधानिक लाभों से वंचित रखना सीधे-सीधे श्रम कानूनों की अवहेलना है और सरकार को इसमें तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। यूनियन ने स्पष्ट किया कि यह प्रदर्शन कल भी जारी रहेगा और प्रदेशभर में दो दिवसीय हड़ताल के माध्यम से सरकार और प्रबंधन पर दबाव बनाया जाएगा, ताकि कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगों का समाधान हो सके। अंत में यूनियन ने सरकार और मेडसवान फाउंडेशन से मांग की कि कर्मचारियों के शोषण को तुरंत बंद किया जाए, माननीय न्यायालयों के आदेशों को लागू किया जाए तथा सभी श्रम कानूनों को पूरी तरह लागू करते हुए कर्मचारियों की जायज मांगों को अविलंब पूरा किया जाए।

## आईजीएमसी मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ सुनिश्चित हो समान कानूनी कार्रवाई: डॉ. कश्यप

**अनंत ज्ञान, सोलन**

भाजपा नेता डॉ. राजेश कश्यप ने कहा कि शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में हाल ही में घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना।

इसमें एक रेजिडेंट डॉक्टर और मरीज/तीमारदारों के बीच टकराव सामने आने से प्रदेश की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि वीडियो वायरल होने के बाद सरकार द्वारा डॉक्टर के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की गई, जो कि पेशेवर मर्यादा के दृष्टिकोण से आवश्यक हो सकती है, लेकिन यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि घटना में शामिल अन्य पक्षों-जिन पर डॉक्टर को धमकाने व शारीरिक रूप से हमला करने के आरोप हैं उनके विरुद्ध अब तक कोई स्पष्ट व समान कार्रवाई सामने नहीं आई है। यह स्थिति न्याय व निष्पक्षता के सिद्धांतों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की गलती के रूप में नहीं देखी जानी चाहिए, जैसे तृतीयक अस्पतालों में अत्यधिक भीड़, स्टाफ की कमी, लंबे कार्य घंटे और सुरक्षा व्यवस्था का अभाव, डॉक्टरों और मरीजों दोनों के लिए तनावपूर्ण वातावरण बनाता है, ऐसी परिस्थितियों में संवाद की छोटी-सी चूक भी बड़े टकराव का कारण बन सकती है। प्रदेश के डॉक्टर संगठनों व चिकित्सा समुदाय का मानना है कि एकतरफा और दबाव में लिए गए निर्णय स्वास्थ्यकर्मियों का मनोबल गिराते हैं तथा 'भीड़ के न्याय' को

प्रोत्साहित करते हैं। इससे भविष्य में डॉक्टरों की कार्यक्षमता और जनसेवा की भावना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हम मांग करते हैं कि घटना की निष्पक्ष व समयबद्ध जांच कराई जाए। दोनों पक्षों के खिलाफ समान कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो। अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। मरीजों की शिकायतों के लिए पारदर्शी तंत्र विकसित किया जाए। स्वास्थ्यकर्मियों को हिंसा से कानूनी संरक्षण दिया जाए। डॉ. राजेश ने सरकार से आग्रह किया कि वह तात्कालिक लोकप्रिय निर्णयों के बजाय दीर्घकालिक व संस्थागत सुधारों पर ध्यान दें, ताकि अस्पताल सेवा व विश्वास के केंद्र बने रहें, न की टकराव के।

## न्यूज ब्रीफ

### वीर बाल दिवस पर राष्ट्रपति ने ज्योति को किया सम्मानित

**अनंत ज्ञान, सिरसा।** सिरसा जिले के पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा की 11वीं कक्षा की दिव्यांग छात्रा ज्योति को पैरा एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वीर बाल दिवस पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया। ज्योति अब तक विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई स्वर्ण और रजत पदक जीत चुकी है। ऐलनाबाद खंड की रहने वाली ज्योति जन्म से ही लोकोमोटर विकलांगता से ग्रसित है, लेकिन कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसने मेहनत और दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल किया। उसके पिता विजयपाल जेसीबी मशीन ऑपरेटर हैं। वर्ष 2020 में कोरोना काल के दौरान ज्योति का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में कक्षा छठी के लिए हुआ। 2022 में आदित्य मेहता फाउंडेशन के कैंप के दौरान उसकी प्रतिभा को पहचान मिली और उसे डिस्कस थ्रो, शॉटपुट व भाला फेंक में प्रशिक्षण दिया गया। आगे की पढ़ाई व प्रशिक्षण के लिए वह जवाहर नवोदय विद्यालय रंगा रेड्डी, हैदराबाद भेजी गई। विद्यालय के प्राचार्य ललित कालड़ा ने ज्योति को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### हरियाणा में 18 मार्च को होंगे बार काउंसिल चुनाव

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** पंजाब-हरियाणा बार काउंसिल के चुनाव मार्च 2026 में आयोजित किए जाएंगे। चंडीगढ़ में 17 मार्च को मतदान होगा, जबकि हरियाणा के सभी जिलों में जिला स्तर पर 18 मार्च को वोटिंग कराई जाएगी। चुनावों की तैयारियों को लेकर न्याय प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने शुक्रवार को जिला उपायुक्तों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डॉ. मिश्रा ने सभी उपायुक्तों को चुनाव के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक और लॉजिस्टिक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए। बार काउंसिल के रिटर्निंग ऑफिसर ने मतदान प्रक्रिया की निगरानी और संचालन के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों की तैनाती का अनुरोध किया है, जिस पर उपायुक्तों को समन्वय और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूचियों का अद्यतन, उपयुक्त मतदान केंद्रों की पहचान, बुनियादी ढांचे की व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और मतदाता सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। चुनाव की रियल-टाइम निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी। डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा सरकार पारदर्शी, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित बार काउंसिल चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रशासन का अनुभव इस प्रक्रिया को सफल बनाएगा।

### गुरुग्रामः अश्लील वीडियो बनाकर युवती से ठगे 1.43 लाख

**अनंत ज्ञान, गुरुग्राम।** अपराध शाखा मानेसर क्षेत्र में जालसाजों द्वारा एक युवक व युवती के साथ अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर युवक से एक लाख 43 हजार रुपए की ठगी कर ली। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि युवती की शिकायत पर केस दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस को दी शिकायत में झज्जर निवासी मनबीर ने बताया कि वह जिला के गांव नानूकलां में किराए पर रहता है। बीती नौ दिसंबर को उसके व्हॉट्सअप पर एक वीडियो कॉल आई। मनबीर ने कॉल रिसीव की तो उसमें एक युवती थी। कुछ देर बाद कॉल कट गई। इसके बाद उसी नंबर से व्हॉट्सअप कॉल आई, जिसमें मनबीर से कहा गया कि उसकी न्यूड युवती के साथ वीडियो बनाई गई है। मनबीर को इसकी फोटो भी भेजी गई, जिसे कुछ देर में ही डिलीट कर दिया गया। मनबीर को यूट्यूब पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई। इसके बाद मनबीर के पास एक कॉल आई, जिसमें कॉलर ने खुद को दिल्ली अपराध शाखा का एसीपी दिनेश कुमार बताया। कॉलर ने मनबीर से कहा कि उन्हें ईमेल के जरिए उसकी अश्लील वीडियो मिली है। गिरफ्तारी से बचने के लिए मनबीर को वीडियो डिलीट करवाने के लिए यूट्यूब मैनेजर पंकज कुमार का नंबर दिया गया। मनबीर ने उस नंबर पर बात की तो उसने वीडियो डिलीट करने के लिए 51,500 रुपए मांगे। मनबीर ने पेमेंट कर दी। इसके बाद 91 हजार 500 रुपए और मांगे गए। मनबीर ने दो बार में यह भुगतान भी कर दिया। इसके बाद भी जब उससे एक लाख 21 हजार रुपए और मांगे गए तो मनबीर के समझ आ गया कि उसके साथ धोखाधड़ी हो रही है।

# वीर बाल दिवस पर सीएम सैनी बोले–बलिदान भारत की चेतना

## साहिबजादों के सर्वोच्च त्याग को नमन, युवाओं से गुरुओं के आदर्श अपनाने का आह्वान

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बलिदान भारत की चेतना है। गुरु तेग बहादुर के परिवार ने धर्म व आत्म सम्मान की रक्षा के लिए अपने पूरे परिवार की कुर्बानी दे दी। ऐसे बलिदानियों द्वारा दिखाए गए रास्तों पर हरियाणा सरकार अमल करते हुए गुरुओं की शिक्षाओं व बलिदान को जन-जन तक पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को सिरसा के चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में साहिबजादों जोरावर सिंह व फतेह सिंह के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने साहिबजादों की शौर्य गाथा से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर से लेकर चारों साहिबजादों ने धर्म की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, उस तरह की मिसाल कहीं नहीं मिलती। गुरुओं व बलिदानियों की धर्म व आत्म सम्मान की रक्षा के लिए शहादत दी गई, उससे युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर में गुरु तेग बहादुर व उनके परिवार द्वारा दी गई शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया है। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार प्रदेशभर में बलिदानियों के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सात व नौ साल की उम्र में फतेह व जौरावर ने धर्म की रक्षा के लिए खुद को जिंदा चिनवा दिया, लेकिन अन्याय व असत्य के खिलाफ झुकना स्वीकार नहीं किया। प्रदेश के 6 लाख बच्चों में ऐसे शहीदों व बलिदानियों से जुड़ी शौर्य गाथा से संबंधित चार भाषाओं में प्रतियोगिता करवाई गई। 3450 स्कूलों में लेख लिखे गए ताकि आने वाली पीढ़ी इतिहास पढ़कर समाज व राष्ट्र की मजबूती के लिए काम कर सके।

उन्होंने कहा कि युगों-युगों तक सिख गुरुओं का यह बलिदान धर्म व आत्म सम्मान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार हर पीड़ित व वंचित के लिए काम कर रही है। पिछले दिनों सरकार ने 1984 में सिख दंगों के दौरान पीड़ित 121 परिवारों को नौकरी देने का फैसला किया। मुख्यमंत्री ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों को नकद राशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार जगदीश सिंह झींडा ने कहा कि हरियाणा सरकार नई पीढ़ी को सिख गुरुओं की वीरता, शौर्य व बलिदान से परिचित करवाकर सराहनीय कार्य कर रही है, ताकि समाज व राष्ट्र को मजबूती मिल सके।

# सीपीडीएल–सीसीए पंजाब ने रिन्यूएबल एनर्जी के लिए एमओयू किया साइन

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़**

चंडीगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (सीपीडीएल) ने शुक्रवार को कंट्रोलर ऑफ कम्युनिकेशन अकाउंट्स (सीसीए) पंजाब के साथ रिन्यूएबल एनर्जी खरीदने और स्ट्रक्चर्ड एनर्जी मैनेजमेंट पहल को लागू करने के लिए एमओयू साइन किया। इस साझेदारी का उद्देश्य लंबे समय तक ऊर्जा लागत में बचत, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और भारत सरकार के स्वच्छ ऊर्जा और सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों का समर्थन करना है।

**चंडीगढ़ में सस्टेनेबल पावर और लागत बचत को बढ़ावा**

एमओयू के तहत सीपीडीएल–सीसीए पंजाब के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ रिन्यूएबल पावर सप्लाई करेगा, जिससे चंडीगढ़ की सभी सुविधाओं में सस्टेनेबल और कॉस्ट-एफेक्टिव ऊर्जा उपयोग सुनिश्चित होगा। इस पहल से ऑप्टिमाइज्ड पावर कॉस्ट के जरिए वित्तीय बचत, सरप्लस पावर के उपयोग से अतिरिक्त लाभ और लंबे समय तक ऊर्जा की विश्वसनीयता में सुधार होने की उम्मीद है। सीपीडीएल डायरेक्टर अरुण कुमार वर्मा ने कहा कि यह कदम सार्वजनिक संस्थानों के लिए सस्टेनेबल, भरोसेमंद और किफायती पावर इकोसिस्टम बनाने की दिशा में निर्णायक है। सीपीडीएल प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर को भी बढ़ावा दे रहा है, जिसमें चंडीगढ़ में लगभग 43,000 निजी घरों में 100 प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। यह साझेदारी चंडीगढ़ के स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की नींव रखने के साथ भारत की राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप है।

# स्टेट फुटबॉल : विवेक एफसी और सेंट जॉन्स ने जीते लीग मुकाबले

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़**

चंडीगढ़ यूथ फुटबॉल लीग फॉर स्टेट चैंपियनशिप में विवेक एफसी और सेंट जॉन्स एफसी ने अपने-अपने लीग मुकाबलों में जीत हासिल की। अंडर-13 वर्ग में संधू एफसी और सैफ्रन एरोज एफसी ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत की।

सेक्टर-46 स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में खेले गए मैच में विवेक एफसी ने बनयन ट्री एफसी को 5-1 से हराया। कबीर ने 9वें, 19वें और 23वें मिनट में हैट्रिक पूरी की, जबकि विहान और हरशान ने एक-एक गोल दागा। बनयन ट्री की ओर से हरनूर ने एकमात्र गोल किया। सेंट जॉन्स एफसी ने यूनाइटेड-39 को 5-2 से हराया। युवराज, यश, विश्व अमृत और रिशान ने गोल किए, जबकि एक गोल आत्मघाती रहा। अंडर-13 में संधू एफसी ने ब्लू स्टार को 4-1 से हराया और सैफ्रन एरोज ने राजेश्वर को 1-0 से हराया। शनिवार को यूथ लीग का रेस्ट डे रहेगा।

# वीर बाल दिवस : भाजपा चंडीगढ़ ने किया सुखमणि साहिब पाठ

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ प्रदेश ने वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर मनी माजरा गोविंदपुरा में सुखमणि साहिब पाठ और कीर्तन दरबार का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन दसवें पातशाह गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के अद्‌भुत बलिदान को नमन करते हुए किया गया।

**श्रद्धा, समर्पण और राष्ट्रभाव के साथ लंगर सेवा भी संपन्न**

पूर्व पार्षद जगतार सिंह जग्गा और प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबला कार्यक्रम के संयोजक रहे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्रपाल मल्होत्रा और हिमाचल प्रदेश सह-प्रभारी संजय टंडन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने माथा टेककर देश, प्रदेश और समाज की सुख-शांति, समृद्धि और एकता की कामना की।

कार्यक्रम में शबद-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना और अंत में सेवा, समानता और भाईचारे के प्रतीक स्वरूप लंगर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने लंगर ग्रहण किया। आयोजन राष्ट्र की मजबूती और सामाजिक सद्‌भाव के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

# ईसीजी तकनीशियन का काम नहीं करेगा नर्सिंग स्टाफ

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़**

पंचकूला सिविल सर्जन द्वारा नर्सिंग स्टाफ से ईसीजी तकनीशियन का कार्य करवाने के आदेशों का नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि वह इन आदेशों को मानने से इनकार करती है, क्योंकि ईसीजी करना क्लास-4 कर्मचारियों यानी डिप्लोमा धारक ईसीजी तकनीशियनों का कार्यक्षेत्र है।

एसोसिएशन की अध्यक्ष विनीता बांगड़ ने जारी बयान में कहा कि दस वर्ष पहले भी यह कार्य ईसीजी तकनीशियनों को ही सौंपा गया था। वर्तमान में सिविल अस्पताल पंचकूला में कुछ ईसीजी तकनीशियनों से पीएमओ कार्यालय

**वर्तमान में ईसीजी तकनीशियनों से पीएमओ कार्यालय में करवाया जा रहा क्लर्क का कार्य**

में क्लर्क का कार्य करवाया जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि ईसीजी तकनीशियन और नर्सिंग स्टाफ की अलग-अलग पोस्ट और अलग कोर्स होते हैं। नर्सिंग स्टाफ पहले ही इमरजेंसी में गंभीर मरीजों की ईसीजी करता है, लेकिन इसे नियमित कार्य बनाना अनुचित है। एसोसिएशन ने बताया कि इस मामले में उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है और शीघ्र ही महानिदेशक व अतिरिक्त मुख्य सचिव से मुलाकात की जाएगी।

## देश-विदेश

# ढाका यूनिवर्सिटी में भारत विरोधी प्रदर्शन, हादी के हत्यारे को सजा की मांग

**एजेंसी, ढाका**

बांग्लादेश में एक बार फिर भारत विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इंकिलाब मंच ने नेता उस्मान हादी की हत्या के खिलाफ न्याय की मांग करते हुए ढाका के शाहबाग इलाके में प्रदर्शन किया। इस दौरान भारत विरोधी नारे भी लगाए गए।

जुमा की नमाज के बाद ढाका यूनिवर्सिटी से जुलूस निकाला गया, जो शाहबाग पहुंचकर धरने में बदल गया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दी, जिससे इलाके में यातायात ठप हो गया। इंकिलाब मंच का कहना है कि जब तक हादी की हत्या में न्याय नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

**बांग्लादेश में हिंदू की हत्या मामले में 6 और गिरफ्तार**

शरीफ उस्मान हादी की पिछले हफ्ते हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद देश में एक बार फिर अशांति फैल गई है। प्रदर्शन के दौरान 'आई एम हादी' जैसे नारे गूंजते रहे। ढाका यूनिवर्सिटी वही जगह है, जहां जुलाई 2024 में हुए आंदोलन की रणनीति बनी थी। बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में पुलिस ने छह और लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी मयमनसिंह जिले के भालुका इलाके में छापेमारी के दौरान हुई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, इन लोगों पर आरोप है कि वे दीपू दास पर अपनी नौकरी छोड़ने का दबाव बना रहे थे। (अनंत ज्ञान)

# जेलेंस्की बोले–आज फ्लोरिडा में ट्रंप से करूंगा मुलाकात

**एजेंसी, कीव।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह रविवार को फ्लोरिडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

जेलेंस्की ने पत्रकारों को बताया कि दोनों नेता रविवार की वार्ता के दौरान यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर चर्चा करेंगे और विचाराधीन 20 सूत्री योजना "लगभग 90 प्रतिशत तैयार है।" प्रस्तावित बैठक लगभग चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में किए जा रहे व्यापक राजनयिक प्रयासों में नया घटनाक्रम है। (अनंत ज्ञान)

# कार्बी आंगलोंग हिंसा : 11 हजार लोग घरों में कैद, बाजार बंद

**एजेंसी, वेस्ट कार्बी आंगलोग**

असम के 12 लाख की आबादी वाले स्वायत्तशासी कार्बी आंगलोंग में इस समय आप किसी से भी बात करेंगे, तो शायद जवाब न मिले, क्योंकि हिंसा का खौफ लोगों के दिल और दिमाग में बैठ गया है। घरों में चूल्हे ठंडे पड़े हैं, बाजार बंद और मोबाइल सेवा भी बंद है।

22-23 दिसंबर को यहां स्थानीय कार्बी आदिवासी और 'बाहरी' लोगों के बीच हुई हिंसा में 2 की मौत हो गई थी। 60 पुलिसकर्मियों समेत 150 से ज्यादा घायल हैं। इनमें एक दिव्यांग सूरज डे को भीड़ ने जिंदा जला दिया था। सूत्रों के अनुसार पीड़ित परिवारों ने नाम न छापने की शर्त पर सिर्फ इतना बताया कि वे तीन दिन से सोए नहीं हैं। ये खौफ जिले के उन 12 गांवों में हैं, जहां विवाद है। इन गांवों में असम पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स और भारतीय सेना के लगभग एक हजार जवान तैनात हैं। कार्बी जनजाति के संगठनों का दावा है कि जिले में हमारी आबादी अब महज 35 प्रतिशत बची है। बाकी 65 प्रतिशत बाहरी हैं, जो नेपाल, यूपी और बिहार के हिंदी भाषी लोग हैं। जहां विवाद है, उन गांवों में आबादी करीब 11 हजार है। (अनंत ज्ञान)

**सेना समेत 700 जवानों का 12 गांवों में फ्लैग मार्च खौफ में हजारों बाहरी**

# सेंसेक्स 330 अंक नीचे हुआ बंद, निफ्टी भी फिसली

**एजेंसी, मंबई।** शुक्रवार, 26 दिसंबर को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए हैं। किसी नए ट्रिगर्स के अभाव और मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बीच निवेशक बिकवाली के मूड में रहे। सेंसेक्स 367 अंक या 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,041.45 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 100 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 26,042.30 पर सेटल हुआ। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत फिसला, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.34 प्रतिशत गिरा। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन पिछले सेशन के 475 लाख करोड़ रुपए से घटकर लगभग 474 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को एक ही ऐशन में लगभग एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। (अनंत ज्ञान)

# जापान में फैक्टरी कर्मियों पर हमला, 14 घायल

**एजेंसी, टोक्यो।** जापान के शिज़ुओका प्रांत में शुक्रवार को एक फैक्टरी में कर्मचारियों पर चाकू से हमला किया गया। इस हमले में कम से कम 14 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, यह घटना शाम करीब 4:30 बजे मिशिमा शहर स्थित योकोहामा रबर मिशिमा प्लांट में हुई। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हमलावर ने धारदार हथियार से 5 से 6 लोगों पर हमला किया। इसके अलावा फैक्टरी परिसर में स्प्रे जैसा तरल पदार्थ भी फैलाया। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने पुलिस और फायर विभाग के हवाले से कहा कि कुल 14 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। घायलों की हालत के बारे में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। (अनंत ज्ञान)

# मीडिएशन कानून की कमजोरी नहीं, विकास है: सीजेआई

**एजेंसी, पणजी**

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शुक्रवार को पणजी में कहा कि मध्यस्थता कानून की कमजोरी का संकेत नहीं है, बल्कि यह उसका सबसे बड़ा विकास है। यह न्याय के कल्चर से भागीदारी के कल्चर की ओर एक सच्चा बदलाव है, जहां हम सद्‌भाव पैदा करते हैं।

सीजेआई दक्षिण गोवा के सांकवाले गांव में इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल एजुकेशन एंड रिसर्च के इवेंट मिडिएशन अवेयरनेस वॉकथॉन में भाग लिया। यहां 'मध्यस्थता: आज के संदर्भ में कितना महत्वपूर्ण' विषय पर बोलते हुए उन्होंने अपनी बात रखी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि वह एक मल्टी-डोर कोर्टहाउस की ओर बदलाव की कल्पना करते हैं, जहां कोर्ट सिर्फ ट्रायल की जगह नहीं, बल्कि विवाद समाधान के लिए एक व्यापक केंद्र हो।

**देश में मल्टी-डोर कोर्ट बनें विवादों का महज ट्रायल न हो**

कार्यक्रम में उन्होंने 2 लाख मिडिएटर्स के साथ वॉकथॉन में भाग लिया। साथ ही पौधारोपण भी किया। मीडिएशन को सफल और किफायती के तौर पर स्वीकार किया जा रहा है। यह दोनों पक्षों के लिए विन-विन स्थिति है क्योंकि यह एक सेटलमेंट है। मीडिएशन के मामले में कोई भी मीडिएटर किसी भी पक्ष पर कुछ भी थोपेगा नहीं। यह सिर्फ वही है जो वे चाहते हैं या जो वे चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्टेकहोल्डर्स को एक संदेश देने के लिए 'मीडिएशन फॉर नेशन' पहल शुरू की है। यह संदेश न केवल न्याय के उपभोक्ताओं के लिए है, बल्कि बार और बेंच जैसे सीधे स्टेकहोल्डर्स के लिए भी है।

अगर लोग खुद को संवेदनशील बनाते हैं, तो वे इस बात से अवगत हो जाते हैं कि मीडिएशन एक सफल टूल है। इससे अच्छे परिणाम मिलेंगे, और ऐसा वास्तव में हुआ है। मीडिएशन वह प्रक्रिया है, जो पुराने और नए मामलों के लिए भी कारगर है। (अनंत ज्ञान)

# नाइजीरिया में आईएसआई के ठिकानों पर अमेरिका ने की एयरस्ट्राइक

**एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी**

सरकार ने कहा कि आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद से निपटने के लिए वह अमेरिका समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ लगातार सुरक्षा और खुफिया सहयोग कर रही है। इसी सहयोग के तहत नॉर्थ वेस्ट नाइजीरिया में आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के जरिए सटीक निशाना साधा गया।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह सहयोग अंतरराष्ट्रीय नियमों और द्विपक्षीय समझौतों के तहत हो रहा है। इसमें खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान, रणनीतिक समन्वय और अन्य आवश्यक समर्थन शामिल है। यह सभी गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता के सम्मान और क्षेत्रीय व वैश्विक सुरक्षा के साझा प्रतिबद्धताओं के अनुसार की जा रही हैं।

नाइजीरिया सरकार ने दोहराया कि सभी आतंकवाद-रोधी प्रयासों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता की रक्षा और सभी नागरिकों के अधिकार एवं गरिमा का संरक्षण करना है। चाहे किसी की आस्था या जातीयता कुछ भी हो, किसी भी समुदाय के खिलाफ आतंकवादी हिंसा नाइजीरिया के मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए अपमानजनक है। फेडरल सरकार अपने साझेदारों के साथ मिलकर आतंकवादी नेटवर्क को कमजोर करने, उनके वित्त पोषण और लॉजिस्टिक को बाधित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। (अनंत ज्ञान)

# चांदी 2.32 लाख के पार, सोना 1.38 लाख पहुंचा

**एजेंसी, नई दिल्ली।** सोने-चांदी के दाम शुक्रवार को लगातार चौथे दिन ऑलटाइम हाई पर हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 1 किलो चांदी की

कीमत 13,117 रुपए बढ़कर 2,32,100 रुपए प्रति किलो के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को इसकी कीमत 2,18,983 रुपए किलो थी। दस दिन में चांदी 36,920 रुपए महंगी हुई है। 12 दिसंबर को इसकी कीमत 1,95,180 रुपए प्रति किलो थी। इस साल चांदी अब तक 150% से ज्यादा का रिटर्न दे चुकी है। वहीं, सोने की कीमत 1,287 रुपए बढ़कर 1,37,914 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को सोने की कीमत 1,36,627/10 ग्राम थी। (अनंत ज्ञान)

# सिद्दीकी हत्याकांड में गायकवाड़ पर 200 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

**एजेंसी, मुंबई**

बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी अमोल गायकवाड़ के खिलाफ करीब 200 पन्नों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। इसमें लगभग 30 गवाहों के बयान शामिल हैं, जिनमें कई अहम और चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं।

जांच में पता चला कि पुणे के वारजे का रहने वाला गायकवाड़ फरार मास्टरमाइंड शुभम लोणकर के संपर्क में था और गिरफ्तार होने से पहले कई महीनों तक नासिक, सोलापुर और कोल्हापुर में ठिकाने बदलता रहा। चार्जशीट में गायकवाड़ के बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों के संपर्क की भी बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, एक से 12 अक्तूबर 2024 के बीच गायकवाड़ ने शुभम लोणकर के भाई प्रवीण लोणकर से लगातार बातचीत की। इसी दौरान बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश को अंतिम रूप दिया गया। हत्या के बाद दोनों का संपर्क बंद हुआ, लेकिन जैसे ही शुभम फरार हुआ, दोनों के बीच फिर से संपर्क शुरू हो गया।

चार्जशीट में यह भी खुलासा हुआ कि गायकवाड़ ने जुलाई 2025 में पंजाब के कपड़ा कारोबारी संजय वर्मा की हत्या में भी अहम भूमिका निभाई। उसके खिलाफ आरोप है कि उसने शूटरों को पनाह दी और उन्हें लॉजिस्टिक सपोर्ट उपलब्ध कराया। (अनंत ज्ञान)

## तर्क

### एएसजी वेंकटरमन बोले- टैक्स कम किया तो खुल जाएगा मुसीबतों का पिटारा

# केंद्र ने एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम करने का किया विरोध

**एजेंसी, नई दिल्ली**

केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट की उस याचिका का विरोध किया, जिसमें एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की मांग की गई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि इससे गरीब परिवारों के लिए साफ हवा सस्ती होगी।

सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एएसजी) एन वेंकटरमन ने अदालत को बताया कि जीएसटी दरें जीएसटी परिषद द्वारा सभी हितधारकों के विचार-विमर्श के बाद तय की जाती हैं और इन्हें रिट याचिका के जरिए रद्द नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि एयर प्यूरीफायर को 'मेडिकल डिवाइस' घोषित करना केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का अधिकार है, और इसे इस मामले में शामिल नहीं किया गया।

वेंकटरमन ने आगाह किया कि अगर टैक्स कम किया गया तो 'Pandora's Box' खुल जाएगा, यानी ऐसी प्रक्रिया शुरू हो सकती है जिससे कई अप्रत्याशित समस्याएं सामने आएंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ने अभी तक इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

याचिका में यह भी अनुरोध किया गया था कि एयर प्यूरीफायर को मेडिकल डिवाइस की श्रेणी में रखा जाए, ताकि इस पर लगने वाला जीएसटी कम हो। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि राजधानी की हवा बहुत जहरीली हो गई है, और कम से कम एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम किया जाना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

# ताइवान हथियार सौदे पर चीन ने 20 अमेरिकी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

**एजेंसी, बीजिंग।** ताइवान को 11.1 अरब डॉलर के हथियार बिक्री पैकेज को मंजूरी देने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजिंग ने ताइवान को हथियार सप्लाई से जुड़ी अमेरिका की 20 रक्षा कंपनियों और 10 वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान मुद्दा उसके मूल हितों से जुड़ा है और यह चीन-अमेरिका संबंधों की 'लक्ष्मण रेखा' है। मंत्रालय ने अमेरिका से एक-चीन सिद्धांत का पालन करने और ताइवान को हथियार देने की प्रक्रिया तुरंत रोकने की मांग की। चीन ने चेतावनी दी कि वह अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाता रहेगा। हालांकि, इन प्रतिबंधों को प्रतीकात्मक माना जा रहा है, क्योंकि ज्यादातर अमेरिकी रक्षा कंपनियों का चीन में सीमित या कोई व्यावसायिक हित नहीं है। (अनंत ज्ञान)

## स्पोर्ट्स विंडो

### शुभमन गिल प्रैक्टिस करने मोहाली पहुंचे स्पिन-फास्ट बॉलिंग पर की बैटिंग

**एजेंसी, चंडीगढ़।** मोहाली साल 2026 के टी-20 वर्ल्ड कप की टीम से बाहर हुए इंडियन क्रिकेटर शुभमन गिल मोहाली में पसीना बहा रहे हैं। मोहाली का आईएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम गिल का होम ग्राउंड है। गिल 24 दिसंबर को मोहाली पहुंचे। इसके बाद कल (25 दिसंबर) को उन्होंने ग्राउंड में 2 घंटे की नेट प्रैक्टिस की। गिल मोहाली में ही रहते हैं। स्टेडियम में उन्होंने लोकल प्लेयर्स के साथ प्रैक्टिस की। बता दें कि पिछले शनिवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी में वर्ल्ड कप-2026 टीम की घोषणा की थी। इस टीम में शुभमन गिल का नाम शामिल नहीं था। वह पिछली 18 पारियों में एक भी अर्द्धशतक नहीं लगा सके। अब मोहाली स्टेडियम में प्रैक्टिस कर गिल ने दोबारा से टीम में वापसी की तैयारी शुरू कर दी है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के स्टेडियम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि गिल 31 दिसंबर तक स्टेडियम में प्रैक्टिस करेंगे। (अनंत ज्ञान)

### आईएसएल में अनिश्चितताः मुंबई सिटी से सिटी ग्रुप बाहर

**एजेंसी, नई दिल्ली।** मुंबई सिटी एफसी ने शुक्रवार को पुष्टि की कि क्लब में बहुमत हिस्सेदारी रखने वाला सिटी फुटबॉल ग्रुप (सीएफजी) आईएसएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के मद्देनजर अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचकर संस्थापक मालिकों, बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और व्यवसायी बिमल पारेख को सौंप दी है। सीएफजी के पास मैनचेस्टर सिटी सहित कई वैश्विक शीर्ष क्लबों का स्वामित्व है। 2019 में मुंबई सिटी में 65% हिस्सेदारी हासिल करने के बाद क्लब ने दो बार आईएसएल चैंपियन और दो बार लीग शील्ड जीतकर इतिहास रचा। मुंबई सिटी एफसी ने बयान में कहा कि सीएफजी ने क्लब की उपलब्धियों पर गर्व जताया और खिलाड़ियों, कोच, स्टाफ और प्रशंसकों के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। समूह ने कहा कि यह कदम आईएसएल में जारी अनिश्चितता और व्यावसायिक समीक्षा के बाद लिया गया है। (अनंत ज्ञान)

### 44वीं जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में 70 टीमें लेंगी भाग

**एजेंसी, नई दिल्ली।** 44वीं जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक गुंजूर, बेंगलुरु स्थित अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 26 राज्यों और 6 केंद्रशासित प्रदेशों की लगभग 70 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें 35 बालक और 35 बालिका टीमें शामिल हैं। टीमें 8-8 समूहों में विभाजित होंगी और लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में मुकाबले होंगे। प्री-क्वार्टर फाइनल 3 जनवरी को और सेमीफाइनल तथा फाइनल 4 जनवरी को आयोजित होंगे। केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि यह प्रतियोगिता खो-खो का उत्सव है और जूनियर खिलाड़ियों को अपने कौशल दिखाने का अवसर देती है। कर्नाटक संघ ने सभी खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और आवागमन की पूरी व्यवस्था की है। महाराष्ट्र, पिछले संस्करण की विजेता टीम, इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। (अनंत ज्ञान)

### लॉरा की खूबसूरती की दुनिया दीवानी

**दक्षिण अफ्रीका।** द. अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट जितनी अपने खेल में माहिर हैं, उतनी ही खूबसूरती के मामले में भी आगे हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही वायरल हो जाती हैं।

**रिकॉर्ड** 152 पर सिमटकर भी ऑस्ट्रेलिया को 46 रन की बढ़त, इंग्लैंड 110 पर ढेर

# चौथे एशेज टेस्ट के पहले दिन गिरे 20 विकेट

**एजेंसी, मेलबर्न**

ऑस्ट्रेलियाई टीम 152 रन पर आउट हो गई, लेकिन इसके बावजूद इंग्लैंड पर पहली पारी में 42 रन की बढ़त बना ली और चौथे एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड 20 विकेट गिर गए। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट के लिए रिकॉर्ड 94199 दर्शक पहुंचे थे, जबकि पिछला रिकॉर्ड 93013 का था जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 2015 विश्व कप फाइनल के दौरान दर्ज किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के चार रन बनाए थे और उसके पास अब 46 रन की बढ़त है। जोश टंग ने 45 रन देकर पांच विकेट लिए और टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड ने मेजबान टीम को सस्ते में आउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 29.5 ओवर में 110 रन पर आउट हो गई। माइकल नेसर ने 45 रन देकर चार विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर सीरीज 11 दिन के भीतर ही अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले छह ओवर में 27 रन बनाए। इसके बाद ट्रेविस हेड (12) को गुस एटकिंसन ने सस्ते में आउट किया। टंग ने जेक

वेदराल्ड (10) को पवेलियन भेजा और उनका अगला शिकार मार्नस लाबुशेन (छह) बने जो पहली स्लिप में कैच देकर लौटे। ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट 34 रन पर गिर गए थे।

कप्तान स्टीव स्मिथ को टंग ने जब आउट किया तब स्कोर 51 रन था। अनुभवी उस्मान ख्वाजा 29 रन बनाकर एटकिंसन की गेंद पर आउट हुए। उस समय स्कोर पांच विकेट पर 89 रन था और दो रन बाद एलेक्स कैरी ने गली में कैच थमा दिया। नेसर (35) और कैमरन ग्रीन (17) ने 52 रन की साझेदारी की, लेकिन ग्रीन के रन आउट होने पर यह साझेदारी टूट गई। टंग ने नेसर और स्कॉट बोलैंड (0) को अपने 12वें ओवर की पहली दो गेंदों पर आउट किया। जवाब में इंग्लैंड ने पांचवें ओवर में तीन विकेट आठ रन पर गंवा दिए थे। जैक क्रॉली (पांच), जैकब बेथेल (दो) और बेन डकेट (दो) जल्दी आउट हो गए, जो रूट खाता भी नहीं खोल सके। हैरी ब्रूक ने 34 गेंद में 41 रन बनाए और पांचवें विकेट के लिए बेन स्टोक्स के साथ 50 रन जोड़े। बोलैंड ने ब्रूक, जैमी स्मिथ (दो) और विल जैक्स (पांच) को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया। स्टोक्स 16 रन बनाकर स्लिप में कैच देकर लौटे। (अनंत ज्ञान)

## अय्यर के लिए आरसीबी की शुरुआती एकादश में जगह बनाना मुश्किल: कुंबले

**एजेंसी, नई दिल्ली**

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मिनी नीलामी में वेंकटेश अय्यर के लिए सात करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इस आकर्षक टी20 लीग के शुरुआती चरण में इस तेज गेंदबाजी हरफनमौला को एकादश में जगह मिलना मुश्किल होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने इस महीने की शुरुआत में नीलामी में अय्यर को पूर्व टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को पीछे छोड़कर इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में हुई नीलामी में अय्यर, जैकब डफी और मंगेश यादव समेत कई खिलाड़ियों को खरीदकर अपनी टीम को और मजबूत किया।

कुंबले ने कहा, ''वेंकटेश अय्यर के लिए शुरुआती एकादश में जगह बनाना मुश्किल होगा। आप जीतने वाली टीम में संदेह पैदा नहीं करना चाहते। इसी सोच के चलते फ्रेंचाइजी ने रवि बिश्नोई पर बोली नहीं लगाई, ताकि सुयश शर्मा को किसी अनुभवी भारतीय स्पिनर से खतरा महसूस न हो।'' उन्होंने कहा, ''आरसीबी को लगा था कि अय्यर को कोई और फ्रेंचाइजी अधिक बोली लगाकर खरीद लेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, इसलिए वे वेंकटेश अय्यर को पाकर खुश हैं।'' कुंबले की कप्तानी में आरसीबी 2009 सत्र का उपविजेता बना था। वह 2011 में इस टीम के मुख्य कोच बने थे। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने आईपीएल विजेता टीम के मूल खिलाड़ियों को बरकरार रखकर अच्छा काम किया है। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय बांगड़ ने भी कहा कि इस बात पर सवाल उठ सकता है कि अय्यर को शुरुआती एकादश में जगह मिलेगी या नहीं लेकिन टीम के पास एक शानदार विकल्प है।

उन्होंने कहा, ''वेंकटेश अय्यर पर पिछले सत्र से ही सबकी नजरें टिकी हुई थीं। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका आत्मविश्वास साफ दिखता है। बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक और आरसीबी के लिए प्रतिभाओं की खोज करने वाले मालोलन रंगराजन के पास अय्यर के रूप में एक अच्छा विकल्प है।'' (अनंत ज्ञान)

## मुंबई के बल्लेबाज रघुवंशी चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती

**एजेंसी, जयपुर**

मुंबई के सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को शुक्रवार को उत्तराखंड के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मैच के दौरान एक मुश्किल कैच लेने की कोशिश में कंधे, गर्दन और सिर में चोट लगने (कनकशन) के बाद अस्पताल ले जाया गया। यह घटना पारी के 30वें ओवर में हुई, जिसमें ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान गेंदबाजी कर रहे थे।

दाएं हाथ के बल्लेबाज सौरभ रावत ने स्लॉग-स्वीप खेलने की कोशिश की और डीप मिडविकेट पर खड़े रघुवंशी कैच पकड़ने के लिए तेजी से दौड़ते हुए आगे बढ़े।

उन्होंने एक हाथ से गेंद को लपकने का प्रयास किया लेकिन यह सफल नहीं रहा और वह गिर पड़े जिससे उनके कंधे में चोट लगी और उनका सिर जमीन से टकरा गया। इससे उन्हें कनकशन (सिर में चोट लगना) हो गया। रघुवंशी कुछ सेकेंड के लिए घुटनों के बल बैठे रहे, लेकिन फिर जमीन पर लेट गए। इसके बाद मुंबई के फिजियो मैदान पर पहुंचे। रघुवंशी अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पा रहे थे तो स्ट्रेचर मंगवाया गया और बाहर खड़ी 'एम्बुलेंस' उन्हें पास के एसडीएमएच अस्पताल ले गई। उनके जरूरी स्कैन करवाए जाएंगे और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। (अनंत ज्ञान)

## हरमनप्रीत, हार्दिक की नजरें हॉकी इंडिया लीग से अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी पर

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारत के अनुभवी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह की नजरें हॉकी इंडिया लीग में अच्छा प्रदर्शन करके आगामी व्यस्त सत्र से पहले अपने कौशल को निखारने और आत्मविश्वास बढाने पर लगी हैं। भारतीय टीम का अगला साल काफी व्यस्त है, जिसमें एफआईएच प्रो लीग, विश्व कप और एशियाई खेल होने हैं।

हॉकी इंडिया लीग तीन जनवरी से शुरू होगी और व्यस्त सत्र से पहले खिलाड़ियों के लिए लय में आने का सुनहरा मौका है। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब के लिये खेलने वाले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि लीग का स्तर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों जैसा है और इससे खिलाड़ियों को फॉर्म पाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा,''हॉकी लीग भारतीय टीम के सदस्यों के लिए सही समय पर हो रही है। इसमें शीर्ष स्तर की हॉकी खेली जाती है और हर मैच अंतरराष्ट्रीय मैच की तरह ही है और हम प्रो लीग, विश्व कप तथा एशियाई खेलों से पहले ऐसा ही चाहते थे।''

हरमनप्रीत ने कहा,''भारतीय टीम और सूरमा का कप्तान होने के नाते मुझे लगता है कि यह युवा खिलाड़ियों के लिए सीनियर्स के साथ खेलकर सीखने का सुनहरा मौका है।'' एचआईएल संचालन परिषद टीम के कप्तान ओलंपियन हार्दिक ने कहा,''यह सत्र मेरे और टीम के लिए काफी अहम है। लीग में भारी दबाव वाले मैच होते हैं जो आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी के लिये जरूरी हैं। हम आक्रामक हॉकी खेलकर हर टीम को कड़ी चुनौती देंगे।'' (अनंत ज्ञान)

### हार्दिक एचआईएल संचालन परिषद टीम के कप्तान बने

**एजेंसी, नई दिल्ली।** भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह को तीन जनवरी से चेन्नई में शुरू हो रही पुरुष हॉकी इंडिया लीग में एचआईएल संचालन परिषद टीम का कप्तान बनाया गया है। एचआईएल संचालन परिषद का पहला मैच पांच जनवरी को एसजी पाइपर्स से होना है। हार्दिक ने एक विज्ञप्ति में कहा,''मैं इस मौके के लिए शुक्रगुजार हूं। कप्तानी करना रोमांचक अनुभव होगा और हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। हमें उम्मीद है कि इस सत्र में प्रदर्शन शानदार होगा।'' इस टीम में ललित उपाध्याय, सैम वार्ड, सुरेंद्र कुमार और केन रसेल जैसे दिग्गज भी हैं। इसके अलावा जूनियर विश्व कप में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे गुरजोत सिंह, मनमीत सिंह और टी प्रियव्रत भी टीम में हैं। यूपी रुद्रास के पीछे हटने के बाद 2026 सत्र के लिए एचआईएल संचालन परिषद टीम बनाई गई ताकि खिलाड़ियों को नुकसान नहीं हो।

## आखिरी दोनों एशेज टेस्ट से बाहर कमिंस की नजरें टी20 विश्व कप पर

**एजेंसी, मेलबर्न**

फिटनेस समस्याओं के कारण आखिरी दो एशेज टेस्ट से भी बाहर हुए ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस की नजरें अब अगले साल फरवरी में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप पर लगी हैं। कमिंस जून-जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे पर लगी कमर की चोट के कारण पहले दो एशेज टेस्ट से बाहर थे, लेकिन एडीलेड में तीसरे मैच में वापसी करके छह विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीनों टेस्ट जीत लिए हैं, लिहाजा कमिंस को आखिरी दो मैचों से बाहर रखने का फैसला किया गया। बॉक्सिंग डे टेस्ट के लंच ब्रेक के दौरान उन्होंने चैनल नाइन से कहा कि बेहतर लग रहा है। कुछ सप्ताह पहले ही कमर की चोट से उबरा हूं तो लगातार दो टेस्ट खेलना जोखिम भरा होता। अब टी20 विश्व कप से पहले कुछ आराम करूंगा। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप में पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से खेलना है। (अनंत ज्ञान)

## विजय हजारे ट्रॉफी में कोहली-पंत की फिफ्टी से जीती दिल्ली

**एजेंसी, नई दिल्ली**

विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में शुक्रवार को दिल्ली से खेलते हुए 29 गेंदों में अर्द्धशतक लगाया। उन्होंने गुजरात के खिलाफ 61 बॉल पर 77 रन बनाए। इधर, जयपुर में मुंबई के रोहित शर्मा उत्तराखंड के खिलाफ पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जबकि राजकोट में कप्तान रिंकू सिंह के शतक के सहारे उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 227 रन से हराया।

बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे ग्रुप-डी के मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली की शुरुआत खराब रही। ओपनर प्रियांश आर्या सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर विराट कोहली ने 11 चौके और एक छक्का जड़ते हुए 61 गेंदों में 77 रन बनाए और दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। कप्तान ऋषभ पंत (79 गेंदों पर 70 रन) और (हर्ष त्यागी ने 47 गेंदों पर 40 रन) की पारियों ने दिल्ली को 254/9 के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में गुजरात 47.4 ओवर में 247 रन पर ऑलआउट हो गई। (अनंत ज्ञान)

### यूपी ने चंडीगढ़ को 227 रन से हराया

**राजकोट** में चल रहे ग्रुप-बी के मैच में चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। यूपी ने रिंकू सिंह और आर्यन जुयाल के शतक के सहारे 50 ओवर में 4 विकेट पर 367 रन बना लिए। रिंकू ने 60 बॉल पर नाबाद 106 रन बनाए। जबकि आर्यन ने 118 बॉल पर 134 रन बनाए। चंडीगढ़ से तरणप्रीत सिंह को दो विकेट मिले। जवाब में चंडीगढ़ की पारी 30 ओवर से पहले ही 140 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से कप्तान मनन वोहरा ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। यूपी से जीशान अंसारी ने 4 विकेट चटकाए।

### मुंबई ने उत्तराखंड को हराया रोहित जीरो पर आउट

**जयपुर** में खेले जा रहे ग्रुप-सी के मुकाबले में उत्तराखंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। इस मैच में रोहित शर्मा पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। उत्तराखंड के खिलाफ मुंबई ने 50 ओवर में सात विकेट पर 331 रन बनाए। मुशीर खान और सरफराज खान ने 55-55 रन बनाए। वहीं, हार्दिक तोमरे ने 82 गेंदों में नाबाद 93 रन की पारी खेली। जवाबी पारी में उत्तराखंड की टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 280 रन ही बना सकी। युवराज चौधरी ने 96 और जे सुचित ने 51 रन बनाए। शार्दूल ठाकुर, ओंकार तरमाले और मुशीर खान को 2-2 विकेट मिले।

## हाईकोर्ट ने ईएफआई महासचिव जयवीर को किया बहाल

**एजेंसी, नई दिल्ली**

दिल्ली की अदालत ने भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) के महासचिव कर्नल (सेवानिवृत्त) जयवीर सिंह की बहाली कर दी। अदालत ने महासंघ की कार्यकारी समिति द्वारा उनके निलंबन को अवैध करार दिया और सिंह के आधिकारिक संचार व बैंक खातों पर अधिकार भी बहाल किए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने 22 दिसंबर को ईएफआई को 21 अगस्त 2025 की कार्यकारी समिति की बैठक के 'मिनट्स' लागू करने से रोक दिया। इसी बैठक में सिंह का निलंबन बढ़ाया गया और किसी अन्य अधिकारी को कार्यवाहक महासचिव नियुक्त किया गया था। अदालत ने संयुक्त सचिव एमएम रहमान को कार्यवाहक महासचिव बनने से भी रोका।

जयवीर सिंह 2019 में ईएफआई के महासचिव चुने गए थे। तब से महासंघ कई कानूनी विवादों में उलझा रहा है। नवंबर 2019 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुप्रबंधन के आरोपों के बीच ईएफआई के कामकाज की निगरानी के लिए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। मई 2024 में उच्च

### निलंबन को किया अवैध बैंक और आधिकारिक अधिकार भी लौटाए

न्यायालय ने संबंधित रिट याचिकाओं के निपटारे तक 2019 में निर्वाचित कार्यकारी समिति की बहाली का आदेश दिया, जिसमें सिंह भी शामिल थे।

मार्च 2025 में विवाद तब बढ़ा जब ईएफआई की कार्यकारी समिति ने सिंह को वित्तीय अनियमितताओं, महासंघ के उपनियमों के उल्लंघन और अधिकारों के दुरुपयोग के आरोपों के साथ कारण बताओ नोटिस जारी किया। 11 अप्रैल 2025 को उन्हें जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया। सिंह ने निलंबन को चुनौती दी, तर्क दिया कि यह उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक की अनुमति और आम सभा की बैठक के बिना लगाया गया। अप्रैल 2025 में पर्यवेक्षक की आपत्ति के बावजूद कार्यकारी समिति ने 21 अगस्त को बैठक में निलंबन बढ़ाया और अंतरिम महासचिव नियुक्त किया। सिंह ने आरोप लगाया कि इस अवधि में विपक्षी गुट ने ई-मेल लॉगिन बदलने और बैंक खाते बिना वैध अधिकार संचालित करने का काम किया। (अनंत ज्ञान)

**यादें** एशिया कप से पुरुषों की चमक, लेकिन नाकामियों और विवादों में घिरी महिला हॉकी

# भारतीय हॉकी के लिए चुनौतीपूर्ण रहा साल 2025

**एजेंसी, नई दिल्ली**

पिछले साल ओलंपिक कांस्य झोली में डालने के बाद 2025 भारतीय हॉकी के लिए कुछ खास नहीं रहा हालांकि पुरुष टीम ने लगभग एक दशक बाद एशिया कप जीता लेकिन महिला टीम के प्रदर्शन में निरंतर गिरावट चिंता का सबब बना हुई है। भारतीय हॉकी का यह शताब्दी वर्ष भी है लेकिन आठ बार की ओलंपिक चैंपियन टीम के लिए वर्ष 2025 में कुछ भी असाधारण नहीं रहा। इस वर्ष भारतीय हॉकी की सबसे बड़ी उपलब्धि पुरुष टीम की राजगीर में एशिया कप में जीत रही जहां आठ साल बाद खिताब जीतकर उसने अगले साल 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच विश्व कप का टिकट कटाया।

भारतीय टीम ने एक बार फिर उपमहाद्वीप में दबदबा बनाया और सबसे अच्छी बात यह रही कि 15 गोल दागे, जबकि सिर्फ दो गंवाए। फाइनल में भारत ने गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराया, जिसमें दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने गोल किए।

फाइल फोटो

इससे पहले एफआईएच प्रो-लीग में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। हरमनप्रीत सिंह की टीम नौ टीमों में आठवें स्थान पर रही और नीचे खिसकने से बाल बाल बची है। घरेलू चरण में भुवनेश्वर में पांच मैच जीतने के बाद यूरोपीय चरण में लगातार सात मैच गंवाए। अजलन शाह कप में भारत की युवा टीम ने रजत पदक जीता। छह साल बाद टूर्नामेंट खेल रही भारतीय टीम फाइनल में दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम से एक गोल से हारी, लेकिन नये कप्तान डिफेंडर संजय के साथ युवा टीम गई थी, जिसमें हरमनप्रीत और मनप्रीत जैसे सीनियर नहीं थे।

पुरुष जूनियर टीम ने इस महीने चेन्नई में जूनियर हॉकी विश्व कप में नौ साल बाद कांस्य पदक जीता। कांस्य के मुकाबले में अर्जेंटीना से दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए भारत ने 4-2 से जीत दर्ज की। भारत की नजरें अब अगले साल विश्व कप के अलावा जापान में एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में सीधे जगह बनाने पर लगी होंगी। दूसरी ओर टोक्यो ओलंपिक 2021 में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला टीम का प्रदर्शन लगातार खराब हुआ है और पिछले साल टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। इस साल भी कहानी कमोबेश वही रही। प्रो-लीग में टीम दो जीत और 11 हार (लगातार आठ) के बाद आखिरी स्थान पर रही और दूसरे दर्जे की स्पर्धा एफआईएच नेशंस कप में खिसक गई। अब यह टूर्नामेंट जीतकर ही टीम 2026-27 में एफआईएच प्रो-लीग में लौट सकेगी।

वहीं, सितंबर में एशिया कप फाइनल में चीन से 1-4 से हारकर अगले साल विश्व कप में भी सीधे जगह नहीं बना सकी। साल के आखिर में टीम पर विवादों का साया भी पड़ा जब मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को 'तानाशाहीपूर्ण और पुरानी' कोचिंग शैली के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा।

हॉकी इंडिया ने हालांकि, कहा कि खराब नतीजों के कारण यह फैसला लिया गया है। जूनियर महिला टीम चैंटियागो में विश्व कप में दसवें स्थान पर रही। जूनियर टीम के एक कोचिंग स्टाफ पर भी यौन कदाचार के आरोप लगे जिसे बाद में हॉकी इंडिया ने आंतरिक जांच के बाद क्लीन चिट दे दी। इस पृष्ठभूमि में भारतीय महिला टीम की राह आसान नहीं दिख रही। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर ले जाने वाले कोच शोर्ड मारिन की वापसी लगभग तय है, लेकिन उनके सामने पहली चुनौती मार्च में होने वाला विश्व कप क्वालीफायर जीतकर खोया आत्मविश्वास लौटाने और ड्रेसिंग रूम का विश्वास जीतने की होगी। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान FLASHBACK 2025